कार्तिक कृष्ण पक्ष 13, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

रांची का तापमान
कांके: अधिक. 29.0° न्यून. 16.8°
रांची: अधिक. 31.0° न्यून. 17.4°

रांची, रविवार
19 अक्टूबर 2025
वर्ष-26, अंक- 255, पृष्ठ-12
मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

जीएसटी की दरों में कमी होने के कारण वाहनों की भी खूब हुई बिक्री | बर्तन से लेकर सोने और चांदी के आभूषण की हुई जबर्दस्त खरीदारी

रांची में धनतेरस पर हुई धनवर्षा

नवीन मेल डेस्क

रांची। राजधानी रांची में धनतेरस पर शनिवार को दोपहर से देर रात तक भारी भीड़ देखी गई। बाजारों में रौनक छाई रही। रांची के हरमू सहित कई बाजारों में भारी भीड़ की वजह से कई बार ट्रैफिक नियंत्रण से बाहर होने लगा था। सड़क पर जहां-तहां जाम लगता रहा। वहीं, धनतेरस के मौके पर लोग पारंपरिक रूप से पीतल के बर्तन से लेकर सोने-चांदी के आभूषण और गाड़ियों को खरीदते नजर आए। एक अनुमान के अनुसार, इस बार धनतेरस के मौके पर रांची सहित पूरे झारखंड में 2500 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार होने की संभावना है। धनतेरस पर शुभ माने जाने वाले सामानों की खूब खरीदारी हुई। कौड़ी, धनिया, झाड़ू आदि की खूब बिक्री हुई। इनकी कीमत बाजार में 50 से 100 रुपए तक रही। इस वर्ष कमलकट्टा, कौड़ी, धनिया और अन्य शुभ वस्तुओं का तैयार पैकेट भी बाजार में उपलब्ध था। इसकी कीमत 50 से 100 रुपए तक थी। शाम होने के साथ ही रांची के लगभग सभी मुहल्लों में बाजारों में रौनक बढ़ती चली गई। धनतेरस पर दीपावली के लिए पूजन सामग्री, मूर्तियां और बर्तन की खूब खरीदारी हुई। सड़क के दोनों ओर दिवाली बाजार सजे हुए थे। झाड़ू, करौंज तेल, बताशे, मूड़ी, मूरकी, दीये-बाती, मूर्तियां, फूल, मिट्टी के खिलौने, घर सजाने की सामग्री, बंदनवार, तोरण, बर्तन आदि बाजार में रौनक बिखेर रहे थे।

दीपाटोली से लेकर बूटी मोड़ तक धनतेरस बाजार देखने लायक था।

शेष पेज 11 पर

समस्त झारखंडवासियों को आज धनतेरस और आने वाले दीपों के पर्व दीपावली एवं काली पूजा, सोहराय, भैया दूज, चित्रगुप्त पूजा और आस्था के पर्व महाछठ की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। त्योहारों का यह उत्सव आप हर्षोल्लास से मनाएं। इसके लिए राज्य की मईयां को सम्मान राशि आपके हेमंत दादा द्वारा भेजी जा रही है। मुझे आशा है आपका यह त्योहार खुशियों से भरा होगा, इसी कामना के साथ सभी को बहुत-बहुत बधाई और झारखंडी जोहार।

-कल्पना सोरेन, विधायक, गांडेय (फेसबुक मैसेज)

नेशनल हेराल्ड केस में 29 नवंबर तक सुनवाई टली

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अदालत ने मामले में सुनवाई के लिए 29 नवंबर की तारीख तय की है। फिलहाल, स्वामी की यह शिकायत ट्रायल स्टेज में है। अपनी याचिका में उन्होंने आरोप लगाया है कि 2000 करोड़ रुपए की नेशनल हेराल्ड कंपनी को महज 50 लाख रुपए में खरीदा गया। इस मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत कांग्रेस पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चल रहा है।

उदंती एरिया कमेटी ने माओवादियों से की आत्मसमर्पण की अपील

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के उदंती एरिया कमेटी ने संगठन में सक्रिय माओवादियों से आत्मसमर्पण की अपील करते हुए एक पत्र जारी किया है। उदंती एरिया कमेटी के लीडर सुनील ने पत्र में माओवादियों से हथियार त्यागकर मुख्यधारा में लौटने का आह्वान किया है, ताकि वे जनता के बीच रहकर सामाजिक संघर्ष को नए रूप में आगे बढ़ा सकें। यह पत्र महाराष्ट्र और बस्तर क्षेत्र में हालिया बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पणों के बाद आया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान परिस्थितियां सशस्त्र संघर्ष के अनुकूल नहीं रही हैं, सुरक्षा बलों का दबाव बढ़ गया है और संगठन ने क्रांति को अपेक्षित रूप से आगे नहीं बढ़ा पाया।

पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस को मिली बड़ी सफलता

छोटानागरा में दो सक्रिय नक्सली हुए गिरफ्तार

हथियार और कारतूस बरामद आईईडी से पुलिया उड़ाने में थे शामिल

नवीन मेल डेस्क

रांची/चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम)। पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस को शनिवार को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी। पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस ने सीआरपीएफ 26 बटालियन के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी छोटानागरा थाना क्षेत्र के रातामाटी गांव से हुई है। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान बंदगांव थाना क्षेत्र के सिंकल गांव निवासी अलब्रेट लोमगा उर्फ रेंगो लोमगा (उम्र 19 वर्ष) और विकास लोमगा उर्फ रापा लॉमगा उर्फ गवरी लोमगा उर्फ बालका लोमगा (उम्र 20 वर्ष) के रूप में हुई है। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने इस मामले पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि विगत 09 अक्टूबर की रात्रि में रात्रि में छोटानागरा थानांतर्गत रातामाटी के क्षेत्र में पुलिया को आईईडी लगाकर नक्सलियों ने क्षतिग्रस्त किया था। इस संदर्भ में अनुसंधान प्रारंभ किया।

शेष पेज 11 पर

जेटेया के बुरुबोरता जंगल से मिला हथियारों का बड़ा डंप

पश्चिमी सिंहभूम जिले की पुलिस को एक अन्य बड़ी सफलता शुक्रवार (17 अक्टूबर) को मिली। गुप्त सूचना के आधार पर जेटेया थाना क्षेत्र के बुरुबोरता जंगल में सर्च अभियान चलाया गया। बम निरोधक दस्ते ने यहां से माओवादी डंप को खोज निकाला। यहां सुरक्षा बलों पर हमले के लिए छिपाए गए भारी हथियार और विस्फोटक सामग्री मौजूद थी। हथियार में यहां 1 इंसास रायफल, 198 (5.56 एमएम), 112 (7.62 एमएम), 134 (303) और 15 ब्लैंक गोलियां मिलीं। इंसास की 4 मैगजीन, एसएलआर की 2 मैगजीन, 303 रायफल की 2 मैगजीन और 9 चार्जर भी मिले। विस्फोटक सामग्रियों में 2 सिलिंग और 12 सिरिंज बरामद हुए। साथ ही, पीट्ठू बैग, कंबल, पाउच, नोटबुक, किताबें और माओवादी पर्चे भी बरामद किए गए। पश्चिमी सिंहभूम के एसपी अमित रेणु ने बताया कि माओवादी संगठनों के खिलाफ अभियान तेज है। उन्होंने इस साल की सफलताएं गिनाते हुए बताया कि अब तक 32 नक्सली ढेर किए जा चुके हैं। 266 गिरफ्तार हुए हैं और 30 ने सरेंडर किया है।

शेष पेज 11 पर

नक्सलियों-उग्रवादियों के सफाए को लेकर राज्य सरकार प्रतिबद्ध

हेमंत सोरेन सरकार झारखंड से नक्सलियों और उग्रवादियों के सफाए को लेकर प्रतिबद्ध है। और, इसमें लगातार सफलता भी मिल रही है। जनवरी 2025 से लेकर मध्य सितंबर 2025 तक झारखंड पुलिस और केंद्रीय बलों के साथ हुए एनकाउंटर में हर सप्ताह एक नक्सली या उग्रवादी मारा गया है। झारखंड पुलिस ने एनकाउंटर के मामले में वर्ष 2025 में रिकॉर्ड कायम किया है। कई नक्सलियों और उग्रवादियों की गिरफ्तारी भी हुई है। बड़ी संख्या में नक्सलियों और उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण भी किया है।

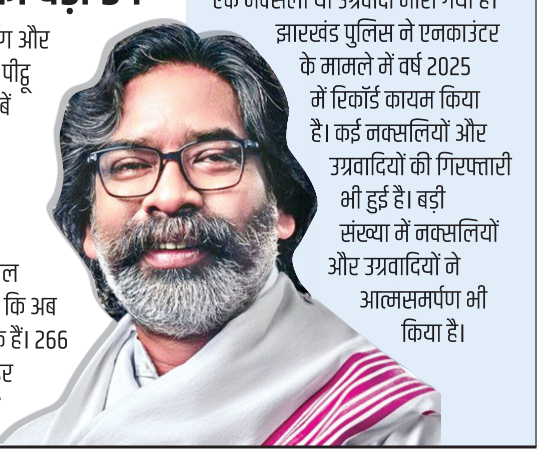

पीटीआर में नजर आया बाघ, रिजर्व में बढ़ रहा है वन्यजीवों का विश्वास

राणा अरुण सिंह

फाइल फोटो

कैमरा ट्रैप में कैद हुआ तीन से चार वर्ष का नर बाघ, फिर बना बाघों का पसंदीदा पीटीआर आवास

मेदिनीनगर। पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में हाल ही में एक तीन से चार वर्ष का नर बाघ देखा गया है। यह बाघ कैमरा ट्रैप में रिकॉर्ड हुआ है। इसके शरीर पर बनी धारियां रिजर्व में पहले से मौजूद बाघों से भिन्न हैं। पलामू टाइगर रिजर्व के निदेशक एस आर नटेश ने राष्ट्रीय नवीन मेल को बताया कि हमारे प्रयासों के सार्थक परिणाम दिखने लगे हैं। क्षेत्र के ग्रामीणों को पुनर्वासित करने से पीटीआर बाघ के लिए सुरक्षित आश्रय बन गया है। यह काम और पहले होना चाहिए था, तब यह क्षेत्र भी मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ व अन्य टाइगर रिजर्व की तरह होता, जहां बाघों की संख्या पर्यटकों का ध्यान खींचता है। उन्होंने बताया कि अनुमान के अनुसार 5 बाघ अभी पीटीआर क्षेत्र में है। इस संबंध में पीटीआर के उप निदेशक पी.के. जेना ने बताया कि बाघों के पलामू की ओर लौटने का अर्थ है कि अब पीटीआर को वे 'विश्वसनीय और सुरक्षित प्राकृतिक आवास' मान रहे हैं।

जेना ने बताया कि फिलहाल पीटीआर में मादा बाघों की कमी है, यह स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि पीटीआर को मादा बाघों के पुनर्स्थापन (ट्रांसलोकेशन) की आवश्यकता है ताकि बाघों की प्रजनन प्रक्रिया फिर से सक्रिय हो सके। पीटीआर निदेशक एस आर नटेश ने बताया कि बाघों के भोजन की क्षेत्र में कमी नहीं है। जंगल में चीतल छोड़े गए हैं। ताकि पर्याप्त आहार उपलब्ध हो सके। सूत्र बताते हैं अब बाघ सिर्फ चीतल या सांभर पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि जंगली सुअर, भैंसे और नीलगाय भी उनके भोजन का हिस्सा बन रहे हैं। उप निदेशक जेना ने बताया कि बाघों की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त है और 'जनभागीदारी अभियान' के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों और वन विभाग के बीच भरोसे का वातावरण बना है। कई ग्रामीणों ने अपने देशी बंदूकें सरेंडर कर पीटीआर प्रबंधन पर आम विश्वास जताया है।

पीटीआर के निदेशक एस आर नटेश बताया दो गांवों का पुनर्वास कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। वहीं 40 साल से लंबित मंडल डैम से जुड़ा विवाद भी अब सुलझने की दिशा में है, जिससे वन्यजीवों के लिए जल और क्षेत्र दोनों की उपलब्धता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि बाघों की यह वापसी संरक्षण प्रयासों की सफलता का प्रमाण है और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में पलामू फिर से अपने पुराने गौरव झारखंड बाघों का घर के रूप में स्थापित होगा।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

लोहरदगा में कार से 168 किलो अवैध गांजा बरामद, 2 गिरफ्तार

- **एसपी ने बताया, बरामद गांजे की बाजार कीमत करीब 70 लाख रुपए है**

नवीन मेल संवाददाता

कुडू (लोहरदगा)। नशे के खिलाफ अभियान में कुडू थाने की पुलिस को लगातार दूसरे दिन बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने शनिवार को एक कार से एक क्विंटल अड़सठ किलोग्राम (168 किलो) गांजा बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। लोहरदगा के एसपी सादीक अनवर रिजवी ने कुडू थाने में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ओडिशा से बिहार की ओर गांजे की बड़ी खेप कार से लाई जा रही है। सूचना के आधार पर कुडू थाना प्रभारी को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पुलिस ने संख-लुकैया मार्ग पर घेराबंदी की।

इसी दौरान बिहार नंबर की एक फोर्ड फिएस्टा कार (बीआर 11 जेड 3556) का चालक पुलिस को देख गाड़ी लेकर भागने लगा।

शेष पेज 11 पर

गुमला की बांसडीह घाटी में सड़क हादसा, महिला की मौत

नवीन मेल संवाददाता

9 घायल, टेंपो को पीछे से अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

गुमला। गुमला के सदर थाना क्षेत्र की बांसडीह घाटी में शनिवार को दिन में करीब 3:00 बजे एक टेंपो को पीछे से अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। इस हादसे में हर्रा डीपाटोली निवासी 40 वर्षीया सुकरी देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, टेंपो में सवार नौ लोग घायल हो गए।

घायलों में हर्रा डीपाटोली निवासी बेनेदिक्ता लकड़ा (38), जय माला (10), दिनेश उरांव (25), पवन उरांव (22), जानकी देवी (40), बालमीत कुमारी (21), बिनसरी उरांव (50), अमन लकड़ा (13) व कमला देवी (40) शामिल हैं। स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायलों को टेंपो में लादकर सदर अस्पताल गुमला लाया गया। यहां सभी का इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर गुमला पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के उपरांत पोस्टमार्टम कराया।

पोस्टमार्टम होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के संबंध में घायलों ने बताया कि दीपावली व गुमला का साप्ताहिक हाट होने के कारण वे सभी अपने घर के सामनों की खरीदारी करने टेंपो में सवार होकर गुमला शहर आ रहे थे।

शेष पेज 11 पर

अज्ञात वाहन की टक्कर से ग्रामीण की मौत

सेन्हा (लोहरदगा)। लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के सीठीयो ग्राम में लोहरदगा-बेड़ो मुख्य पथ पर शुक्रवार की देर शाम एक ग्रामीण को अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया। इससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, वाहन चालक दुर्घटना के बाद घटनास्थल से गाड़ी लेकर फरार हो गया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय अर्जुन उरांव के रूप में की गई है। वह दिहाड़ी मजदूर बताया जाता है। इधर, इस हादसे के बाद उग्र गामीणों ने सड़क जाम कर दिया। इसके बाद मौके पर पहुंचे सेन्हा के अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत और थाना प्रभारी वारिस हुसैन ने ग्रामीणों को समझाते हुए सड़क जाम खुलवाने का प्रयास किया। लेकिन, ग्रामीण तत्काल मुआवजा एवं परिवार के जीविकोपार्जन व्यवस्था को लेकर घंटों शव के साथ सड़ पर डटे रहे।

मृत युवक की पहचान बगडू थाना क्षेत्र के हिसरी पतरातू निवासी श्रवन उरांव के 30 वर्षीय पुत्र अर्जुन उरांव के रूप में की गई है। वह वर्तमान में अपने ससुराल सीठीयो में किराए के

शेष पेज 11 पर

इंडिया | पटाखों की होड़ से नहीं, शुभकामनाओं से सजते हैं त्योहार

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

दीपावली उत्साह और खुशियों का पर्व है जिसका सभी लोगों को पूरे साल इंतजार रहता है। लोगों से मिलना, मिठाइयां और पटाखे इस त्योहार को काफी खास बनाते हैं। दीपावली मनाने के पीछे वैज्ञानिक कारण यह था कि बरसात के समय प्राचीन भारत के घरों में कीड़े मकोड़े और जीव जंतु घरों में जाले बना देते थे जिससे बीमार पड़नेकी संभावना ज्यादा रहती थी जिस कारण यह घरों की सफाई का त्योहार बना जिसके बाद मिट्टी के दीयों में करंज के तेल से वातावरण को शुद्ध करने का प्रयास सामूहिक रूप से होता था जिससे घर ही नहीं आसपास का माहौल भी करंज के तेल के औषधीय गुणों से स्वच्छ हो जाता था और बरसात में घरों में घुस आए कीड़े मकोड़े दूर भाग जाते थे । आज भी गांवों की पारंपरिक दिवाली ऐसे ही मनाई जाती है । अनेक किसान अन्य दिनों में भी खेतों में भी थाली में जल रखकर दीप जलाते हैं ताकि हानिकारक कीड़े नष्ट हो जाएं। कहा जाता है कि भारत में पटाखे जलाने की शुरुआत इस्लामी साम्राज्यों के उदय के साथ-साथ हुई थी। अग्नि जलाने के क्रम में बारूद की उत्पत्ति 9 वीं शताब्दी में चीन में हुई थी। पटाखे बनाने में इसका उपयोग बाद में शुरू हुआ लेकिन मंगोल चीन पर अपने हमलों के दौरान बारूद के उपयोग से परिचित हो गए थे । इस तकनीक को मध्य एशिया, पश्चिम एशिया में वर्धमान भूमि और सुदूर पूर्व में कोरिया और जापान तक ले गए। जब मंगोलों ने भारत में प्रवेश करना शुरू किया था तो वह इस ज्वलंत तकनीक को अपने साथ लाए थे। फिर 13 वीं शताब्दी के मध्य में उन्होंने इसे दिल्ली सल्तनत में पेश किया था। दिल्ली में लोगों ने पहली बार पटाखे जलाते हुए कब देखे इस बारे में मध्ययुगीन इतिहासकार फरिश्ता ने अपनी पुस्तक तारिख-ए-फरिश्ता (जिसे गुलशन-ए-इब्राहिमी भी कहा जाता है) उसमें मार्च 1258 में घटी एक घटना का जिक्र करते हुए लिखा है कि पहली बार पटाखों का इस्तेमाल मंगोल शासक हुलगु खान के दूत के स्वागत के लिए किया गया था। यह दिल्ली में सुल्तान नसीरुद्दीन महमूद के दरबार में हुआ था और इस अवसर के लिए 3,000 कार्ट लोड पटाखे (जिसे तब फारसी में सेह हजार अररादा-ए-आतिशबाजी भी कहा जाता था) लाए गए थे। ईस्ट इंडिया कंपनी के लेफ्टिनेंट कर्नल जो बाद में जाकर जनरल भी बने जॉन ब्रिग्स, जिन्होंने इस

पुस्तक का अंग्रेजी में अनुवाद किया था, यह समझाने में असमर्थ थे कि फरिश्ता का आतिशबाजी से क्या मतलब है और उन्होंने फिर यह अनुमान लगाया कि यह मुहम्मद बिन कासिम और महमूद गजनी द्वारा इस्तेमाल की गई ग्रीक आग होगी। लेकिन प्रोफेसर इक्तिदार आलम खान ने भारत में बारूद के उपयोग पर अपने ऐतिहासिक काम में तर्क दिया है कि इस आतिशबाजी लिखने से फरिश्ता का मतलब असली पटाखे जलाने वाला बारूद था। भारतीय मान्यताओं की बात करें तो पहले शादी व्याह में पटाखे इसलिए छोड़े जाते थे ताकि सभी को पता चल जाए कि शादी हो रही है जबकि कुछ शादियां चोरी छिपे होतीं थीं जिसकी अलग कहानियां हैं । पर आज दीपावली का मतलब पटाखों का वर्चस्व हो गया है जिस के जलाने से होने वाला प्रदूषण भी सेहत के लिए भी कई प्रकार की चुनौतियां खड़ी करता है। जिस कारण कई राज्यों में पटाखों को प्रतिबंधित किया गया है। झारखंड में भी रात्रि 8 से दस के बीच ही पटाखे छोड़ने की अनुमति है ताकि बीमार,वृद्ध या बच्चों को कष्ट न हो । स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पटाखों को जलाने से होने वाला प्रदूषण कई प्रकार से हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे सिर्फ फेफड़े ही नहीं हृदय, आंखों और कई अन्य अंगों की समस्याओं के बढ़ने का भी खतरा हो सकता है। जिन लोगों को पहले से ही सांस की समस्या है, उनके लिए मुश्किलें और भी बढ़ सकती हैं।पटाखों को जलाने से निकलने वाले धुएं में कई प्रकार के हानिकारक रसायन होते हैं जो पर्यावरण को प्रदूषित करके कई प्रकार की दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। पटाखों को जलाने के कारण बढ़ने वाले प्रदूषण का असर हफ्तों तक बना रहता है। दीपावली उत्साह और खुशियों का पर्व है लोगों से मिलना, मिठाइयां और शुभकामनाएं देना इस त्योहार को यादगार बनाते हैं।

ईडी की दिनेश गोप व 19 अन्य के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत

- **पीएमएलए कोर्ट में दर्ज कराई गई है शिकायत**
- **3.36 करोड़ की मनी लांड्रिंग का चला है पता**

नवीन मेल डेस्क

रांची। ईडी ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के सरगना दिनेश गोप और 19 अन्य लोगों व संस्थाओं के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत रांची के विशेष पीएमएलए कोर्ट में पूरक अभियोजन शिकायत दर्ज कराई है। यह कार्रवाई आतंकी फंडिंग और मनी लांड्रिंग के मामले में की गई है। इसमें पीएलएफआई ने जबरन वसूली और लेवी के जरिए करीब 20 करोड़ रुपए की अवैध कमाई की। ईडी की जांच में अब तक 3.36 करोड़ रुपए की मनी लांड्रिंग का पता चला है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एफआईआर और आरोप पत्रों के आधार पर जांच शुरू की थी। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, जबरन वसूली और आतंकवादी गतिविधियों जैसे संगठित अपराध शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ कि दिनेश गोप ने झारखंड और पड़ोसी राज्यों में ठेकेदारों, व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों से हिंसा, आगजनी और धमकियों के जरिए उगाही की। इस अवैध धन को जटिल तरीकों से वैध दिखाने की कोशिश की गई। दिनेश गोप ने अपनी पत्नियों, शकुंतला कुमारी और हीरा देवी के

शेष पेज 11 पर

काली पूजा पंडाल में 1101 महिलाएं 21 को करेंगी महाआरती

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के हरमू रोड काली पूजा स्वागत समिति की ओर से इस बार 1101 महिलाएं एक रंग की साड़ी पहनकर मां काली की महाआरती करेंगी। इस वर्ष समिति अपना 37वां स्थापना उत्सव मना रही है। पूजा पंडाल नशामुक्त समाज का संदेश देगा। समिति के संस्थापक अध्यक्ष प्रेम वर्मा ने शनिवार को बताया कि हर साल समिति समाज के किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को थीम बनाकर मां काली की आराधना करती है। इस बार की पूजा नशामुक्ति अभियान को समर्पित है। 20 अक्टूबर को पूजा की जाएगी। 21 अक्टूबर को भव्य

महाआरती होगी, जिसमें 1101 महिलाएं भाग लेंगी।

झामुमो गठबंधन से हुआ अलग 6 सीटों पर लड़ेगा बिहार विस चुनाव

दो सीटों का ऑफर ठुकराया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग हो गया है। अब जेएमएम बिहार की 6 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। महागठबंधन में जेएमएम को मात्र दो सीट मिली थी। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जिन सीटों पर एनडीए के खिलाफ हमारे कार्यकर्ता लंबे समय से संघर्ष

करते आ रहे हैं, वो सीटें मिले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा- झारखंड में हमने 2019 में भी राजद, कांग्रेस को अपना समर्थन दिया था।

उनको अपनी सीटें दी थी। राजद को तो केवल सीटें ही नहीं दी, बल्कि विजयी उम्मीदवार को 5 सालों तक मंत्री बनाया। यही नहीं सम्मानजनक तरीके उनको मुख्यमंत्री ने अपने तमाम यात्राओं, कार्यक्रमों में प्रमुखता से स्थान दिया। 2024 के चुनाव में हम लोगों ने राजद को 6 सीटें और उनके विजयी एक प्रतिनिधि को अभी के वर्तमान कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान दिया है।

झामुमो को बिहार में सीट नहीं मिली, बोली भाजपा

बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से निकले हम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झामुमो को बिहार में महागठबंधन की ओर से एक भी सीट नहीं दिए जाने पर जमकर निशाना साधा। प्रतुल ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को लिखा है कि उन्हें झामुमो की इस बेइज्जती से मिर्जा गालिब का शेर याद आ गया। बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से निकले हम। उन्होंने कहा कि बिहार में सीट बंटवारे के दौरान झामुमो के साथ जो व्यवहार महागठबंधन ने किया, वह न केवल राजनीतिक अपमान है बल्कि झामुमो की खोखली राजनीतिक हैसियत को भी उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि झामुमो बिहार में महागठबंधन से 12 सीटों की मांग कर रहा था, लेकिन उन्हें एक भी सीट नसीब नहीं हुई। यह उस पार्टी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक तमाचा है, जो खुद को "महागठबंधन की रीढ़" कहती फिरती है। शाहदेव ने कहा कि बिहार में तो झामुमो को दरवाजे से अंदर घुसने नहीं दिया गया और झारखंड में यही झामुमो राजद जैसे दल को अपने सिर पर बैठाए घूम रहा है। यही नहीं, राजद का न तो झारखंड में कोई जनाधार है, न संगठन, लेकिन झामुमो ने उन्हें मंत्रिमंडल में मंत्री पद तक दे दिया। अब सवाल यह है कि क्या इस अपमान के बाद झामुमो झारखंड में राजद के मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर करेगा या फिर महागठबंधन में बने रहने के लिए चुपचाप इस बेज्जती को निगल जाएगा। झामुमो का यह मौन झारखंड की जनता भी देख रही है। बिहार में दरकिनार और झारखंड में झुककर रहने की यह दोहरी राजनीति बताती है कि झामुमो अब अपनी राजनीतिक अस्मिता खो चुका है। उन्होंने कहा कि झारखंड में राजद को मंत्री बनाकर झामुमो ने जो 'गठबंधन धर्म' निभाया था, उसका 'बिहार अध्याय' महागठबंधन ने अब पूरी तरह बंद कर दिया।

झारखंड और बिहार के सीमावर्ती जिलों के एसपी के साथ आईजी अभियान ने की बैठक

- बिहार चुनाव को लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) सह स्टेट पुलिस नोडल पदाधिकारी, झारखंड की अध्यक्षता में बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए शनिवार को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बैठक हुई। इस बैठक में झारखंड राज्य के सीमावर्ती जिला

यथा, हजारीबाग, गढ़वा, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा, पलामू, कोडरमा, देवघर, साहिबगंज एवं दुमका के पुलिस अधीक्षकों के साथ व्यापक रूप से समीक्षा गई।

बैठक के क्रम में पुलिस महानिरीक्षक, अभियान ने बिहार एवं झारखंड के सीमावर्ती जिलों में अपराधियों, असामाजिक तत्वों एवं नक्सलियों के विरुद्ध अभियान चलाने तथा अवैध शराब, मादक पदार्थ, अवैध आग्नेयास्त्र, अवैध धन के अंतरराज्यीय संचारण की रोकथाम के लिए स्थापित किए गए अंतरराज्यीय चेक पोस्ट/मिरर चेक पोस्ट के कार्य की समीक्षा करते हुए सभी बिंदुओं पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिया। विशेषकर बिहार राज्य से सटे झारखंड के जिले यथा, हजारीबाग, गढ़वा, चत्तरा, गिरिडीह, गोड्डा, पलामू, कोडरमा, देवघर, साहिबगंज एवं दुमका में मिरर चेक पोस्ट सक्रिय करने, अंतरराज्यीय वांछित अपराधियों, वारंटियों, हिस्ट्रीशीटरों के बारे में संयुक्त रूप से आसूचना साझा करते हुए वांछित कार्रवाई करने के लिए कहा गया। साथ ही, सक्रिय अंतरराज्यीय संगठित अपराध एवं आपराधिक गिरोहों के सरगना सहित एवं उनके सदस्यों तथा बिहार राज्य के वांछित अपराधकर्मी, जो झारखंड राज्य के निवासी हैं, उनके विरुद्ध संयुक्त कठोर कारगर कार्रवाई करने के लिए संबंधित पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया, ताकि बिहार विधानसभा चुनाव-2025 निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा सके।

बैठक में सुनील भाष्कर, प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, बोकारो, धनंजय कुमार सिंह, पुलिस उप-महानिरीक्षक, जंगलवार फेयर स्कूल नेतरहाट सह चुनाव कोषांग तथा हजारीबाग, गढ़वा, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा, पलामू, कोडरमा, देवघर, साहिबगंज एवं दुमका के पुलिस अधीक्षक उपस्थित थे।

असाधारण योगदान के लिए मिला है इस वर्ष का नोबेल पुरस्कार : प्रो एके पाढ़ी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड केंद्रीय विवि (सीयूजे) के रसायन विज्ञान विभाग में 'रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2025' विषय पर एक ज्ञानवर्धक चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में हुए नवीनतम शोध कार्यों और उनके वैश्विक प्रभाव से अवगत कराना था। इस अवसर पर विभाग के परास्नातक के तीन विद्यार्थियों — श्रद्धा सुमन, आलोक राज तथा सुप्रिया कुमारी — ने इस वर्ष के रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार विजेताओं, सुसुमू कितागावा, रिचर्ड रॉबसन एवं ओमर एम याघी के कार्यों पर विस्तृत और प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। इस वर्ष उन्हें मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स

में उल्लेखनीय कार्य के लिए नोबेल दिया गया है। विद्यार्थियों ने अपने प्रस्तुतीकरण में उनके वैज्ञानिक खोजों, व्यावहारिक उपयोगों तथा मानव समाज पर उनके योगदानों को सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष और डीन शोध एवं विकास, प्रो अरुण कुमार पाढ़ी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों को न केवल वैज्ञानिक सोच विकसित करने में सहायता करते हैं, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय शोध प्रवृत्तियों से भी जोड़ते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को इस प्रकार की सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो पाढ़ी ने कहा कि इस वर्ष का नोबेल काफी महत्वपूर्ण है। इसकी उपयोगिता हर क्षेत्र में है, चाहे वह गैस भंडारण हो या फिर एक उत्प्रेरक के तौर पर इस्तेमाल होना। साथ ही, बायोमेडिसिन, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक संरचना बनाना और ऊर्जा उत्सर्जन में भी इसकी उपयोगिताएं हैं।

कांग्रेस के प्रत्याशी अजीत शर्मा के नामांकन रैली में शामिल हुईं झारखंड की दीपिका पांडेय

नवीन मेल संवाददाता

भागलपुर/रांची। भागलपुर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं महागठबंधन के प्रत्याशी अजीत शर्मा के नामांकन रैली में झारखंड सरकार में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शिरकत की। रैली में जनसैलाब उमड़ा, सड़कों पर जनता का उत्साह देखने लायक था। इस अवसर पर दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओर से उन्हें भागलपुर जिले का प्रभारी बनाकर भेजा गया है। यह पड़ोसी राज्य है, इसलिए यहां आना उनके लिए नया नहीं है। उन्होंने कहा, "हम हर चुनाव में भागलपुर आकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते रहे हैं। जैसे अजीत शर्मा ने झारखंड के चुनावों में आकर हमारा साथ दिया, वैसे ही आज हम उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि आज पूरा बिहार महागठबंधन और कांग्रेस पार्टी के पक्ष में एक सकारात्मक लहर का अनुभव कर रहा है। जनता में

उत्साह और जोश चरम पर है, और यह साफ संकेत है कि आने वाले समय में महागठबंधन की सरकार बनना तय है। रैली में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भारी भागीदारी ने माहौल को ऐतिहासिक बना दिया। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि महिलाओं का इस तरह सड़कों पर उतरकर समर्थन जताना इस बात का प्रमाण है कि अजीत शर्मा जी भारी बहुमत से विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि भागलपुर न सिर्फ कांग्रेस का गढ़ है, बल्कि महागठबंधन की एकजुटता और ताकत का प्रतीक है। इस बार यहां एक ऐतिहासिक जीत दर्ज की जाएगी। इस दौरान श्रीमती सिंह ने विशेष रूप से कांग्रेस नेता और जननायक राहुल गांधी जी का उल्लेख करते हुए कहा, "राहुल गांधी जी ने देश में एक नई राजनीति की नींव रखी है — यह राजनीति नफरत की नहीं, बल्कि प्यार, समानता और न्याय की है। उन्होंने पूरे देश में जनजोड़ यात्रा और संवाद के माध्यम से जो विश्वास बनाया है, वह आज हर राज्य में दिख रहा है। बिहार की जनता भी राहुल जी के नेतृत्व पर भरोसा कर चुकी है। आज गांव-गांव, शहर-शहर में लोगों की एक ही आवाज है-विकास चाहिए, बदलाव चाहिए, और यह बदलाव राहुल गांधी जी के नेतृत्व में ही संभव है।" उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी की विचारधारा ने युवाओं, किसानों, महिलाओं और समाज के हर वर्ग में नई उम्मीद जगाई है। बिहार की जनता अब इस बदलाव की राह पर कदम बढ़ा चुकी है।

भूविज्ञान विभाग में देशभर से जुटे पूर्व छात्र, नई कार्यकारिणी का गठन

रांची। रांची विवि के भूविज्ञान विभाग में शनिवार को रांची यूनिवर्सिटी जियोलॉजी एलुमनाई एसोसिएशन का एलुमनाई मीट 2025 आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि प्रो सुदेश साहू (डीएसडब्ल्यू व निदेशक, आईक्यूएसी, रांची विवि) ने की। विशिष्ट अतिथियों में आनंद अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष, सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड, भारत सरकार) व आरके सिंह (महाप्रबंधक, सीएमपीडीआई) शामिल थे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से करीब दो सौ पूर्व छात्र शामिल हुए, जिनमें कोल इंडिया, जीएसआई, सीजीडब्ल्यूबी, ओएनजीसी, गेल, डीएमजी (झारखंड सरकार), एटॉमिक मिनरल डिवीजन, रुंगटा माइंस, आईबीएम सहित विभिन्न सरकारी व निजी संस्थानों के भूवैज्ञानिक मौजूद रहे। इसके अलावा प्रशासनिक सेवा से अमित प्रकाश (आईएएस, अवकाशप्राप्त), जयकिशोर प्रसाद, अरविंद लाल, दिवाकर प्रसाद (पूर्व मुख्य फोटोग्राफर, हिंदुस्तान टाइम्स) सहित कई शिक्षाविद्, उद्यमी व निजी संस्थानों के पूर्व छात्र भी शामिल हुए। आनंद अग्रवाल ने विद्यार्थियों के हित में मजबूत एलुमनाई नेटवर्क की आवश्यकता पर बल दिया और छात्र क्षमता निर्माण में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

राजीव गांधी ने 1977 के बोइंग सौदे को प्रभावित किया था : सांसद निशिकांत दुबे

नवीन मेल संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर 1977 में इंडियन एयरलाइंस के विमान खरीद मामले में अनुचित प्रभाव डालने का आरोप लगाया कि उन्होंने प्रमुख सरकारी निकायों के विरोध के बावजूद, एयरबस को चुनने के बजाय व्यक्तिगत कमीशन के लिए बोइंग के साथ सौदा कराने में हस्तक्षेप किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, दुबे ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और उनके पिता की कथित संलिप्तता पर सवाल उठाया। 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने लिखा, "राहुल गांधी जी, क्या 1977 में कमीशन के चक्कर में आपके पिता ने एयरबस की बजाय एयर इंडिया से तीन बोइंग विमान खरीदवाए थे? क्या आपके पिता बिना किसी अधिकार के अवैध रूप से बैठकों में शामिल होते थे? क्या कमीशन के लिए योजना आयोग और वित्त मंत्रालय का विरोध आपके परिवार पर लागू नहीं होता था?" यह विवाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में आपातकाल के अंतिम महीनों में शुरू हुआ था, जब इंडियन एयरलाइंस ने तीन बोइंग 737 विमान खरीदने का फैसला किया था। बाद में, शाह आयोग ने इस सौदे की जांच की, जिसका गठन 1977 में आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों की जांच के

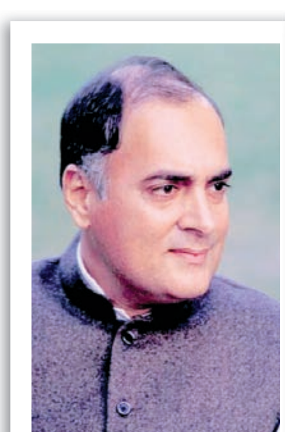

लिए किया गया था। आयोग ने पाया कि यह प्रक्रिया जल्दबाजी में की गई थी और स्थापित प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया गया था, जिसमें निर्णय लेने में अनियमितताएं और आधिकारिक बैठकों में राजीव गांधी, जो उस समय इंडियन एयरलाइंस के पायलट थे, की असामान्य उपस्थिति की ओर इशारा किया गया था।

शाह आयोग के निष्कर्षों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राजीव गांधी सितंबर 1976 में एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए थे, जहां वित्त निदेशक द्वारा बोइंग के पक्ष में वित्तीय अनुमान प्रस्तुत किए गए थे।

आयोग ने कहा कि उनकी भागीदारी 'व्यावसायिक प्रक्रिया के बिल्कुल विपरीत' थी और इस बात पर सवाल उठाया कि एक पायलट को गोपनीय वित्तीय चर्चाओं की जानकारी क्यों थी।

दुबे ने आयोग की रिपोर्ट के कुछ अंश साझा किए, जिसमें प्रक्रियात्मक खामियों का विस्तृत विवरण दिया गया था और दर्ज किया गया था कि इस सौदे ने सभी मानक नियमों और आवश्यकताओं का उल्लंघन किया और तुलनात्मक परीक्षणों या व्यवहार्यता अध्ययनों का कोई सबूत नहीं दिया गया।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बोइंग के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर कंपनी की पेशकश की तकनीकी समाप्ति के बाद भी हुए, जिससे प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से अनुचित जल्दबाजी और राजनीतिक दबाव का संकेत मिलता है। कहा जाता है कि 30.55 करोड़ रुपए की इस खरीद को योजना आयोग और वित्त मंत्रालय, दोनों से प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था, लेकिन कथित तौर पर इंदिरा गांधी के कार्यालय के निर्देशों के तहत इसे आगे बढ़ाया गया। शाह आयोग के समक्ष गवाहों की गवाही में सौदे में राजनीतिक हस्तक्षेप और अनियमितताओं का हवाला दिया गया, जिससे भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों को और बल मिला। इससे पहले शुक्रवार को, दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर एक सनसनीखेज आरोप लगाया था कि उन्होंने 1970 के दशक में एक स्वीडिश सैन्य कंपनी के एजेंट के रूप में काम किया था। भाजपा सांसद ने अपने आरोप की पुष्टि के लिए सोशल मीडिया पर एक दस्तावेज भी साझा किया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "राहुल गांधी जी के पिता, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी, एक स्वीडिश सैन्य कंपनी के एजेंट थे, यानी वे 70 के दशक में दलाली में शामिल थे?"

सांसद दुबे का गांधी परिवार और पूर्व प्रधानमंत्री पर तीखा हमला कांग्रेस पार्टी द्वारा उनकी पत्नी पर लगाए गए आरोपों और दंपति पर घोषित आय से कहीं अधिक संपत्ति 'एकत्रित' करने का आरोप लगाने के एक दिन बाद आया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनावी हलफनामों का हवाला दिया और दुबे की पत्नी की संपत्ति में 2009 में 50 लाख रुपये से 2024 तक 31.32 करोड़ रुपये तक की भारी वृद्धि पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि दुबे से जुड़ा भ्रष्टाचार का मामला इतना गंभीर है कि 56 वर्षीय भाजपा सांसद गोड्डा निर्वाचन क्षेत्र से अपनी संसद सदस्यता खो सकते हैं।

देसी पिस्तौल बरामदगी मामले में सबूतों की कमजोरी से आरोपी बरी

रांची। न्यायिक दंडाधिकारी भूपेश चंद्र समद की अदालत ने शनिवार को देसी पिस्तौल बरामदगी मामले में ट्रायल फेस कर रहे आरोपी एनेम हसा पूर्ति को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में असफल रहा। बचाव पक्ष के अधिवक्ता प्रितांशु कुमार सिंह ने बहस के दौरान पुलिस गवाहों को तकनीकी आधार पर तोड़ दिया। इसका लाभ आरोपी को मिला। बताया कि 29 फरवरी 2024 को अपराध निरोधक जांच के दौरान टीम ने तमाड़ थाना क्षेत्र के निर्मल होटल में बैठा आरोपी को दो नली पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। घटना को लेकर तमाड़ थाना में कांड संख्या 21/2024 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मुकदमे के दौरान अभियोजन ने छह गवाहों की गवाही दर्ज कराई गई। जिनमें एएसआई अजय प्रताप, सूचक सुखदेव राज, सार्जेंट मेजर अनीश मोमित कुजूर, निरीक्षक मुकेश कुमार खरिता, जवान योगेंद्र गोप और प्रदीप कुमार जैना शामिल थे। सभी पुलिस या एसएसबी के अधिकारी थे, जबकि कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था। जिरह के दौरान गवाहों के बयान में कई विरोधाभास और प्रक्रियागत त्रुटियां सामने आईं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि "अभियोजन की कहानी कई बिंदुओं पर संदिग्ध है। सबूतों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, अतः आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाता है।"

बाबूलाल मरांडी ने अवैध पत्थर खनन को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, कहा

अवैध खनन रोकने का तुरंत आदेश दिया जाए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अवैध पत्थर खनन को लेकर पत्थर माफिया सत्यनाथ साह पर कार्रवाई करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा, मैं आपका ध्यान साहिबगंज जिले के बोरियो अंचल में स्थित मौजा बिंदेरी बंदरकोला में पत्थर खनिज लीजधारक सत्यनाथ साह को पत्थर खनन के लिए जिला खनन कार्यालय, साहिबगंज द्वारा निर्गत 4 एकड़ जमीन खनन पट्टा हेतु दिए जाने के अलावे लीजधारक द्वारा लगभग 20 एकड़ जमीन पर अवैध पत्थर खनन कर लगभग 200 करोड़ रुपए का राजस्व क्षति पहुंचाने की ओर आकृष्ट कराना चाहूंगा। यह एक अतिगंभीर मामला है। बाबूलाल मरांडी ने लिखा है, मैंने इस संबंध में प्रखंड बोरियो के उपप्रमुख कैलाश प्रसाद, पोस्ट एवं थाना-बोरियो, जिला-साहिबगंज से प्राप्त आवेदन एवं कई महत्वपूर्ण साक्ष्य आवेदन के साथ संलग्न किया है, जो आपके अवलोकनार्थ है। उन्होंने पत्र में

- पत्थर माफिया पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उससे राजस्व नुकसान की वसूली की जाए

लिखा है कि सत्यनाथ साह, (पिता-स्व. गोदाय साह, ग्राम एवं पो.-मोतीपहाड़ी, थाना-बोरियो) के नाम पर बोरियो अंचल में जमाबंदी नं.-11 के दाग नं.-719 का अंश रकवा 4 एकड़ भूमि पर पत्थर खनन करने के लिए वर्ष 2017 में जिला खनन पदाधिकारी एवं उपायुक्त साहिबगंज के संयुक्त हस्ताक्षर से दिनांक 18.02.2017 से 17.02.2027 तक खनन पदाधिकारी की स्वीकृति निर्गत है, जो पत्र के साथ संलग्न (अनुलग्नक-1) है।

लेकिन, लीजधारक ने उक्त मौजा के दाग नं.-720 एवं 721 में स्थित लगभग 20 एकड़ जमीन पर अवैध रूप से लगभग 200 करोड़ रुपए का अवैध पत्थर खनन किया है। बाबूलाल ने पत्र में लिखा है कि आवेदक द्वारा इस अवैध खनन के बारे में उपायुक्त, साहिबगंज को अवगत कराकर कार्रवाई की मांग की गई थी। इसके आलोक में उपायुक्त के निर्देश पर दो सदस्यीय टीम का गठन कर आरोपों की जांच की गई, जिसकी अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज ने किया था, जिसकी प्रति संलग्न (अनुलग्नक-2) है। मरांडी ने पत्र में कहा है कि उपायुक्त के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में बनी जांच कमिटी द्वारा सत्यनाथ साह के द्वारा अवैध पत्थर खनन की मापी कराई गई और पाया गया कि निर्गत खनन पट्टा के अलावे उक्त मौजा बिंदेरी बंदरकोला के दाग नं.-720 एवं 721 के अंश रकबा पर अवैध पत्थर खनन किया गया है। जांच प्रतिवेदन की छायाप्रति (अनुलग्नक 3 एवं 4) आपके अवलोकनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ संलग्न है।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि जांच प्रतिवेदन में अवैध खनन की पुष्टि होने के बावजूद जिला खनन पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी द्वारा लीजधारक पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही अवैध पत्थर खनन कार्य को रोका गया। लीजधारक को डीएमओ एवं थाना प्रभारी से निजी स्वार्थवश संरक्षण मिलता रहा है और अवैध खनन कार्य को बढ़ावा मिलता रहा है। इतना ही नहीं, उलटे लीजधारक सत्यनाथ साह के पुत्र रोहित कुमार साह द्वारा बोरियो थाना में सूचक कैलाश प्रसाद पर एक फर्जी एफआईआर दर्ज कराया गया। तत्कालीन थाना प्रभारी निरंजन कच्छप ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले सूचक कैलाश प्रसाद, जो जनप्रतिनिधि (उपप्रमुख) भी हैं, को हाजत में बंद कर दिया। साथ ही, धमकी दी गई कि अवैध पत्थर खनन के मामले में आवाज उठाना बंद कर दो, जिसका जिक्र शिकायत पत्र (आवेदन) में किया भी है, अन्यथा बुरा हाल हो जाएगा।

अवैध पत्थर खनन मामले में सूचक द्वारा पुलिस महानिदेशक एवं आरक्षी उपमहानिरीक्षक, दुमका को भी पत्र लिखकर इस पर रोक लगाने एवं अवैध खननकर्त्ता सत्यनाथ साह पर कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया, लेकिन पत्थर माफिया की ऊंची पहुंच की वजह से अभी तक कोई कार्रवाई होता न देखकर आवेदनकर्ता (सूचक) ने मुझसे गुहार लगाई है। साथ ही, उन्होंने जान-माल पर खतरे की आशंका जताई है, जो आवेदन में वर्णित है।

अतएव आपसे अनुरोध है कि संलग्न आवेदन एवं साक्ष्य के आधार पर अवैध रूप से पत्थर खनन कर रहे पत्थर माफिया सत्यनाथ साह पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध पत्थर खनन का आकलन कराकर राजस्व नुकसान की वसूली की जाए। साथ ही, तुरंत अवैध खनन को रोकने का आदेश दिया जाए। सूचक को जान-माल की क्षति नहीं हो, इसके लिए जिला पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया जाए।

हुंकार महारैली में ईसाइयों ने सरना समाज के लोगों से की बदसलूकी : निशा भगत

रांची। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय महिला अध्यक्ष निशा भगत ने कहा कि हुंकार महारैली में ईसाइयों ने सरना समाज के लोगों से बदसलूकी की। उन्होंने केंद्रीय सरना समिति के कचहरी स्थित 13 आईआईटी भवन आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि महारैली के दौरान ईसाइयों ने जानबूझकर सरना धर्म के लोगों को धक्का देकर मंच से उतार दिया। मंच पर ईसाई समर्थकों को डर था, हमारे जैसे सरना धर्म के समर्थक उनकी गंदी राजनीतिक में रोड़ा न बन जाए। इसलिए ऐसी हरकत की गई। निशा ने कहा कि सरना समाज के लोग, आदिकाल से रूढ़िवादी परंपरा और संस्कृति सभ्यताओं को माननेवाले आदिवासी रहे हैं। लेकिन आदिवासी से धर्मांतरित होकर ईसाई बननेवाले, ईसाई समर्थक नेताओं ने ही मंच पर सरना समाज के लोगों को धक्का मारकर मंच से भगा दिया। आनेवाले समय में ऐसे ईसाई नेताओं को चिन्हत कर सरना समाज के लोग सबक सिखाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरना समिति के पदाधिकारियों के साथ हुए दुर्व्यवहार की जितनी निंदा की जाय वह कम है। वहीं इस अवसर पर समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा आदिवासी हुंकार महारैली राजनीति का शिकार हो गया। एक तीर एक कमान थौर आदिवासी समाज एक समान का दंभ भरनेवाले नेताओं ने ही केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की और केन्द्रीय महिला अध्यक्ष निशा भगत को धक्का देते हुए मंच से नीचे उतारा। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय प्रवक्ता एंजेल लकड़ा ने कहा कि 17 अक्टूबर की घटना से सरना समाज के लोगों में काफी आक्रोश है। केंद्रीय सरना समाज के लोगों का अपमान सरना समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

दीपावली और छठ को लेकर नगर निगम कर्मियों का हुआ वेतन भुगतान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में एवं रांची नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव के प्रयास से दीपावली एवं छठ महापर्व के पूर्व नगर निगम के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को माह अक्टूबर, 2025 का वेतन भुगतान कर दिया गया है।

प्रशासक ने सभी कर्मियों को आगामी पर्व-त्यौहार की शुभकामनाएं दीं तथा सभी से आगामी त्यौहारों को स्वच्छता एवं सामुदायिक सहभागिता के साथ मनाने की अपील की।

इप्सोवा दिवाली मेले का सभी ने लिया आनंद

गूंजा संगीत, राजस्थानी लोक नृत्य पर थिरके कलाकार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इप्सोवा के 25वें स्थापना वर्ष के अवसर पर आयोजित दिवाली मेला ने राजधानी रांची में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। इस अवसर पर पारंपरिक संस्कृति, बच्चों की प्रतिभा और संगीत का सुंदर संगम देखने को मिला। मेले की शुरुआत स्कूली विद्यार्थियों की प्रतियोगिता से हुई, जिसमें डीपीएस, केयराली, लोरेटो, सेंट जेवियर्स, जेवीएम और डीएवी हेहल स्कूल के छात्रों ने हिस्सा लेकर अपनी रचनात्मकता और ऊर्जा से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में डॉक्टर्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ ही झारखंड हाईकोर्ट के कई जजों ने भी हिस्सा लिया। सभी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

दिवाली मेले में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में राजस्थानी और कालबेलिया लोक नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक संगीत और नृत्य की लय ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। मेले में लाइव पॉटरी मेकिंग, सोहराय पेंटिंग और पोर्ट्रेट मेकिंग भी हुई। वहीं, पुलिस मॉर्डनाइजेशन स्टॉल्स में हथियार, गोला-बारूद और लैंडमाइन वाहन प्रदर्शित किए गए, जिसका हर किसी ने आनंद किया। इस दौरान परेड ग्राउंड में एयरो मॉडलिंग- यानि छोटे विमान बनाने और उड़ाने की कला और आर्चरी का आनंद भी छोटे बच्चों ने लिया।

शाम को मेला तब अपने चरम पर पहुंचा, जब प्रसिद्ध गायक विशाल जैन के संगीत समारोह ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनके मनमोहक गीतों और शानदार प्रस्तुति से पूरा परिसर गूंजता रहा।

इस कार्यक्रम में इप्सोवा की अध्यक्ष शिखा गुप्ता, सचिव नेहा सागर और कोषाध्यक्ष प्रिया दुबे के साथ ही सदस्य चीनू कुमार, पूजा झा, प्रीति होमकर, प्रीति रमेश और प्रिया रंजन आदि उपस्थित थीं। इप्सोवा का यह दीवाली मेला न केवल मनोरंजन का केंद्र बना, बल्कि बच्चों की प्रतिभा, कला और भारतीय संस्कृति को मंच देने का एक सार्थक प्रयास भी साबित हुआ।

हर घर में एक दीप जले, इसका है प्रयास : शैलेश कुमार सिन्हा

- समाज के वंचित और गरीबों के बीच दीप एवं मिठाई का आज किया जाएगा वितरण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दीपावली में हर घर में दीप जले का प्रयास करते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रांची जिला के अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने एक बैठक की। बैठक में निर्णय लिया है कि आगामी रविवार (19 अक्टूबर) को समाज के वंचित और गरीबों के बीच दीप एवं मिठाई का यथाशक्ति वितरण किया जाएगा। यह वितरण सुबह 9:00 बजे देवी मंडप रोड में शुरू होगा।

इस अवसर पर महासभा की जिला महिला अध्यक्ष सुरभि सिन्हा ने मातृशक्ति एवं समाज के समाजसेवियों से भी विनती पूर्वक अपील की है कि हर घर में दीप जले और खुशियां आए का प्रयास आप सभी भी करें। जरूरतमंद लोगों को बीच यह खुशियां बाटें। आप सभी के इस प्रयास से समाज में खुशियां बांटेंगी।

इस बैठक में प्रेम कुमार सिन्हा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, जनता दल यूनाइटेड के नेता मनोज कुमार सिन्हा एवं राजीव कुमार सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित थे। यह जानकारी अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रांची के जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने दी।

धनतेरस पर बाजारों में उमड़ी भीड़, लोगों ने की बर्तन व मूर्तियों की खरीदारी

जिला प्रशासन ने आपातकालीन स्थिति से बचने के लिए जारी किए दिशा निर्देश

125 डेसिबल से अधिक ध्वनि सीमा के पटाखों की बिक्री नहीं हो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची जिला प्रशासन ने दीपावली पर्व के दौरान आग दुर्घटना एवं आपातकालीन स्थिति से बचने के लिए पटाखा विक्रेता एवं आम नागरिकों से अपील करते हुए कई आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, रांची दीपावली पर्व के दौरान आग दुर्घटना एवं आपातकालीन स्थिति से बचने के लिए राजधानी के पटाखा विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि प्रशासन द्वारा पूर्व निर्धारित स्थल पर ही पटाखे की बिकी करें। साथ ही, पटाखा बिक्री से पूर्व प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग से अनुमति या अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से लें। जिला प्रशासन ने कहा है कि बाजार, सड़क के किनारे, पेट्रोल पंप, गैस के गोदाम, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पटाखे की बिक्री नहीं करें। केवल उन्हीं पटाखों की बिक्री करें, जो स्वास्थ्य तथा वातावरण को प्रभावित नहीं करता हो। ऐसे पटाखों की बिक्री नहीं होनी चाहिए, जिनकी ध्वनि स्तर की सीमा 125 डेसिबल से अधिक हो। जिला प्रशासन ने पटाखा विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि विक्रय कार्य में नाबालिग छोटे बच्चों को नहीं लगाया जाए। पटाखों के पंडाल में बिजली की वायरिंग किसी योग्य एवं प्रशिक्षित इलेक्ट्रिशियन से कराई जाए एवं हमेशा आईएसआई मार्क के कॉपर के तार का ही प्रयोग करें, नंगे तारों पर अच्छी प्रकार से टेप लगा कर रखें। पटाखों के पंडाल में ज्वलनशील पदार्थ जैसे डीजल, केरोसीन पेट्रोल इत्यादि को एकत्र करके नहीं रखें, ना ही इनका प्रयोग करें। जिला प्रशासन ने निर्देश दिया है कि पटाखों के पंडाल के आसपास पर्याप्त मात्रा में पानी, बालू एवं अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से रखें एवं इनका प्रयोग किस प्रकार करना है इसकी जानकारी अवश्य रखें। पटाखों के पंडाल में प्रशिक्षित स्टाफ की देखरेख में प्राथमिक चिकित्सा किट अनिवार्य रूप से रखें। जिला प्रशासन ने कहा है कि जो भी पटाखा विक्रेता इन निर्देशों का पालन नहीं करेंगे, उन पर प्रशासन द्वारा उचित एवं विधिसम्मत कारवाई की जाएगी।

नागरिकों के लिए सुरक्षा निर्देश :

- पटाखा सदैव अधिकृत विक्रेता या ख्याति प्राप्त निर्माता के यहां से ही खरीदें।
- पटाखे घरों के अंदर न जलाएं।
- पटाखा रात **10:00 बजे से सुबह 6 बजे** के बीच न जलाएं।
- पटाखे को सार्वजनिक सड़क एवं भीड़भाड़ वाले स्थलों पर ना जलाएं।
- अधिक ध्वनि के लिए पटाखों को टिन, कंटेनर या कांच की बोतलों में नहीं जलाएं।
- अभिभावक बच्चों को अकेले में पटाखे नहीं छोड़ने दें, अपनी उपस्थिति में ही पटाखे छुड़वाएं।
- पटाखों को जलाते समय लंबी लकड़ी, फुलझड़ी या मोमबत्ती का प्रयोग करें, माचिस का प्रयोग सीधे तौर पर कभी नहीं करें। पटाखों को थोड़ी दूरी पर रखकर ही जलाएं।
- अगर कोई पटाखा आग लगाने के बावजूद भी न फटे, तो उसको दोबारा जांचने की कोशिश नहीं करें। उसे हाथ से नहीं उठाएं, क्योंकि वह कभी भी फट सकता है। बेहतर होगा कि उस पर पानी डालकर उसे निष्क्रिय कर दें।
- पटाखे छोड़ते समय लंबे या ढीले कपड़े नहीं पहनें, क्योंकि ये शीघ्र आग पकड़ सकते हैं।
- पटाखे हमेशा खुली जगह पर ही छोड़ें और ध्यान रखें कि आसपास पेट्रोल, डीजल, केरोसिन या गैस सिलेंडर जैसे ज्वलनशील पदार्थ नहीं रखे हों।
- पटाखे छोड़ने वाले स्थानों पर कंबल, पानी व बालू अवश्य रखें।
- अगर कपड़ों में आग लगे, तो जमीन पर लेट कर उलट-पलट कर उसे बुझाने का प्रयास करें।
- बहुमंजिली मकान में रहने वाले लोग अपने घरों की खिड़कियां एवं दरवाजे बंद करके रखें, जिससे किसी प्रकार के जलते हुए पटाखे घरों में नहीं प्रवेश कर सकें।
- किसी भी इमरजेंसी से बचने के लिए प्राथमिक चिकित्सा किट पास में अवश्य रखें, जिससे जलने व चोट की स्थिति में घायल की तुरंत प्राथमिक चिकित्सा की जा सके।
- अगर पटाखे से कोई व्यक्ति जल जाता है, तो उसके शरीर के जले हुए हिस्से को बर्फ या ठंडे पानी से धोने के बाद प्राथमिक उपचार करें। यदि रोगी गंभीर रूप से जला है, तो तुरंत नजदीक के अस्पताल ले जाएं।
- 16. किसी भी आपातकालीन स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष में संपर्क किया जा सकता है। आपातकालीन स्थिति में दूरभाष नंबर 0651-2215855, 8987790664, 7667985619, 7070440888 पर संपर्क

रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर में बिना हेल्मेट रॉन्ग साइड से बाइक पर स्टंट करता युवक सामने से आते तेज गति के वाहनों के लिए खतरा बना हुआ है।

सुप्रीती कच्छप को 5000 मीटर एवं विशाल बहादुर ने ट्रिपल जंप में जीता स्वर्ण

रांची/गुमला। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया,नई दिल्ली एवं तेलंगाना एथलेटिक्स संघ द्वारा 15 से 18 अक्टूबर तक जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम,हनुमकोंडा , वारंगल ,तेलंगाना में संपन्न 5वीं इंडियन ओपन अंडर 23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अंतिम दिन (गुमला) की अंतरराष्ट्रीय एथलीट सुप्रीती कच्छप ने 5000 मीटर में 17:09.59 का समय के साथ स्वर्ण पदक जीती। वहीं विशाल बहादुर ने ट्रिपल जंप में 16.12 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस उपलब्धि पर राज्य के एथलीटों को खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, सचिव श्री मनोज कुमार,खेल निदेशक श्री शेखर जमुआर, झारखंड एथलेटिक्स संघ प्लानिंग कमिटी के चेयरमेन डॉ मधुकांत पाठक, जे.ए.ए.अध्यक्ष सी डी सिंह, सचिव एस के पांडे, प्रभाकर वर्मा, साईं कोच विनोद सिंह,आशु भाटिया, अरबिंद कुमार, बिनोद कुमार,योगेश यादव, प्रभात रंजन तिवारी समेत संघ के पदाधिकारियों ने राज्य के एथलीटों को बधाई दी ।

बरनवाल सेवा ट्रस्ट ने धूमधाम से मनाया दीपावली मिलन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बरनवाल सेवा ट्रस्ट, रांची के सौजन्य से स्वयंवर वाटिका कोकर, रांची में दीपावली मिलन समारोह बहुत ही धूमधाम से आयोजित किया गया। बरनवाल सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष टीपी बरनवाल की अध्यक्षता में दीपावली मिलन के साथ सभी बरनवाल परिवारों का संपूर्ण मनोरंजन किया गया। साथ ही, विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी आनंद उठाया गया। हास्य योग गुरु अजीत ने सभी को इतना हंसाया गया कि सभी लोट-पोट हो गए। दीपावली मिलन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसमें बरनवाल परिवार के सैकड़ों बरनवाल बंधु उपस्थित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के अध्यक्ष टीपी बरनवाल, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार एवं अनिल कुमार, अजीत कुमार, उमेश कुमार, पवन कुमार बरनवाल, मोतीलाल बरनवाल, प्रकाश कुमार, मनोज कुमार, संजय कुमार, खुशबू बरनवाल आदि लोगों ने सहयोग किया।

रांची में भूमि पर कब्जे का प्रयास पीड़ित ने मुख्यमंत्री से की शिकायत

रांची। राजधानी रांची में जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है. चर्च रोड, लोअर बाजार थाना क्षेत्र निवासी पवन कुमार ने मुख्यमंत्री झारखंड को आवेदन देकर इस संबंध में कार्रवाई की मांग की है। पवन कुमार ने अपने आवेदन में बताया है कि उनके दादा स्वर्गीय विश्वनाथ प्रसाद के नाम पर कोकाटो स्थित खाता नंबर 401, प्लॉट नंबर 2894 सहित कई अन्य प्लॉटों की जमीन है।

श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में 2500 से ज्यादा भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

- 175वें श्री श्याम भंडारे का हुआ भव्य आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल ने हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 175वें श्री श्याम भंडारे का भव्य आयोजन किया। 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया।

श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्यामसुंदर शर्मा, बलवंत लाल, कुमारी नीलमणि, सुतीक्ष्ण सुमन ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश, बजरंगबली, शिव परिवार, लड्डू गोपाल जी, शालिग्राम जी, गरुड़ जी, गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। बलवंत लाल सुमन, कुमारी नीलमणि ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में अजवाइन कचौड़ी, आलू कद्दू लौकी मिक्स सब्जी और केसरिया जलेबी का प्रसाद वितरण किया गया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर परिसर में निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी की देखरेख में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित युवक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कांके थाना अन्तर्गत विगत दिनों के चोरी गयी मोटरसाईकिल के बरामदगी हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के दिशा निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व में मोटरसाईकिल बरामदगी के लिए एक टीम का गठन किया गया। जिसके आलोक में विगत शुक्रवार को कांके रिंग रोड स्थित लॉ यूनिवर्सिटी के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध लड़का को मोटरसाईकिल सं० जे०एच० 01 ई0एस0/2916 के साथ पकड़ा गया जिसके पास कोई दस्तावेज नहीं था। पूछताछ करने पर उसने बताया कि 14 अक्टूबर को होचर रिंग रोड स्थित शराब दुकान के पास से रात्रि 08.30 बजे के करीब में घुराया था। इसके अलावा 12 अक्टूबर को भी ग्राम बुकरू से घर के बाहर लगे हुए एक सुपर स्पलेण्डर मोटरसाईकिल जिसका नं0 5163 है कि चोरी किया था। पूछताछ के क्रम में उसने बताया कि वह रांची जिला के अन्य थाना क्षेत्र से उसके सहयोगी 1. साहिल 2. समाउल दोनों ग्राम हुसीर 3. चरकु ग्राम इरबा द्वारा कई मोटरसाईकिल चोरी किया था, जिसे वह अपने हुसीर स्थित घर के पीछे छिपा कर रखा हुआ था। जिसे बरामद किया गया है। कुछ बाईक का चेचिस नंम्बर मिटाकर नया चेचिस नम्बर पंच करवा दिया गया है। साहिल को कुछ दिन पहले ही कांके थाना कांड सं0 256/25 में घर में घुसकर चोरी करने के प्रयास में पकड़कर जेल भेजा गया है। पूछताछ के क्रम में यह बात प्रकाश में आयी है कि चरकु एवं समाउल वर्तमान में जेल में बंद है। पकड़ाए अभियुक्त तनवीर के निशानदेहीं पर मोटरसाईकिल चोरी के कुल 7 मोटरसाईकिल बरामद किया गया है। कांके थाना में कुल दो कांड का उदभेदन हुआ है अन्य बरामद मोटरसाईकिल के संबंध में कांके थाना में कांड दर्ज किया गया है।

ठाकुरगांव में धनतेरस की छाई रौनक छोटे सामानों की बढ़ी मांग

नवीन मेल संवाददाता

ठाकुरगांव । धनतेरस को लेकर बुढ़मू प्रखण्ड क्षेत्र के ठाकुरगांव में शनिवार को अहले सुबह से ही काफी चहल पहल देखी गयी। देर रात तक बाजार टांड में ग्रामीण ख़रीददारी करते नजर आये। इस बार धनतेरस में महंगाई के कारण पिछले बार की तुलना में सोने चांदी की आभूषणों की बिक्री काफी कम रही। वही रानी सुपर मार्केट के निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि धनतेरस पर लोगों ने छोटे इलेक्ट्रिक सामानों को जमकर खरीदा वहीं फ्रीज व टीवी की बिक्री कम रही। बर्तन ब्यापारी बिक्की केशरी ने बताया कि छोटे बर्तन व झाड़ू की दुकानों पर दिन भर भीड़ उमड़ी रही तथा पलंग और गोदरेज की बिक्री पिछले वर्ष कि तुलना मे कुछ कम रही। वहीं इटेहे स्थित भारद्वाज टीवीएस शोरुम में 1 दर्जन से अधिक दो पहिए वाहनों की डिलीवरी दी गयी। इस बार जीएसटी के कम होने से लोग इसका काफी फायदा उठा रहे हैं। अभी जहां भी देखो वाहनों की बिक्री में काफी उछाल आई है। बर्तनों व लकड़ी के समानों मे भी काफी छुट मिल रही है जिससे लोग खरीद रहे हैं। सोने की बिक्री में कमी आई है।

थाना प्रभारी को किया सम्मानित

लापुंग में शांति होगी तो समृद्धि भी आएगी : सूरज देवघरिया

लापुंग। लापुंग के थाना प्रभारी गोविंद कुमार से मुलाकात कर ककरिया के समाजसेवी सूरज देवघरिया ने उनका स्वागत किया और पुष्प गुच्छ भेंट करने के बाद शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने थाना प्रभारी गोविंद कुमार से शिष्टाचार भेंट करते हुए कहा कि लापुंग में शांति व्यवस्था मजबूत हुई है और पुलिस प्रशासन का बेहतर योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि अब लापुंग विकास की राह पर आगे बढ़ चूका है। यहां शांति लौट आई हैं। उन्होंने धनतेरस और दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जहां शांति होगी वहीं लक्ष्मी भी निवास करेगी लोगों में समृद्धि आएगी और परिवार में खुशहाली दिखाई देगी। इसी पल का लोग इंतजार कर रहे थे। उन्होंने थाना प्रभारी गोविंद कुमार से कहा कि लापुंग के सभी लोग शांति व्यवस्था कायम करने में उन्हें सहयोग करेंगे।

बेड़ो में धनतेरस के दौरान बाजार में उमड़ी भीड़

लाखों के व्यापार से गुलजार रहा बाजार

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो में धनतेरस के पावन मौके पर बाजार में भीड़ उमड़ पड़ी । लोगों ने झाड़ु.से लेकर टीवी फ्रीज, बाईक और स्कूटी सहित सोने और चांदी के जेवर की खरीददारी की। इस दौरान बाजार में हजारों लोगों की भीड़ से कई बार सड़क जाम की स्थिति बन गई। लोगों ने धनतेरस के मौके पर धनिया, नमक और झाड़ु. की जमकर खरीददारी की। इस मौके पर बर्तन, मिट्टी के दीए, गणेश लक्ष्मी की मूर्तियों, कांसा पीतल और तांबे के दीपक, बर्तन सहित अन्य सामानों की खरीददारी की। अलग-अलग कंपनियों के बाईक शोरूम, हम-तुम मोबाइल स्टोर्स एंड इलेक्ट्रॉनिक स्टोर्स, न्यू स्वर्ण कला एवं न्यू स्वर्ण अलंकार ज्वेलर्स, अंकित ज्वेलर्स, डीएस संस ज्वेलर्स, वर्षा श्रृंगार कॉस्मेटिक एवं गिफ्ट सेंटर सहित ईसुध बैटरी एवं बैटरी दुकानों पर खासी भीड़ देखी गई। सबसे आकर्षण का केंद्र मिट्टी के ग्वालिन खिलौने थे। वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार प्रत्येक लोगों के घरों पर एक घर बनता है जिसे घरखुंदवा कहते हैं। यहां विधिवत मिट्टी के छोटे से खिलौने नुमा घर बनाए जाते हैं जहां विधिवत अलग-अलग मिट्टी के चुकिए में अनाज रखे जाते हैं। माना जाता है कि ये अनाज मां लक्ष्मी का आशीर्वाद होता है ऐसी पूजा करने से लोग धन धान्य होते हैं। वहीं धनतेरस बाजार के संदर्भ में स्वर्ण कला ज्वैलर्स के मालिक मोहन सोनी ने बताया कि बेडो, भरनो, भंडरा, मांडर तथा कर्रा सहित लापुंग प्रखंड के सैकडो.लोगों ने बाजार को टिकाए रखा। हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि पिछले महीनों हुई बारिश से सब्जी फसल एवं डांड़ खेती को भारी नुकसान हुआ जिसके कारण किसानों को लाखों का नुक़सान उठाना पड़ा जिसके कारण भीड़ और अधिक हो सकती थी लेकिन नहीं हुई। ईसुध बैटरी के मालिक संजय कुमार ने कहा कि इस वर्ष बाजार बेहतर हो सकता था लेकिन बारिश की मार ने लोगों की आर्थिक कमर तोड़ कर रख दिया। इसके बावजूद किसानों ने हार नहीं मानी और बाजार में जमकर खरीददारी की।

लापुंग में धनतेरस पर जमकर खरीददारी की गई बाजारों में दिखी रौनक

लापुंग। धनतेरस को लेकर शनिवार को लापुंग के लालगंज, ककरिया, दौलैचा, नावाटोली, महुगांव सहित विभिन्न गांवों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखी गई। जहां लोगों ने अपने अपने जरूरत के अनुसार खरीददारी किया। वहीं देर शाम तक बाजार गुलजार रहा। बाइक, बर्तन , इलेक्ट्रानिक्स, आभूषण, पूजन सामग्री सहित सभी प्रकार दुकानों पर लोगों की भीड़ खरीददारी करती नजर आए। शनिवार से ही लापुंग और ककरिया में खरीदारी के लिए बाजार सज गये थे। दोपहर तक बाजार में खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी और देर शाम तक बाजारों में भीड़ भाड़ रहा। लोगों ने सोने-चांदी के गहनों के साथ सिक्कों की भी खरीददारी की। इधर, बर्तन, गैस चुल्हा दुकानों में तांबा व कांसा की मूर्तियों के अलावा स्टील के बर्तन व अन्य सामान लोगों ने खरीदा। थाना प्रभारी गोविंद कुमार ने सशस्त्र बलों के साथ लापुंग सहित विभिन्न गांवों के पटाखा के दुकानो में सुरक्षा को लेकर निरीक्षण किया। बिरसा चौक, सापुकेरा बाजार चौक, हॉस्पिटल चौक सहित विभिन्न बाजारों में काफी चहल-पहल रही। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्म में मान्यता है कि धनतेरस पर खरीददारी करना काफी शुभ होता है। इस दिन लक्ष्मी सभी के घरों में आती है तथा जीवन में अन्न धन का भंडार भरा रहता है।

सोशल मीडिया की मदद से राह भटका बच्चा मिला

मुरी/सिल्ली। सिल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत मिजरा गांव निवासी राजेश लकड़ा का पुत्र इस्माइल लकड़ा (08) शुक्रवार के दिन तुलनी निवासी अपने दोस्त के घर जाने के क्रम में रास्ता भटक गया। इसी क्रम में तुलिन ओ पी पुलिस की नजर बच्चा पर पड़ी। पुलिस द्वारा नाम और पता पूछने पर वह छोटामुरी का रट लगा रहा था। तत्पश्चात तुलिन ओ पी द्वारा बच्चे को मुरी ओ पी पुलिस को सौंप दिया गया।मुरी ओ पी पुलिस ने सोशल मीडिया के व्हाट्सएप ग्रुप शांति समिति में बच्चे का फोटो को शेयर किया जिससे मैसेज वायरल होने के बाद परिजनों ने मुरी ओ पी पुलिस से संपर्क कर अपने बच्चों को वापस ले आए। गुम हुए बच्चा के परिजनों ने सोशल मीडिया और पुलिस के प्रति आभार प्रकट किया।

रेनबो विद्यालय में आयोजित हुई रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता

बरही । धनतेरस के मौके पर दीपावली को लेकर रेनबो स्कूल गड़लाही में रंगोली मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें विद्यालय की छात्राओं सांस्कृतिक विरासत को परोसते हुए आकर्षक रंगोली सजाई. प्रत्येक रंगोली आज के बदलते समाज को सही दिशा की ओर ले जाने के लिए एक विशेष संदेश दे रहा था. निदेशक सिकंदर कुमार कुशवाहा ने छात्राओं की कला की प्रशंसा करते हुए रंगोली के उद्देश्यों को बताया. उन्होंने कहा कि रंगोली के प्रत्येक रंग विपरित परिस्थितियों में भी जीवन को हर्षित रखने का संदेश देता है. इसके साथ ही उन्होंने दीपावली मनाए जाने के कारणों और उद्देश्यों पर भी और विचार दिए. अंत में सबों को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हैं।

धनतेरस के अवसर पर बाजारों में उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। धनतेरस के अवसर पर सिल्ली के बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाजारों में खरीदारी करने वालों की लंबी कतारें देखी गईं। बर्तन, सोना-चांदी और वाहन की दुकानों पर लोगों की भीड़ सबसे ज्यादा देखी गई।लोग दोपहर से ही बाजारों में खरीदारी करने के लिए निकल पड़े। बर्तन, सोना-चांदी और झाड़ू की खरीदारी में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों का मानना है कि धनतेरस के दिन इन चीजों की खरीदारी करने से घर में महालक्ष्मी का आगमन होता है और सुख-समृद्धि आती है।

बाजारों में रौनकः धनतेरस के अवसर पर सिल्ली के बाजारों में रौनक देखते ही बनती थी। दुकानदारों ने अपने दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानदारों ने तरह-तरह के ऑफर भी निकाले थे। लोगों का मानना है कि धनतेरस के दिन खरीदारी करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन लोग अपने घरों के लिए नए बर्तन, सोना-चांदी और अन्य जरूरी चीजें खरीदते हैं।

व्यापारियों ने की अच्छी बिक्री की उम्मीद : व्यापारियों ने धनतेरस के अवसर पर अच्छी बिक्री की उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि इस दिन लोग जमकर खरीदारी करते हैं और उन्हें अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

भाजपा नेता ने काली मंदिर चौक पर किया हाइमास्ट लाइट का उद्घाटन

सिल्ली। भाजपा रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने शुक्रवार की रात्रि को सिल्ली स्थित काली मंदिर चौक में सांसद संजय सेठ द्वारा लगाए गए हाइमास्ट लाइट का उद्घाटन नारियल फोड़कर किया। हाईमास्ट लाइट चालू होने के बाद पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई।आसपास के दुकानदारों और राहगीरों ने सांसद संजय सेठ को धन्यवाद दिया।उद्घाटन के मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने कहा कि यह सिर्फ एक लाइट नहीं, बल्कि "विकास की रोशनी" है ।अब काली मंदिर चौक न केवल रोशनी से चमकेगा बल्कि लोगों के भीतर सुरक्षा का एहसास भी बढ़ेगा।रात के समय यहां का माहौल अब पहले जैसा नहीं रहेगा।हाइमास्ट लाइट लगने के बाद इन जगहों पर अब अंधेरे की समस्या खत्म हो गई है ।उन्होंने बताया कि संजय सेठ के प्रयास से पूरे विधानसभा क्षेत्र में हाथी प्रभावित क्षेत्र एवं विभिन्न चौक - चौराहों पर आवश्यकतानुसार सैकड़ों हाईमास्ट एवं स्ट्रीट लाइट लगाये जा रहें हैं ।मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद सिंह, महिला मोर्चा जिला महामंत्री रेखा देवी, भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद सांई,मंडल अध्यक्ष अम्बुज रजक,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष शायन त्रिपाठी,खिजरी मंडल महामंत्री गोरखनाथ सिंह,तुलसी गोप समेत कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शनिवार के दिन दीपावली के उपलक्ष में बुद्धा पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में स्कूल की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न प्रकार के रंगोली बनाकर शिक्षकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।छात्राओं ने रंगोली बनाकर दीपावली से पूर्व दिवाली उत्सव भी मनाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को बौद्धिक एवं मानसिक विस्तार के साथ कलात्मक क्षेत्र में रूचि जागृत करना है।वहीं विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की।कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक गोविंदर सिंह,नकुल बड़ाइक,जितेंद्र महतो,सुमंत कुमार,राहुल भद्रा, लंकेश्वर,विपुल रॉय एवं शिक्षिकाएं अंजली कुमारी,प्रतिमा देवी,प्रिया दुबे,स्मिता कुमारी का सराहनीय योगदान रहा।

श्रीदस में 'मेरी दीवाली - मेरी सोच' विषय पर लेख व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

बरही । दीपावली की छुट्टियों की घोषणा के पूर्व श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल देवचंदा मोड़ में रंगोली व लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. लिख प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'मेरी दीवाली - मेरी सोच' था. प्राचार्य के कुमार ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने थीम आधारित एक से बढ़कर एक रंगोली सजाई. प्रतीक रंगोली एक खास उद्देश्य को समर्पित था जो पर्यावरण और समाज विकास से संबंधित रहा. लेख प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने सुरक्षित और प्रदूषण रहित दीवाली मनाए जाने पर अपने विचार रखें. पटाखों से अधिक घरों को सजाने और संवारने पर जोर दिया. इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक बल्बों की अपेक्षा मिट्टी के दिए जलाने के सुझाव दिए. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विद्यालय को आकर्षक रूप से सजाया और दिए भी जलाएं. कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को दीपावली के उद्देश्यों की जानकारी दी. साथ हीं पटाखे या दिए अभिभावकों के निगरानी में ही जलने की बात कही. उन्होंने सबों को आगामी दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, चित्रगुप्त पूजा और लोक आस्था के महापर्व छठ की शुभकामनाएं देते हैं शांति और सोहर पूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की बात कही. कार्यक्रम सफल बनाने में विद्यालय के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मियों में महत्ती जिम्मेवारी निभाई.

शिक्षा में सुधार

संपर्क फाउंडेशन ने रांची जिले के शीर्ष शिक्षकों, विद्यालयों एवं ब्लॉकों को किया सम्मानित

विद्यालयों में बच्चों की सीखने की क्षमता में सुधार किया गया

- **115 शिक्षकों को टॉप टीचर के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही 48 विद्यालयों को टॉप स्कूल के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ।**

नवीन मेल संवाददाता

रांची । संपर्क फाउंडेशन द्वारा रांची जिले के 526 विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने के लिए कार्य किया जा रहा है। इनमें से 442 विद्यालयों में साइंस एवं 84 विद्यालयों में एफएलएन (फाउंडेशन लिट्रेसी एंड नमरेसी) पर विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास के अंतर्गत 43 इंच का टीवी एवं सम्पर्क टीवी डिवाइस प्रदान किए गए हैं, जिनके माध्यम से शिक्षकों ने बच्चों की सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार किया है। शनिवार को बरियातू में आयोजित एक विशेष समारोह में सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 115 शिक्षकों को टॉप टीचर के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही 48 विद्यालयों को टॉप स्कूल के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ। ये वे विद्यालय हैं जिन्होंने सम्पर्क टीवी एवं सम्पर्क स्मार्ट क्लास एप्लिकेशन के माध्यम से बच्चों की लर्निंग आउटकम में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसके साथ ही सम्पर्क फाउंडेशन ने रांची जिले के टॉप ब्लॉक की भी घोषणा की, जहां सम्पर्क के कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के माध्यम से बच्चों की सीखने की गुणवत्ता में सर्वाधिक प्रगति दर्ज की गई है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) बादल राज उपस्थित रहे। साथ ही जिला एडीपीओ पंकज कुमार, एपीओ अखिलेश कुमार तथा एपीओ प्रभा सहाय ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह के दौरान सम्पर्क फाउंडेशन की ओर से चयनित शिक्षकों, विद्यालयों एवं ब्लॉकों को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र, थैंक यू कार्ड एवं टॉप टीचर बैग प्रदान किए गए। सम्पर्क फाउंडेशन की ओर से स्टेट हेड श्री रंजीत कुमार, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर श्री अर्नव पराग एवं श्री शांतनु कुमार झा कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

न्यूज बॉक्स

पुलिस ने ग्रामीणों को अफीम की खेती के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया

हजारीबाग। झारखंड पुलिस के महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, रांची के निर्देशानुसार, हजारीबाग जिले में अफीम की खेती को रोकने और ग्रामीणों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में, पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर आज दिनांक 18.10.2025 को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही के नेतृत्व में एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत, पुलिस निरीक्षक, बरही, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, चौपारण तथा अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने चौपारण थाना क्षेत्र के सूदरवर्ती गाँवों जैसे अहरी, नावाडीह, सिलोदर आदि का दौरा किया। ग्रामीणों को अफीम की खेती न करने की अपील करते हुए इससे होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक और कानूनी नुकसानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित करते हुए अफीम की खेती के दुष्प्रभावों पर चर्चा की और उन्हें वैकल्पिक आजीविका के अवसरों के बारे में भी प्रेरित किया। इस दौरान सभी ग्रामीणों से अफीम की खेती को पूरी तरह से छोड़ने और कानून का सहयोग करने की अपील की गई। हजारीबाग पुलिस का यह प्रयास है कि जिले में अफीम उत्पादन पर पूर्णतः रोक लगे और समाज को इसके हानिकारक प्रभावों से बचाया जा सके। इस तरह के जागरूकता अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

स्कूल में बच्चों और शिक्षकों ने किया रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

मांडर। लॉर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल हेसल घुघरी में शनिवार को बच्चों और शिक्षकों के द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के प्राचार्य संजय गोप ने दीपावली के शुभ अवसर पर बच्चों और साथी शिक्षकों को दीपावली की शुभकामना दी। मौके पर उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। मौके पर शिक्षक विजय, संदीप ,प्रवीण, अंजना, पूजा, शिल्पा, अंजली, मनु, रितु अल्का समेत अन्य लोग मौजूद थे।

स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

मांडर। ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर में दो दिवसीय इंटर-हाउस खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के निदेशक तौफीक आलम द्वारा ध्वजारोहण, मार्च पास्ट एवं मशाल रिले के साथ हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के पहले दिन विद्यालय के चारों हाऊस के बीच बाधा दौड़, टास्क रेस, सैक रेस, कब्बड्डी , खो-खो,50-100 मीटर दौड़ तथा अन्य एथलेटिक प्रतियोगिता के अलावा रंगारंग कार्यक्रम भी हुए। प्रतिभागियों को खेल भावना एवं स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा की शपथ दिलाई गई।

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन में दीपावली उत्सव का किया आयोजन

मांडर। प्रखंड के कंदरी मोड़ स्थित सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग कन्दरी में दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की अध्यक्षा छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर, शैक्षिणिक सचिव डॉ० दीपाली परासर एवं महाविद्यालय की प्राचार्या निहारिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगोली प्रतियोगिता एवं दीया प्रतियोगिता के माध्यम से यह संदेश दिया कि दीपावली केवल प्रकाश का त्योहार नहीं बल्कि अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। महाविद्यालय की शैक्षिणिक सचिव डॉ० दीपाली परासर ने छात्रों को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि त्योहार से प्रेरणा लेकर जीवन में उजाला और सकारात्मकता लानी चाहिए।

धनतेसर में सजा चान्हो मांडर का बाजार खरीदारी के लिए लोगों की लगी भीड़

चान्हो-मांडर। प्रखंड में शनिवार को धनतेरस पर्व मनाया जा रहा है। धनतेरस को लेकर सभी बाजार सज गया है। दीपावली पर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है। इस दिन खरीदी गई नई वस्तुओं को अत्यंत शुभ माना जाता है। इस मौके पर स्वर्ण-चांदी के आभूषणों, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, ऑटोमोबाइल्स और अन्य जरूरी वस्तुओं की जमकर खरीदारी होती है। व्यापारिक संघो का अनुमान है कि इस बार धनतेरस पर प्रखंड भर में लाखो की खरीदारी हो सकती है। प्रखंड भर के बाजारों में आज जबरदस्त रौनक देखने को मिल मिल रहा है। वहीं व्यापारियों के चेहरे पर मुस्कान है चूकि उन्हें आज अपने दुकानों में ग्राहकों की खासा भीड़ की उम्मीद हैं।

हजारीबाग में बंधक बनाकर व्यवसायी के घर में डकैती

बंदूक की नोक पर 6 लाख और जेवर की लूट

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सूर्यकुण्ड में जीटी रोड़ पर स्थित सूर्यकुण्ड ट्रेडर्स नामक दुकान के संचालक के दुकान व मकान में हथियार बंद अपराधियों ने लाखों रुपए की चोरी कर लिया. घटना शुक्रवार की रात आठ बजे के करीब हुई. अपराधियों ने प्रतिष्ठान संचालक सुनील कुमार पांडेय के दुकान में अपराधियों ने धावा बोलकर लूट-पाट व मारपीट किया. पीड़ित संचालक सुनील पांडेय ने बताया कि एक ऑल्टो कार और मोटर साइकिल पर छह नकाबपोश अपराधी अचानक दुकान में प्रवेश कर मुझे कब्जे में ले लिया. इसके पश्चात मुझे दुकान के उपरी तल्ला में लेजाकर मुंह में टेप साटकर और हाथ पैर बांध कर बुरी तरह से मारपीट किया. साथ ही दुकान में बैठे मेरे छोटे पुत्र समीत पांडेय को बंदूक की बट से मारकर घायल कर दिया. इसके पश्चात समीत पांडेय को अपराधियों ने बंदूक की नोक पर दुकान के बगल में स्थित मकान में लेजाकर लूट-पाट किया. बताया कि दुकान से अपराधियों ने दो लाख रुपए नगद, घर से चार लाख रुपए नगद, सोना चांदी के जेवरात को लूटकर फरार हो गये. बताया कि छह की संख्या में पहुंचे अपराधी चेहरे को नकाब और हेलमेट से ढक रखा था. जिसमें पांच लोगों के पास रिवाल्वर और एक के पास चाकू था. घटना को अंजाम देकर भागने के क्रम में एक अपराधी का मोटर साइकिल को हड़बड़ी में छोड़कर फरार हो गये. मामले की सूचना मिलते ही गोरहर थाना प्रभारी नितीश कुमार घटना स्थल पर पहुंचे. अपराधियों के द्वारा मारपीट में घायल सुनील कुमार पांडेय, उनकी पत्नी नीलम देवी और पुत्र समीत पांडेय का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में किया गया. घटना के बाद व्यवसाई वर्ग और आम आवाम में दहशत का माहौल है.

अन्नदा कॉलेज ईको क्लब में लुप्तप्राय प्रजातियों पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

हजारीबाग। अन्नदा कॉलेज के ईको क्लब की ओर से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण और लुप्तप्राय प्रजातियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न संकायों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता के माध्यम से समाज को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के उद्घाटन पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता है। छात्रों के ऐसे प्रयास रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें प्रकृति और वन्यजीवों की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर डॉ मीना श्रीवास्तव, डॉ प्रेरणा शर्मा और डॉ आकाश गोराई ने लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वन्यजीवों के विलुप्त होने से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ता है, जो अंततः मानव जीवन को भी प्रभावित करता है। उन्होंने छात्रों से पर्यावरण सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। प्रतियोगिता में 25 छात्रों ने भाग लिया और आकर्षक तथा संदेशपूर्ण पोस्टर प्रस्तुत किए, जिनमें मानव और प्रकृति के सह-अस्तित्व का सुंदर चित्रण दिखाई दिया। निर्णायक मंडल ने रचनात्मकता, संदेश की स्पष्टता और प्रस्तुति के आधार पर सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

न्यूज बॉक्स

श्री श्याम मंदिर में रमा एकादशी पर श्याम प्रभु का सजा भव्य दरबार

रामगढ़। शहर के नेहरू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में रमा एकादशी के मैके पर श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। रमा एकादशी पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा बरसती रहती है। इस अवसर पर यजमान ने सपत्नीक भगवान का गणेश पूजन कर ज्योति प्रज्जवलित किया। तत्पश्चात श्याम मंदिर के अध्यक्ष सांवरमल अग्रवाल, राजेश पथरवा, अनिल छाबड़ा, पंडित पंकज पांडे ने श्री श्याम 84 की किताब का अनावरण किया। बागड़िया परिवार ने इस पुस्तक को सभी श्याम प्रेमियों को समर्पित किया। मौके पर कमल बगड़िया ने कहा कि जो भी श्रद्धालु इस श्याम 84 का पाठ सुबह-सुबह प्रतिदिन करते हैं बाबा उनकी झोली खुशियों से भरते हैं।हर एकादशी के कीर्तन की शुरुआत की इस पाठ के साथ किया जाता है ,जिसमें श्री श्याम प्रभु की जीवनी का गुणगान किया गया है। इस दौरान उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को इसकी प्रति भेंट की गई। इसके बाद भजनों का सिलसिला कमल बगड़िया, ध्रुव सिंह ,सवार अग्रवाल ,मनोज शर्मा एवं उपस्थित अन्य भक्तों ने रात्रि 11:00 बजे तक जारी रखा। बाबा के भोग का आरती के साथ प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु के दरबार में अनेक भक्त उपस्थित थे।

बार एसोसिएशन बरही का चुनाव हुआ संपन्न रविशंकर अध्यक्ष और राजकुमार बने सचिव

बरही । शनिवार को बार एसोसिएशन बरही का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ. निर्वाचित पदाधिकारी सौरभ कुमार सिन्हा, सत्य शरण प्रसाद और गोविंद प्रसाद की उपस्थिति व बार एसोसिएशन रांची के पर्यवेक्षक परमेश्वर मंडल की निगरानी में पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक अधिवक्ताओं ने अपना बहुमूल्य वोट दिया. देर संध्या काउंटिंग के बाद निर्वाची पदाधिकारी द्वारा परिणाम घोषित किया गया. जिसमें रविशंकर प्रसाद कुल 23 मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंदी सुखदेव शर्मा को 7 मतों से पराजित किया. सचिव पद के लिए राजकुमार प्रसाद एक बार फिर निर्वाचित हुए. उन्होंने 26 मत लाकर अपने प्रतिद्वंदी झारखंडी साहा को 13 मतों से पटखनी दी. संयुक्त सचिव के लिए कुल तीन उम्मीदवार थे. इसमें विजेता रामचंद्र प्रसाद को कुल 21 मत मिले. जबकि मणिलाल चौधरी को 6 तथा कृष्णा प्रसाद चौधरी को 13 मतों से हीं संतोष करना पड़ा. कोषाध्यक्ष में राधेलाल चौधरी ने 27 मत लाकर राजेश चौधरी को 15 मतों से पराजित किया. इसमें 1 मत रद्द हुए. उदय कुमार सिन्हा उपाध्यक्ष के लिए निर्विरोध चुने गए. इसके अलावा बैजनाथ प्रसाद, रामकृत सिंह, सुशील कुमार सिंह, सुजीत कुमार, रामचंद्र चौधरी व श्याम कुमार कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए. सभी निर्वाचित सदस्यों को बार एसोसिएशन के सदस्यों ने बधाई दी. निर्वाचित सदस्यों ने भी एसोसिएशन के विकास के लिए अपने संकल्प दुहराए. मौके पर अधिवक्ता आशीष ओझा, अनुज कुमार यादव, सतीश कुमार यादव, रौशन कुमार सिंह, मंजीत कुमार, नोटरी कुंजिल साव, हरेंद्र ठाकुर, अर्जुन ठाकुर, सुनील दत्ता आदि सहित बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता मौजूद थे.

कला संस्कृति मंच ने सोहराय का किया भव्य आयोजन

सोहराय चांचइर में हजारों की संख्या में लोग हुए शामिल

रामगढ़। बृहद कला संस्कृति मंच ने 18 अक्टूबर को शहर में सोहराय चांचइर आर बरदखूंटा का भव्य आयोजन किया । कार्यक्रम सिद्धू कान्हू जिला मैदान से आरंभ हुआ। जो चट्टी बाजार, थाना चौक, सुभाष चौक, बिजुलिया होते हुए रामगढ़ कॉलेज पहुंचकर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाज के लोग शामिल थे जो सभी मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य के साथ आगे बढ़ रहे थे और इस प्रकार कार्यक्रम व्यस्थित तरीके से संपन्न हुआ। बृहद कला संस्कृति मंच ने सोहराय चांचइर आर बरदखूंटा कार्यक्रम में हजारों की संख्या में शामिल थे। जो पारंपरिक परिधानो में एक साथ चल रहे थे। जिससे कार्यक्रम पूरी तरह से भव्य प्रतीत हो रहा था।
सोहराय चांचइर आर बरदखूंटा कार्यक्रम में शामिल हजारों लोग मांदर की थाप पर पारंपरिक सोहराय गीत और नृत्य करते बढ़ रहे थे। इस दृश्य को युवाओं को मोबाइल फोन पर कैद करते और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करते देखा गया। बृहद कला संस्कृति मंच ने सोहराय चांचइर आर बरदखूंटा कार्यक्रम में शामिल हजारों लोगों को विभिन्न संगठनों पे स्टॉल लगाकर जगह जगह स्वागत किया। कुडमि टोला कैथा मंदिर के निकट कार्यक्रम में शामिल लोगों का डॉ सुनील कुमार कश्यप, समाज सेवी निरंजन महतो, प्रमोद कुमार सिंह, उमेश कुमार महतो, अजय कुमार महतो, पंकज कुमार महतो, अपनू महतो, संदीप महतो, ख्याति देवी, हर्ष आंनद तेजस्वी, इशा उमंग कश्यप, नीलम देवी आदि ने शरबत आदि के साथ स्वागत किया।

त्योहारों को लेकर उपायुक्त के निर्देश पर चलाया गया जांच अभियान

एक्सपायरी उत्पाद बेचने वाले दुकानदों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर अभिहित अधिकारी सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी रामगढ़ डॉ नवल कुमार के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा शनिवार को आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए के विभिन्न होटल एवं मिठाई दुकानों में विशेष निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अभिहित अधिकारी सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नवल कुमार एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी रामगढ़ अदिति सिंह द्वारा रामगढ़ कॉलेज गेट स्थित होटल मिलन का निरीक्षण किया गया। ब्लॉक चौक रामगढ़ स्थित एल बी फूड, उमेश स्वीट्स का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि एल बी फूड एवं उमेश स्वीट्स के द्वारा बिना लाइसेंस के खाद्य कारोबार किया जा रहा है। एल बी फूड और उमेश स्वीट्स पर 25000/-, 25000/- रूपये का जुर्माना लगाया गया। नईसराय स्थित सिद्धि स्वीट्स के द्वारा मात्र fssai पंजीकरण प्राप्त करके ही प्रतिष्ठान चलाया जा रहा है किन्तु खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के तहत ऐसे खाद्य कारोबारी जिनका वार्षिक कारोबार 12 लाख से अधिक है को राज्य स्तरीय लाइसेन्स प्राप्त कर ही कारोबार चलाना है। सिद्धि स्वीट्स पर 25000/- रूपये का जुर्माना लगाया गया। उन्होंने कहा कि कोई भी दुकानदार एक्सपायरी उत्पाद न बचें अन्यथा पकड़ाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अन्य खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया गया एवं ज़रूरी दिशा निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, लेबलिंग, एक्सपायरी तिथि और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया। सभी दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि वे एक्सपायरी उत्पाद न बेचें, सभी खाद्य सामग्री पर स्पष्ट लेबलिंग करें, नियमित पेस्ट कंट्रोल कराएँ और होटल/रेस्टोरेंट स्टाफ द्वारा एप्रोन, ग्लव्स और हेडगियर का पालन सुनिश्चित करें। खाना बनाने में साफ़ पानी का उपयोग करने, कर्मियों की स्वच्छता पर ध्यान देने, fssai मानक वाले खाद्य पदार्थ का प्रयोग करने, उचित लेबलिंग के साथ खाद्य सामाग्री को पेकिंग करने, सिंथेटिक कलर का प्रयोग न करने और अनावश्यक रंगों के इस्तमाल से परहेज करने का निर्देश दिया।

रामगढ़ में दर्दनाक घटना गार्ड ने साथी को कुल्हाड़ी से काट डाला

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड ने अपने साथी गार्ड की कुल्हाड़ी से हमला करके हत्या कर दी और फिर थाने में आकर सरेंडर कर दिया। आरोपी की पहचान रजरप्पा थाना क्षेत्र के पटमदगा गांव निवासी शंकर महतो (30) के रूप में हुई है। यह घटना गुरुवार देर रात रामगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। इस मामले की जानकारी देते हुए रामगढ़ के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) परमेश्वर प्रसाद ने कहा कि साईं सिक्योरिटी कंपनी के सुरक्षा गार्ड शंकर महतो ने अपने साथी गार्ड सुनील कुमार सिंह की कुल्हाड़ी से हमला करके हत्या कर दी। उसने पीड़ित पर कम से कम पांच बार हमला किया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में आरोपी ने हथियार के साथ रामगढ़ थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक निर्माणाधीन इमारत से शव बरामद किया। पुलिस ने कहा कि पूछताछ के दौरान शंकर महतो ने अपने सहकर्मी की हत्या करने की बात कबूल की और यह भी बताया कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हुई थी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित भी रजरप्पा थाना क्षेत्र के एक गांव का निवासी था। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

छठ आने में छह दिन बचे हैं भदानीनगर में रास्ते और घाट बदहाल

भुरकुंडा। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर भदानीनगर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह चरम पर है। छठ व्रत को लेकर लोग घरों की साफ-सफाई और सजावट में जुटे हैं, लेकिन दूसरी ओर छठ घाट की स्थिति व्रतियों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। भदानीनगर ग्रामीण क्षेत्र स्थित आईएजी डैम हर साल की तरह इस बार भी महापर्व का प्रमुख केंद्र रहेगा, मगर डैम और वहां तक पहुंचने का रास्ता जर्जर हाल में है। करीब छः वर्ष पूर्व भारी बारिश में डैम का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर ढह गया था। तब से अब तक डैम की मरम्मत नहीं हुई है।

सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में दीपावली और छठ महापर्व की सांस्कृतिक छटा बिखरी दिखी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में दीपावली एवं छठ महापर्व के शुभ अवसर पर विद्यालय की बहनों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता, दीप निर्माण प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने छठ महापर्व का प्रकृति से गहरा संबंध दर्शाते हुए छठ गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। इन गीतों एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से बहनों ने भारतीय परंपरा, संस्कृति और आस्था का सुंदर चित्रण किया। रंगोली और दीप निर्माण प्रतियोगिता में छात्राओं की सृजनात्मकता देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर विद्यालय के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी एवं प्राचार्य उमेश प्रसाद उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना और परंपरागत मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल करते हैं।साथ ही उन्होंने सभी आचार्यों,भैया बहनों को दीपावली एवं छठ पर्व की शुभकामनाएँ दी।साथ ही एक विशेष कार्यक्रम के तहत *'एक घी का दिया विद्यालय के नाम'* अभियान चलाया गया जिसमें विद्यालय के सभी भैया बहन एक-एक दिया विद्यालय को दिए जिसे दीपावली के दिन जलाया जाएगा। कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्या डॉ गायत्री कुमारी,ललिता गिरी,अमृता चौधरी,गायत्री कुमारी,ज्योति कुमारी,पूनम सिंह,मिथिलेश कुमार खन्ना,देव कुमार,रोहित राज,गौतम कुमार,शशि कान्त आदि उपस्थित थे।

स्कूल की छात्राओं ने बनाई रंगोली दीप सजा प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

बरकट्ठा। प्रखंड अंतर्गत गंगपाचो स्थित सीबीएसई से प्लस टू तक मान्यता प्राप्त डिवाइन पब्लिक स्कूल में दीपावली के पूर्व बच्चों के बीच पाठ्य सह क्रियाकलापों के अंतर्गत रंगोली तथा दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया।इस अवसर पर सभी कक्षाओं को पाँच ग्रुप में बांटा गया। बच्चों ने आजादी का अमृत महोत्सव, एक दिया शहीदों के नाम, ऑपरेशन सिंदूर से नो टू प्लास्टिक और स्वच्छ भारत इत्यादि विषयों पर सुंदर, आकर्षक, सृजनात्मक व मनमोहक रंगोली को बनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख रेनु देवी, जिप सद्स्य कुम्कुम् देवी, कपका मुखिया कमलेश कुमार, उतिम महतो ने किया। मौके पर विद्यालय के निदेशक आई पी भारती ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों के अंदर सृजनात्मक सोच विकसित होती है। निर्णायक मंडल में मधुसूदन प्रसाद, रेयाज खान, अनिल कुमार, ईश्वर यादव, सुनील कुमार, पन्कज् कुमार आदि थे। स्कूल प्राचार्या रोहिणी कुमारी ने कहा कि बच्चे गीली मिट्टी की तरह होते हैं, जिसे उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचान कर उनके अनुरूप ढाला जा सकता है। यही विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। ककार्यक्रम को सफल बनाने में प्रीति प्रभा,संजय कुमार यादव, कुलदीप पासवान, अरूण कुमार, अनिल उपाध्याय, रामनन्दन कुमार, सुलेखा मोदी, अविशेष कौशल, दीक्षा कुमारी, मानती लकड़ा, रुबी खातून आदि का योगदान सराहनीय रहा।

प्रतिभा | दीपावली के मौके पर स्कूल में खुशियों के साथ मना दीपोत्सव

छात्राओं ने अलग-अलग थीम पर रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का दिया परिचय

- **सभी विद्यार्थियों ने ऊर्जा से भरकर,उत्साह–पूर्वक हर गतिविधि में भाग लिया एवं दीपोत्सव के आयोजन को सफल बनाया**

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। शनिवार को शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के प्रांगण में विद्यार्थियों ने खुशियों के साथ प्रकाश–पर्व दीपावली के अवसर पर इको फ्रेंडली दीपावली मनाया। दीपोत्सव की शुरुआत सुबह की प्रार्थना सभा से ही हो गई। दिवाली पर आधारित विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। दीपावली पर आधारित सुविचार एवं संक्षिप्त भाषण की प्रस्तुति की गई।कक्षा नर्सरी से लेकर 11वीं तक के विद्यार्थियों ने रंगोली , दीप सज्जा, तोरण सज्जा तथा कक्षा सज्जा के साथ शुभकामना पत्र भी बनाए तथा दीपोत्सव का मन भर कर आनंद उठाया। कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के विद्यार्थियों ने राम–दरबार के अंतर्गत राम,लक्ष्मण सीता एवं हनुमान का वेश धारण किया तथा गणेश –लक्ष्मी के रूप में सुंदर छवि प्रस्तुत की। नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों ने कक्षा अध्यापिका की सहायता से दीपों को सजाया,पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों ने रंगोली बनाई, पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों ने रद्दी कागज से सुंदर-सुंदर शुभकामना पत्र बनाकर शुभकामना संदेश लिखा। कक्षा 6 से लेकर 11वीं तक की छात्राओं ने अलग-अलग थीम पर विद्यालय के प्रांगण में सुंदर रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और सबका ध्यान आकर्षित किया तथा कक्षा 6 से लेकर 11वीं तक के छात्रों ने कक्षा में ही दीप सज्जा,कक्षा सज्जा तथा तोरण बनाकर दीपोत्सव का आनंद उठाया एवं अपने सृजनात्मक एवं रचनात्मक क्षमता का परिचय दिया। सभी विद्यार्थियों ने ऊर्जा से भरकर,उत्साह–पूर्वक हर गतिविधि में भाग लिया एवं दीपोत्सव के आयोजन को सफल बनाया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने सभी विद्यार्थियों को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनकी रचनात्मकता एवं प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि "दीपावली का त्यौहार हमें यह संदेश देता है कि अंधकार को प्रकाश से हराया जा सकता है।यह त्योहार भगवान राम की रावण पर विजय और अयोध्या वापसी की खुशी में मनाया जाता है, जो नए सिरे से शुरुआत और समृद्धि का प्रतीक है। हमें अपने अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करके उसमें ज्ञान रूपी प्रकाश भरने की चेष्टा करनी चाहिए।"
गुरुद्वारा प्रबंधन समिति और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भी विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की तथा कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसकी शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सदस्य परमदीप सिंह कालरा, विद्यालय प्रबंधक समिति के सम्माननीय सदस्य— सरदार मनमोहन सिंह लांबा,सरदार कुलजीत सिंह कालरा, सरदार वरिंदर सिंह चंडोक, सरदार गुरप्रीत सिंह जॉली, सरदार नरेंदर पाल सिंह गुजराल, सरदार पुषविंदर पाल सिंह, सरदार सतिंदर सिंह होरा, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली, सरदार गुरप्रीत सिंह चाना, सरदार रमन बेदी और मीडिया प्रभारी सरदार करमजीत सिंह जग्गी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विवि के भिन्न विभागों में धनतेरस एवं दीपावली उत्सव का आयोजन

रामगढ़। 18 अक्टूबर 2025 को धनतेरस तथा दीपावली के पावन अवसर पर शिक्षा विभाग,वाणिज्य विभाग,कृषि विज्ञान विभाग और विधि विभाग द्वारा उल्लासपूर्वक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दीपों का यह पर्व, जो अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का प्रतीक है, विभाग में आपसी सौहार्द, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक समरसता का सजीव उदाहरण बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इस पावन उत्सव पर रंगोली , पोस्टर मेकिंग, दीपक एवं थाली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
शिक्षा विभाग में अंजली सोनी, उमेश कुमार,ललिता कुमारी, दीपिका कुमारी एवं रितिका इक्का,वाणिज्य विभाग में सदफ नूर, मुस्कान कुमारी , अल्तमस, पुण्यकर्ण एवं अभिषेक, कृषि विभाग में अनुष्का,पवन, प्रतीक एवं मनोज ,विधि विभाग में मिनी मरांडी, लवकुश,मनीषा एवं आंचल कुमारी शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने विद्यार्थियों को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सचिव प्रियंका कुमारी ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की भूरी- भूरी प्रशंसा करते हुए उन्हें ऐसे आयोजनों में नियमित भाग लेने हेतु प्रेरित किया। दीपावली की अग्रिम बधाई दी। कुलपति प्रो (डॉ.) रश्मि ने दीपावली के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को अपने जीवन में सत्य, अहिंसा एवं सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल ने सभी विद्यार्थियों को प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने की अपील की।

सेमेस्टर-1 में नामांकन के प्रतीक्षारत विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय ने जारी किया निर्देश

बरही। विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-29 के स्नातक सेमेस्टर-1 में नामांकन के लिए सभी प्रतीक्षारत विद्यार्थियों के नामांकन के लिए अंतिम मौका दिया है. उक्त जानकारी रामनारायण यादव मेमोरियल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बिमल किशोर ने दी. उन्होंने बताया कि वैसे सभी प्रतीक्षारत विद्यार्थी जिनका सूची में नाम आया था परंतु किसी कारणवश नामांकन नहीं ले सके हैं. वह चांसलर पोर्टल पर 31 अक्तूबर तक नामांकन ले सकते हैं. यह सभी प्रतीक्षारत विद्यार्थियों के लिए अंतिम मौका है.

गिद्दी दामोदर छठ घाट की अब तक नहीं हुई है सफाई, श्रद्धालु चिंतित

गिद्दी। गिद्दी कोयलांचल में छठ महापर्व की तैयारी शुरू हो गया है। छठ व्रत करने वाले छठ का सामान जुटाने लगे हैं। दुकानदार भी अपने अपने दुकानों में छठ का सामान लाने लगे हैं। छठ करने वाले व्रति के लोग गिद्दी दामोदर नदी में छठ घाट पर अपना अपना स्थान भी घेर कर सुरक्षित कर लिया है। पर अब तक यहां छठ घाटों की सफाई नहीं शुरू हो पाई है।

छठ पूजा की तैयारी को लेकर बीडीओ ने किया बानो प्रखंड के छठ घाटों का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बानो। आगामी छठ पूजा पर्व को लेकर आज शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी ने बानो प्रखंड मुख्यालय स्थित छठ घाटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलाशय में जल की उपलब्धता, स्वच्छता, व्रतियों के जल में उतरने की व्यवस्था, अर्घ्य देने के स्थान एवं पहुंच मार्ग की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया।बीडीओ ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंध समय पर सुनिश्चित किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।निरीक्षण के दौरान बानो मुखिया विश्वनाथ बड़ाईक, बीपीओ चारु प्रसाद तथा प्रखंड कृषि पदाधिकारी अजय सिंह उपस्थित रहे।अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन की ओर से छठ पर्व की सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालु शांति और श्रद्धा के साथ पर्व मना सकें।

बानो प्रखंड में उरद फसल का फील्ड वेरिफिकेशन, फली उत्पादन में कमी का पता चला

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा माधुरी टोप्पो ने उरद फसल का फील्ड वेरिफिकेशन किया। निरीक्षण में पाया गया कि उरद पौधों में फली का उत्पादन नहीं हुआ, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।जिला कृषि पदाधिकारी ने अपने निरीक्षण के दौरान यह जानकारी संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट की और उच्च अधिकारियों से वार्ता कर आवश्यक दिशा-निर्देश लेने की बात कही। निरीक्षण के दौरान पॉली हाउस का भी जायजा लिया गया, ताकि फसल की उन्नत तकनीकों और उत्पादन संबंधी कमियों का सही आंकलन किया जा सके।इस दौरान कृषि निरीक्षक शंकर सिंह, अबेदुल्ला ऐहरार, बीटीएय सुनील समद और श्याम कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने फील्ड निरीक्षण में किसानों से सीधे संवाद किया और उत्पादन में कमी के कारणों का पता लगाने के प्रयास किए। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि फसल उत्पादन में कमी के कारण किसानों को न्यूनतम नुकसान पहुँचाने के लिए जल्द उपयुक्त कृषि तकनीक और सुझाव प्रदान किए जाएंगे। साथ ही फसल संरक्षण एवं सुधारात्मक उपायों पर ध्यान दिया जाएगा, ताकि आगामी फसल चक्र में बेहतर उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके। इस निरीक्षण से किसानों को अपनी फसल संबंधी समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुँचाने का मार्ग भी सुलभ हुआ है।

जलडेगा के गांगुटोली में आयुष विभाग ने आयुर्वेद उपचार पद्धति के लाभों की जानकारी दी

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड के गांगुटोली स्कूल मैदान में जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी सुभद्रा कुमारी के निर्देश पर आयुष वयोवृद्ध कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में बीपी, शुगर, गठिया, कमर दर्द, पीठ दर्द, पेट संबंधी रोगों जैसी आम लेकिन उपेक्षित बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करना और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना था। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (जलडेगा 2) डॉ खुर्शीद हसन ने मरीजों की जांच कर उचित परामर्श एवं दवा प्रदान की। उन्होंने उपस्थित लोगों को होम्योपैथिक और आयुर्वेदिक उपचार पद्धति के लाभों की जानकारी दी और प्राकृतिक तरीके से स्वास्थ्य बनाए रखने के उपाय बताए। कार्यक्रम में लीड्स संस्था की जूही कुमारी, योग प्रशिक्षक लालधारी नाग, हेमंती कुमारी, मोदित कुमार, जयंती कुमारी, सागर प्रधान ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने ग्रामीणों को रोग नियंत्रण और मानसिक संतुलन के उपाय बताए तथा रोगों की रोकथाम की जानकारी दी।

झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कांडुलना ने की कार्यपालक अभियंता से मुलाकात

बांसजोर पावर हाउस को शीघ्र चालू करने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना ने शनिवार को जिले में बिजली आपूर्ति की समस्याओं को लेकर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता से मुलाकात की। उन्होंने सिमडेगा जिले में विद्युत व्यवस्था की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए बांसजोर पावर हाउस को शीघ्र चालू करने की मांग की।कांडुलना ने बताया कि जिले के कई ग्रामीण इलाकों में कम वोल्टेज और अधूरा विद्युतीकरण कार्य लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। बांसजोर पावर हाउस के बंद रहने से आसपास के पंचायतों में बिजली की गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि "यदि पावर हाउस जल्द चालू नहीं किया गया तो ग्रामीण विकास कार्य बाधित होते रहेंगे। झामुमो जनता की आवाज है और हम तब तक संघर्ष करेंगे, जब तक हर घर उजाला नहीं पहुँच जाता।"इस मौके पर झामुमो जिला सचिव मो. सफीक खान ने भी मांग की कि जिन गांवों में अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं लगाए गए या कनेक्शन अधूरे हैं, वहां जल्द कार्य पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि बिजली के अभाव में ग्रामीणों की शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है।कार्यपालक अभियंता ने आश्वासन दिया कि 1–2 महीनों में बांसजोर पावर हाउस को चालू कर दिया जाएगा। इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य नोवास केरकेट्टा और जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने विभाग से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

दीपावली की रौनक बढ़ा रही हैं सिमडेगा की दीदीयां

दीदियों के स्टॉल में स्वदेशी उत्पादों से महक उठा स्थानीय बाजार

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। दीपावली की पूर्व संध्या पर सिमडेगा में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। गांधी मैदान और समाहरणालय परिसर में लगे इन स्टॉलों ने बाजार की रौनक बढ़ा दी है। ग्राहकों की भीड़ और दीदियों की मेहनत ने इस बार के दीपोत्सव को खास बना दिया है।स्टॉलों में सबसे अधिक पसंद किए जा रहे हैं 'पालाश गिफ्ट हैम्पर', जिनमें सुंदर बेत की टोकरी में सजे लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियाँ, रागी और तिल के लड्डू, शुद्ध मधु (शहद), चुनरी, दीये और करंज तेल जैसे पारंपरिक व स्वदेशी उत्पाद शामिल हैं। उपहार के रूप में इनकी खरीदारी जमकर हो रही है। ग्राहकों का कहना है कि ये उपहार न केवल त्योहार की भावना से जुड़े हैं, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' का सुंदर उदाहरण भी हैं।इसके साथ ही कोलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा तैयार आकर्षक रागी और तिल लड्डू पैक भी खूब बिक रहे हैं। इन उत्पादों को उपहार स्वरूप देने के लिए लोग विशेष रूप से पसंद कर रहे हैं।स्टॉलों में सूप (फटकनी), झाड़ू, मिट्टी के खिलौने, हस्तशिल्प सामग्री और अन्य घरेलू वस्तुओं की भी मांग बनी हुई है। इससे न केवल स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिल रहा है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी के निर्देशानुसार चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं जेएसएलपीएस के संयुक्त प्रयास से सिमडेगा जिले के 10 बड़े प्रतिष्ठानों में भी 'पालाश ब्रांड' के उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे दीदियों को सशक्त बाजार व्यवस्था प्राप्त हुई है।दीदियों ने दीपावली की शुभ बेला पर उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह एवं उप विकास आयुक्त श्री दीपांकर चौधरी को पालाश गिफ्ट हैम्पर सप्रेम भेंट किया।स्थानीय प्रशासन और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की पहल से लगाई गई यह प्रदर्शनी महिला सशक्तिकरण, स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हुई है। लोगों का कहना है कि इस दीपावली पर बाजार में खरीदे जा रहे उपहारों में अब स्थानीय उत्पादों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक आत्मनिर्भरता दोनों को बल मिला है।

सदर अस्पताल सिमडेगा के बेहतर संचालन को लेकर हुई बैठक

आयुष्मान भारत योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को जिला अस्पताल प्रबंधन समिति एवं आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जिला शिकायत निवारण समिति की बैठक उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में सदर अस्पताल सिमडेगा के बेहतर संचालन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि एस.एन.सी.यू.का इलेक्ट्रिकल ऑडिट विद्युत विभाग द्वारा कराया जाएगा। वहीं, सदर अस्पताल में चिकित्सक एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए राज्य स्तर पर पत्राचार किया जाएगा तथा आयुष्मान भारत योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया। अस्पताल भवन की मरम्मति और रंग-रोगन कराने, हड्डी ऑपरेशन हेतु आवश्यक मशीन उपकरणों की खरीद तथा अल्ट्रासाउंड मशीन की स्थापना कर मरीजों को नई सुविधा देने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा, बायोमेडिकल कचरे के बेहतर निष्पादन हेतु स्टोरेज रूम के निर्माण और नगर परिषद द्वारा दैनिक उठाव व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।बैठक में यह भी तय किया गया कि एमसीएच भवन में अग्निशमन यंत्र स्थापित करने के लिए अग्निशमन विभाग से प्राक्कलन तैयार कराया जाएगा। साथ ही फिजियोथेरेपी विभाग में आवश्यक उपकरणों की खरीदारी कर बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया।इसके अतिरिक्त, लैब संचालन के लिए सरकार को पत्राचार कर बाहरी संस्थानों से सहयोग लेने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, सिविल सर्जन, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि सम्मी आलम सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

बांसजोर प्रखंड में पशुपालन योजनाओं हेतु योग्य लाभुकों का चयन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। बांसजोर प्रखंड कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में वर्ष 2025-26 के लिए पशुपालन विभाग की विभिन्न अनुदानित योजनाओं के तहत योग्य लाभुकों का चयन किया गया। इन योजनाओं में बकरा विकास, शूकर पालन, दुधारू गाय, मुर्गी पालन और बत्तख पालन योजना शामिल हैं।बैठक का उद्देश्य ग्रामीणों को पशुपालन आधारित रोजगार से जोड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। चयन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की गई, जिसमें पात्र लाभुकों का चयन विभागीय मानदंडों के अनुसार किया गया।इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख सह महिला कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तारा मनी सोरेंग, जिला परिषद सदस्य सह कांग्रेस सेवा दल के जिला अध्यक्ष समरोम पॉल, विधायक प्रतिनिधि बी तिर्की, प्रखंड विकास पदाधिकार एमानुएल जयविरस लकड़ा, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. स्वाति बड़ा तथा प्रखंड कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार प्रधान उपस्थित रहे।बैठक में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पशुपालन योजनाएं न केवल आय का साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन स्तर सुधारने का सशक्त माध्यम भी हैं। अधिकारियों ने लाभुकों से योजनाओं का सही उपयोग करने और पशुपालन के माध्यम से स्वावलंबी बनने की अपील की।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती

'यूनिटी मार्च' का होगा आयोजन, पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को भारतीय जनता पार्टी विशेष रूप से मनाने की तैयारी में जुटी है। इसको लेकर आज पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने प्रेस वार्ता कर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर से 25 नवंबर 2025 तक सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'यूनिटी मार्च'का आयोजन किया जाएगा।पूर्व मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं बल्कि राष्ट्रीय भावना से प्रेरित होगा। इस दौरान किसी भी पार्टी का बैनर, पोस्टर या झंडा नहीं रहेगा। समाज के सभी वर्गों के लोग एकजुट होकर इस एकता मार्च में भाग लेंगे।

विमला प्रधान ने कहा कि यह अपने आप में एक अनोखा और प्रेरणादायक आयोजन होगा। इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी में देशभक्ति, एकता और आत्मनिर्भरता का भाव जागृत करना है।उन्होंने बताया कि सरदार पटेल ने अपने कार्यों से देश को एकता और अखंडता का संदेश दिया था। अब यह भाजपा का प्रयास है कि वह संदेश जन-जन तक पहुंचे। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगातार जुटे हुए हैं।विमला प्रधान ने बताया कि इस अवसर पर 'माई भारत पोर्टल' भी लॉन्च किया गया है, जो युवाओं को सशक्त और संगठित करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह पोर्टल 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं के लिए मेंटरशिप, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग और उद्योग से जुड़ाव के अवसर उपलब्ध कराएगा।प्रेस वार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, अनूप प्रसाद, मुकेश श्रीवास्तव, दुर्ग विजय सिंह देव, अनूप केसरी, बसंत नारायण माझी, रवि वर्मा और सुभाष कुमार महतो सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना के तहत सिमडेगा जिले में 89,217 लाभुकों को दी गई 22 करोड़ 30 लाख से अधिक की राशि

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। दीपावली, गोवर्धन पूजा, काली पूजा, सोहराय, बरद खूंटा, बांदना पर्व, भैया दूज, चित्रगुप्त पूजा और सूर्योपासना के महापर्व छठ से पूर्व सिमडेगा जिले की हजारों महिलाओं के लिए खुशखबरी आई है। झारखंड मुख्यमंत्री मइँया सम्मान योजना के तहत जिले की लाभुक महिलाओं के खातों में अक्टूबर माह की 2,500 की सम्मान राशि का भुगतान कर दिया गया है।जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, योजना के अंतर्गत सिमडेगा जिले की कुल 89,217 लाभुक महिलाओं को आधार आधारित भुगतान प्रणाली (DBT) के माध्यम से 22,30,42,500 (बाईस करोड़ तीस लाख बयालीस हजार पाँच सौ रुपए) की राशि हस्तांतरित की गई है।प्रखंडवार लाभुकों की संख्या इस प्रकार है -बानो प्रखंड 12,288, बांसजोर 3,980, बोलबा 3,597, जलडेगा 8,924, केरसई 5,290, कोलेबिरा 9,661, कुरडेग 6,666, पाकरटांड़ 6,092, सिमडेगा 11,943, ठेठईटांगर 14,705 तथा नगर परिषद क्षेत्र 6,071 लाभुक यह योजना राज्य सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान प्रदान किया जा रहा है।जिला नियोजन पदाधिकारी-सह-समाजिक सुरक्षा कोषांग की पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री मइँया सम्मान योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना और त्योहारी अवसरों पर उनके परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है।त्योहारों की इस श्रृंखला में प्राप्त राशि से जिले भर की महिलाओं के चेहरों पर खुशी झलक रही है, जिससे दीपावली की खुशियां और भी रोशन हो गई हैं।

कोलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी को राज्य कार्यालय से मिला रागी एवं तिल लड्डू का बड़ा ऑर्डर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा जिले में महिला सशक्तिकरण की एक मिसाल बन चुकी कोलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी को दीपावली से मात्र दो दिन पूर्व जेएसएलपीएस के राज्य कार्यालय से रागी एवं तिल के लड्डुओं का बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ। उप विकास आयुक्त के द्वारा भी लगातार फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का समीक्षा किया जा रहा है। कंपनी की महिला शेयरधारकों ने जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक शांति मार्डी के निर्देश तथा प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अगापित लुगुन एवं शैलास संयोग के सहयोग से अपने अथक प्रयास और मेहनत से केवल दो दिनों के भीतर लगभग 1000 जार रागी एवं तिल के लड्डू तैयार कर जेएसएलपीएस के राज्य कार्यालय को प्रेषित किए। यह कार्य सीमित समय में पूर्ण कर एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया।यह ऑर्डर पलाश' ब्रांड के तहत यहाँ की उच्च गुणवत्ता, स्वच्छता और उत्कृष्ट स्वाद को देखते हुए दिया गया। विशेष रूप से, कोलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा शुद्ध घी में तैयार किए जाने वाले रागी एवं तिल लड्डुओं की बाज़ार में पहले से ही भारी मांग है। यह चुनौतीपूर्ण प्रयास न केवल संगठन की दक्षता को दर्शाता है, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। कोलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लगातार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, कौशल विकास तथा स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्कूल में दीपावली पर बच्चों के बीच रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के घंघरी स्थित मान सरोवर पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक रंगोली बनाकर अपने कला को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में सीनियर बच्चों में कक्षा 3 के बच्चे फर्स्ट कक्षा 8 के बच्चे सेकंड आए तथा जूनियर में प्ले A फर्स्ट और कक्षा Ikg के बच्चे सेकंड स्थान आए। सभी बच्चों के द्वारा खूबसूरत रंगोली बनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ निर्देशक महेंद्र प्रसाद एवं प्राचार्य सोनू कुमार ने किया। सोनू कुमार ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ सभी प्रतिभागिता में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाना चाहिए साथ हीं साथ उन्होंने दीपावली को दीपों का त्योहार बताते हुए बच्चों को बताए कि कैसे अंधकार मैय जीवन से प्रकाश मय जीवन की ओर बढ़ना चाहिए तथा रंगोली को देख कर उन्होंने रंगों के खूबसूरत मिश्रण को उन्होंने जीवन के प्रत्येक पहलू से जोड़ते हुए बताए कि अगर एक कलर होता तो सिर्फ कलर होता रंगों का मिश्रण है तो रंगोली है।और यही जीवन है कार्यक्रम में शिक्षक मुकेश कुमार मंडल, रोहित कुमार मंडल, दुलारचंद कुमार, कौशल पांडे, विनय कुमार , प्रियंका कुमारी, एकता कुमारी, अंजली कुमारी, मुस्कान परवीन, मनीषा कुमारी, दीपा कुमारी, प्रिया कुमारी, अंशु कुमारी, योगेश कुमार, अर्जुन सिंह, मनोज यादव, बबलू कुशवाहा ,अमित कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

रायकेरा में आयुष विभाग ने वयोवृद्ध स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया

- **चिकित्सकों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण अंचल के वृद्धजनों को सुलभ और पारंपरिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है, ताकि वे समय रहते उचित उपचार प्राप्त कर सकें**

बानो। बानो प्रखंड के रायकेरा गांव में आयुष विभाग की ओर से वयोवृद्ध स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुभद्रा कुमारी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसमें 130 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें निशुल्क दवाइयां भी दी गईं।शिविर में आयुष चिकित्सक डॉ. इरफान एवं उनकी टीम ने वृद्धजनों की जांच कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श और उपचार प्रदान किया। इस अवसर पर जोड़ों के दर्द, सिर दर्द, गैस, सूजन, कमजोरी, बीपी और शुगर जैसी सामान्य बीमारियों की जांच एवं इलाज किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण अंचल के वृद्धजनों को सुलभ और पारंपरिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है, ताकि वे समय रहते उचित उपचार प्राप्त कर सकें। आयुष विभाग द्वारा आयोजित यह पहल ग्रामीण क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हो रही है।

स्कूल के छात्रों ने बनाई रंगोली दीप सजा प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड अंतर्गत गोरहर के भैयाडीह स्थित संतपाल एकेडमी गुरुकुल स्कूल में शनिवार को दीपावली के पूर्व बच्चों के बीच पाठ्य सह क्रियाकलापों के अंतर्गत रंगोली तथा दीप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया।इस अवसर पर सभी कक्षाओं के बच्चों ने भाग लिया। आजादी का अमृत महोत्सव, एक दिया शहीदों के नाम , ऑपरेशन सिंदूर ,से नो टू प्लास्टिक और स्वच्छ भारत इत्यादि विषयों पर सुंदर, आकर्षक, सृजनात्मक व मनमोहक रंगोली को बनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य पूजा सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर शालू कुमारी आदित्य कुमार रजनीकांत कुमार अमन कुमार रूबी कुमारी बेवी कुमारी शमा प्रवीण शराफत अंसारी जितेंद्र कुमार अंजली कुमारी पिंकी कुमारी ने छात्राओं को दीपावली के आकर्षक रंगोली के लिए धन्यवाद दिया। वहीं क्लास वन में धीरज आरुषि सपना प्रिया आराध्या सिमरन परी अनुष्का सानिया नैना सोनाली वर्षा प्रियंका रितिक ने भाग लिया। निदेशक कार्तिक करनदेव ने बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं दिया तथा दीपावली पर्व के विषय में बतलाया। वहीं लोगों को दीपावली में सावधानी पूर्वक और हरसोलश से दीपावली मनाने तथा प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने के लिए कहा।

अवैध अफीम के विरुद्ध अभियान चला लोगों को किया जागरूक

खूंटी। झारखंड में अफीम की खेती वृहद पैमान पर चल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी खेती काफी होने लगी है, हालांकि पुलिस ने इस पर हक तक अंकुश लगाने कामयाब हो रही है। को कर्रा थाना अंतर्गत कर्रा रेलवे स्टेशन बाजार में उपस्थित लोगों के बीच अवैध अफीम के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं दूसरी ओर जरियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जम्हार बाजार में अवैध अफीम की खेती की रोकथाम एवं अफीम की खेती से मानव जीवन पर दुष्प्रभाव, कानूनन अपराध एवं वैकल्पिक खेती से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया।

अफीम के खिलाफ एसडीपीओ ने चलाया जागरूकता अभियान

बरही । स्वस्थ रहो, मस्त रहो, नशे से दूर रहो के संदेश के साथ एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने चौपारण में अफीम तस्करों के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चलाया. इस अभियान में सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार और स्थानीय थाना प्रभारी सरोज चौधरी ने महत्ती जिम्मेदारी निभाई. इस दौरान पुलिस की ओर से जागरूकता रैली निकल गए और लोगों को अफीम या अन्य नशीले पदार्थों के सेवन या क्रय बिक्री से दूर रहने की सलाह दी गई. अभियान के दौरान एसडीपीओ ने लोगों को बताया कि नशा सिर्फ जीवन ही बर्बाद नहीं करता बल्कि परिवार को विनाश के गर्त में धकेल देता है. एक व्यक्ति की गलती पूरे परिवार को तबाह करता है. उन्होंने कहा कि पुलिस से बचने के लिए नहीं बल्कि स्वयं और अपने परिवार को बचाने के लिए अफीम जैसे नशीले पदार्थ के उपयोग या उत्पादन नहीं करें. यह अभियान प्रशासन के लिए नही बल्कि आपकी और आपके परिवार के भलाई के लिए चलाया जा रहा है. मौके पर अंचल इंस्पेक्टर श्री कुमार ने भी लोगों से नशा से दूर रहने और नशा तस्करों के खिलाफ प्रशासन का सहयोग देने की अपील किया. इस अभियान में छोटे छोटे बच्चे, महिलाओं, प्रबद्धजनों सहित चौपारण पुलिस के जवान शामिल थे.

पीएम श्री राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय ने प्रखंड में निकाली मौन पदयात्रा

सिसई (गुमला)। डिस्लेक्सिया जागरूकता के तहत पी एम श्री राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय प्रखण्ड मुख्यालय सिसई के द्वारा विद्यालय परिसर से बस स्टैंड तक मौन पदयात्रा निकाला गया। इस दौरान जागरूकता को लेकर सभी बच्चों के हाथ में तख्ता और बैनर थे। राज्य परियोजना निदेशक झा0 शि0 परि0 प0 रांची के पत्रांक 3840 दि0 08/10/2025 के अनुसार सभी पी एम श्री विद्यालयों को निर्देशित करते हुए कहा गया था कि डिस्लेक्सिया के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अक्टूबर महीने को विश्व स्तर पर डिस्लेक्सिया जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। अतः प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी पी एम श्री विद्यालयों में डिस्लेक्सिया जागरूकता माह मनाया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी पी एम श्री विद्यालयों में (स्पेसिफिक लर्निंग डिसएबिलिटीज) विशिष्ट सीखने की अक्षमताएं वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाना है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राज्य स्तर से निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए थे।

विधायक के प्रयास से दिवाली के पूर्व जगमगाया रोहनियाटांड का छोटकी महोडोर

महीनों चक्कर लगाने पर मिलता है एक ट्रांसफार्मर

नवीन मेल संवाददाता

बरही । लगभग एक महीने के अंधेरे के बाद दिवाली के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव के प्रयास से गौरियाकरमा पंचायत का रोहनियाटांड़ स्थित छोटकी महोडोर मुहल्ला एक बार फिर से जगमगाया. शनिवार को विधायक श्री यादव ने 63 केवीए के ट्रांसफार्मर से विद्युत संचालन का फीता काटकर शुभारंभ किया. उन्होंने झारखंड सरकार के विद्युतीय व्यवस्था पर नाराजगी जताई. विधायक ने कहा कि हजारीबाग की विभाग में ट्रांसफार्मर और तेल उपलब्ध नहीं है. महिला चक्कर लगाने के बाद एक ट्रांसफार्मर मिल पाता है तब तक दूसरे की जलने की सूचना मिलती है. इसे लेकर वह लगातार उच्च अधिकारियों और सरकार तक बात पहुंचा रहे है. परंतु सरकार की नाकामयाबी जग जाहिर है, स्थिति यथावत बनी हुई है. बावजूद उनका भरपूर प्रयास होता है कि क्षेत्र के खराब ट्रांसफार्मर को यथाशीघ्र बदलते हुए विद्युतापूर्ति बहाल किया जाए. अंत में उन्होंने सबों के धनतेरस व दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित और हर्षित दीवाली मनाने की कामना किया. इस अवसर पर मुखिया कुमारी मीरा, राजन ओम, जीबराइल अंसारी, रामधन भुईया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

घाघरा में प्रखंड स्तरीय बालक-बालिका फुटबॉल, कबड्डी और दौड़ प्रतियोगिता का हुआ समापन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। मयूरी ट्रस्ट गुमला, झारखंड के तत्वावधान में और मेरे युवा भारत खेलकूद व युवा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार आज एस एस हाई स्कूल मैदान, घाघरा में प्रखंड स्तरीय एकदिवसीय फुटबॉल, कबड्डी और दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्गों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालिका वर्ग के फुटबॉल में प्रथम स्थान मोंडल स्कूल चपका, जबकि दूसरा स्थान एस एस हाई स्कूल घाघरा की टीम ने हासिल किया। बालक वर्ग के फुटबॉल में प्रथम स्थान एस एस हाई स्कूल घाघरा, और दूसरा स्थान स्वामी विवेकानंद सरांगो की टीम को मिला। बालिका कबड्डी में विजेता रही मोंडल स्कूल चपका, जबकि उपविजेता एस एस हाई स्कूल घाघरा रही। बालक कबड्डी में प्रथम स्थान चपका राइडर्स और दूसरा स्थान सेवन फाइटर ने हासिल किया।

दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का शानदार प्रदर्शन

बालिका वर्ग के 100 मीटर दौड़ः प्रथम - रजनी कुमारी, द्वितीय - सलोनी कुमारी, तृतीय - स्वागती कुमारी। बालक वर्ग के 100 मीटर दौड़ः प्रथम - दिनेश उरांव, द्वितीय - राजेश्वर मुंडा, तृतीय - धीरज कुमार गुप्ता।

अबुआ साथियों के दो दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

बानो। बानो प्रखंड क्षेत्र की बिंतुका, बानो और बेड़ाइरगी पंचायतों में अबुआ साथियों के लिए फिया फाउंडेशन, बानो द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कुल 85 अबुआ साथी उत्साहपूर्वक शामिल हुए।प्रशिक्षण की शुरुआत समूह गीतों और गतिविधियों से हुई, जिससे प्रतिभागियों में आपसी सहयोग और खुली बातचीत का वातावरण बना। प्रशिक्षण में विचार-विमर्श, केस चर्चा और नेतृत्व सत्र आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से प्रतिभागियों ने निर्णय क्षमता, नेतृत्व कौशल और सामाजिक मूल्यों को गहराई से समझा।नेतृत्व सत्र में झारखंड के लोकल नेतृत्वकर्ताओं की कहानियों के माध्यम से यह सिखाया गया कि सच्चा नेतृत्व सहानुभूति, साहस और सामूहिक निर्णय पर आधारित होता है। दूसरे दिन किस्कू मांझी की केस स्टडी पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों ने अपने व्यक्तिगत और सामाजिक दायित्वों पर विचार किया। इसके बाद सभी ने अपने आदर्श ग्राम की कल्पना की और विचार किया कि असली विकास तभी संभव है जब महिलाओं, बच्चों, वृद्धों और दिव्यांगजनों की आकांक्षाएँ पूरी हों।प्रशिक्षण का समापन फीडबैक और आगामी योजना के साथ हुआ। इसमें यह निर्णय लिया गया कि एक माह बाद पुनः बैठक कर वंचित परिवारों की पहचान की जाएगी और "आदर्श ग्राम" के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।इस अवसर पर राज्य स्टेट ट्रेनर जय वर्मा और फिया फाउंडेशन के प्रशिक्षक आशीष झा, सुन्दरजीत, राम मोहन, कुलवंती, मन्दाकिनी, निर्दोष, मुनुरेन एवं बेबी शमी उपस्थित थे। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के लिए फिया फाउंडेशन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

टाटा वर्कर्स यूनियन के बेहिसाब खर्चे पर उठे सवाल

जमशेदपुर। टाटा वर्कर्स यूनियन की फाइनांस कमेटी की मीटिंग में यूनियन के टॉप थ्री अध्यक्ष संजीव चौधरी टुन्नु, महामंत्री सतीश सिंह और डिप्टी प्रेसिडेंट सह फाइनांस कमेटी के चेयरमैन शैलेश सिंह को विरोध का सामना करना पड़ा. इस दौरान बेहिसाब खर्चे पर कड़ी आपत्ति सदस्यों ने जतायी. जिसके बाद तय हुआ कि नये सिरे से फाइनांस कमेटी में एकाउंट को लाया जायेगा और फिर खर्चें की प्रक्रियाओं को बदला जायेगा. इसके बाद फिर से मीटिंग होगी. इस बार एकाउंट को पारित नहीं किया गया. इस मीटिंग में कोषाध्यक्ष आमोद दुबे, यूनियन के वाइस प्रेसिडेंट डॉ शाहनवाज आलम, वाइस प्रेसिडेंट संजय कुमार सिंह, वाइस प्रेसिडेंट संजीव तिवारी, अजय चौधरी, श्याम बाबू मौजूद थे.

शिशु मंदिर में दिवाली के मौके पर भव्य कला प्रदर्शनी व सजावट प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता

बरही। दीपावली के पूर्व भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कला प्रदर्शनी और सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसकी शुरुआत प्रबंधकारिणी समिति के संरक्षक त्रिवेणी साहु, पदेन सदस्य व साहु समाज के मुखिया सुरेश साव तथा प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस प्रतियोगिता में चौथी से दसवीं तक के छात्रों ने तोरण, थाल सज्जा, दीवार भित्तिचित्र और रंगोली के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई. जो विद्यालय परिवार सहित दर्शकों का मन मोह लिया. इस दौरान बच्चो ने अपने सोहराई चित्रों के माध्यम से ग्रामीण जीवन, पशु-पक्षी और प्रकृति तथा मधुबनी चित्रों द्वारा भारतीय संस्कृति व परंपराओं का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया. प्रधानाचार्य श्री पांडेय ने कहा कि इस प्रकार की कला प्रतियोगिताएं छात्रों में रचनात्मकता, एकता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देती हैं. जो बच्चों के कौशल का विकास के लिए आवश्यक है. मुख्य संरक्षक श्री साहु ने अपने गीत के माध्यम से छात्रों का उत्साहवर्धन किया. कार्यक्रम आचार्य मनीष कुमार सिन्हा की देखरेख में आयोजित किया गया जिसे सफल बनाने में सभी आचार्य-आचार्या ने महत्ती जिम्मेवारी निभाई. प्रतियोगिता में कुल 192 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम का समापन पदेन सदस्य श्री साहु के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.

महिला संघ का दो दिवसीय रजत जयंती समारोह और 28वां वार्षिक अधिवेशन का हुआ समापन

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड के लचरागढ़ भिखारिएट काथलिक महिला संघ का दो दिवसीय रजत जयंती समारोह सह 28वां वार्षिक अधिवेशन का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिमडेगा धर्म प्रांत के बी.जी. सह आत्मिक संचालक रेभ. फादर इग्नासियुस टेटे और विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय काथलिक महिला संघ सदस्य अनिता रानी टोप्पो तथा लचरागढ़ पल्ली के पल्ली पुरोहित डीन राजेश केरकेट्टा उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और काथलिक महिला संघ के झंडोत्तोलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में लचरागढ़ भिखारिएट के लचरागढ़, जितुटोली, बरवाडीह, बानो और पबुड़ा पल्ली के महिला संघ के सदस्य शामिल हुए।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।
कमरा नं० 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई-मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com फोन नं० – 0651–3512781

पत्रांक................../ राँची, दिनांक ..../......../2025

शुद्धि–पत्र

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची का पत्रांक –617 दिनांक–25.09.2025 द्वारा PR No.362994 Minor Irrigation(25-26)D दिनांक 27.09.2025 को प्रकाशित निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है:–

क्रमांक	विवरण	पूर्व में अंकित निविदा का तिथि एवं समय	संशोधित निविदा का तिथि एवं समय
1	Date of Publication of e-tender on website	18.10.2025 up to 2:00 pm	03.11.2025 up to 2.00 pm
2	Last date for /time for submission of e- tender BID's	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
3	Last date for online Submission of tender fee and EMD	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
4	Date of opening tender	30.10.2025 at 2:00 Pm	12.11.2025 at 4:00 pm

निविदा की शेष सभी शर्ते पूर्वतः बनी रहेगी।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची।

PR.NO.364481 Minor Irrigation(25-26):D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची
कमरा नं० 302, तृतीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची– 834001
ई–मेल – eemidran-cemr-jhr@nic.in, midranchi2018@gmail.com
फोन नं० – 0651–3512781

पत्रांक................../ राँची, दिनांक ..../......../2025

शुद्धि–पत्र

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, राँची का पत्रांक– 621 दिनांक–25.09.2025 द्वारा PR No.363011 Minor Irrigation(25-26)#D दिनांक 27.09.2025 को प्रकाशित निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है:–

क्रमांक	विवरण	पूर्व में अंकित निविदा का तिथि एवं समय	संशोधित निविदा का तिथि एवं समय
1	Date of Publication of e-tender on website	18.10.2025 up to 2:00 pm	03.11.2025 up to 2.00 pm
2	Last date for /time for submission of e- tender BID's	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
3	Last date for online Submission of tender fee and EMD	25.10.2025 up to 5:00pm	10.11.2025 up to 3:00 pm
4	Date of opening tender	30.10.2025 at 2:00 Pm	12.11.2025 at 4:00 pm

निविदा की शेष सभी शर्ते पूर्वतः बनी रहेगी।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची

PR 364479 (Minor Irrigation)25-26*D

आत्मनिर्भर

इस बार दिवाली में गोबर की नए दीयों से जगमगाएगा घर आंगन

विकसित भारत के संकल्प को मिलेगा बढ़ावा

महिलाएं हो रही हैं आत्मनिर्भर

कोडरमा का सुदूरवर्ती सतगावां प्रखंड जो कभी नक्सलियों का गढ़ हुआ करता था, आज इस क्षेत्र में अवस्थित पहलवान आश्रम में गोबर क्राफ्ट के जरिए अलग-अलग उत्पाद तैयार कर महिला सशक्तिकरण, गौसंरक्षण और पर्यावरण बचाव एक साथ संभव हो रहा है. इन तीनों उद्देश्यों की पूर्ति के साथ यहां विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने का सतत प्रयास किया जा रहा है.

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा । आमतौर पर मिट्टी के दीये और इलेक्ट्रॉनिक दीपक तो आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन गाय के गोबर से भी दीया बन सकता है, यह कम ही लोगों को पता होगा. कोडरमा जिले के सुदूरवर्ती सतगावां प्रखंड के भखरा स्थित पहलवान आश्रम में दीपावली और छठ के मद्देनजर गोबर से दीया और गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति के साथ 15 तरह के उत्पाद तैयार किये जा रहे हैं. गोबर क्राफ्ट के जरिए उत्पाद तैयार कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह गढ़ रही हैं. दीपावली की रोशनी इस बार न केवल घरों को सजाएगी, बल्कि गांव की महिलाओं के जीवन में भी उम्मीदों की लौ जलाएगी. कोडरमा के सतगावां प्रखंड के पहलवान आश्रम में दीपावली को लेकर पारंपरिक, पर्यावरणीय और आत्मनिर्भर भारत की त्रिवेणी एक साथ बह रही है. यहां गोबर क्राफ्ट के जरिए दीये और गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां तैयार की जा रही हैं, जो न केवल इको-फ्रेंडली हैं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की भी मजबूत मिसाल बन रही हैं. उत्पाद तैयार कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने जीवन स्तर में भी बदलाव ला रही हैं. गुजरात के भुज से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष विजय कुमार, नीतू कुमारी और ईशान चंद्र महतो ने गांव की महिलाओं को गोबर से दीया और मूर्ति बनाने की तकनीक सिखाई. यहां दीयों के साथ-साथ गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां, द्वार झालर, शुभ-लाभ, स्वास्तिक चिन्ह, कप धूप, 'शुभ दीपावली' और 'जय छठी मैया' जैसे नेम प्लेट भी तैयार किए जा रहे हैं. गोबर और लकड़ी के बुरादे से बनी इन वस्तुओं को धूप में सुखाकर विभिन्न रंगों से सजाया जाता है जो देखने में काफी आकर्षक लगता है. राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान के सचिव मनोज दांगी ने बताया कि धनतेरस से लेकर छठ की पूरी तैयारी है. उन्होंने ने बताया कि हाल ही में रांची में आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित दीपावली मेले में इन गोबर उत्पादों को विशेष स्थान मिला. राज्य के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इन उत्पादों की खुले दिल से सराहना और खरीदारी की. उन्होंने बताया कि गोबर से बने ये उत्पाद रेडिएशन से बचाव में मददगार होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं.

बन्दी छोड़ दिवस

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

सिख समाज द्वारा दीपावली का त्योहार ' बन्दी छोड़ दिवस ' के रूप में भी मनाया जाता है।मुगल सम्राट जहांगीर द्वारा पाँचवें गुरु अर्जुन देव जी को शहीद करने के बाद छठे गुरु हरगोबिन्द जी ने शास्त्र के साथ शस्त्र भी उठा लिए और अत्याचारों के विरुद्ध लड़ने को लिए जनता को शस्त्र विद्या, घुड़सवारी और युद्ध कला में निपुण होने के लिए प्रेरित करने लगे। जहांगीर को उनसे खतरा महसूस होने लगा तो जहांगीर ने उन्हें ग्वालियर के किले में बंदी बना लिया। वहां पहले से ही 52 हिन्दू राजाओं को कैद कर के रखा गया था जो बाहर आने की उम्मीद छोड़ बैठे थे। गुरु जी को बंदी बनाने के बाद सिख समाज में भारी रोष को देखते हुए जहांगीर ने गुरु जी को रिहा करने का आदेश दिया। गुरु जी ने कहा कि मैं इन राजाओं को लेकर ही बाहर निकलूंगा। जहांगीर ने शर्त रखी कि आपको पकड़ कर जितने राजा निकल पाएंगे वो रिहा कर दिए जाएंगे। गुरु हरगोबिन्द जी ने 52 कलियों वाला बड़ा -सा चोला बनवाया। सभी राजाओं ने उसे सुविधा पूर्वक पकड़ लिया और किले से बाहर आ गए। इस घटना के बाद गुरु जी का नाम बन्दी छोड़ गुरु पड़ गया और गुरु जी की प्रसिद्धि दूर -दूर तक फैल गई। उस दिन लोग दीपावली मना रहे थे और उनकी खुशियाँ चौगुनी हो गईं। अतः सिख समाज इस दिन को 'बन्दी छोड़ दिवस' के रूप में मनाता है। गुरुद्वारों में दीये जलाए जाते हैं। अमृतसर का स्वर्ण मंदिर रोशनी में नहाया हुआ प्रतीत होता है। आतिशबाजी होती है।लंगर, प्रसाद का वितरण होता है। एक हाथ में शस्त्र और दूसरे में शास्त्र रखने वाले गुरु हरगोबिन्द जी संत और योद्धा दोनों रूप में समाज की दशा और दिशा बदलने वाले विराट व्यक्तित्व के स्वामी थे। इसी कारण उन्हें 'मीरी और पीरी' के मालिक भी कहा जाता है। अर्थात धर्म और नीति, शांति और शक्ति के प्रतीक।52 हिन्दू राजाओं को जहांगीर की कैद से मुक्त करवाकर उन्होंने इंसाफ और मानवता की मिसाल प्रस्तुत की।

चलो एक दीप जलाएं

पुष्पा पाण्डेय

दीप जलायी मंदिर परिसर, चढ़े फूल के हार।
माता लक्ष्मी संग विनायक, कर आई सत्कार।
घर का आंगन कोना-कोना, चारो ओर प्रकाश।
आसमान के तारे देखे, एक नया आकाश।।
एक दीप अब चलो जलाएं, हिय कोठारी आज।
जलता रहे अखंड ज्योत यह, रखें इसे हम राज।
अंधकार जो मन में रहता, करें उसे अब दूर।
घी का दीप शूचि गंगा सा, बन जायेगा नूर।।
काम क्रोध सब मिट जाएगा, जले प्रेम का दीप।
बह निकलेगी इक जो धारा, होगी पावन प्रीत।।
महक उठेगा जीवन सबका, फैले खुशबू दूर।
कभी- कभी वाणी भी देती, धाव बने नासूर।।
खुशियों का त्योहार दिवाली, बांटे सबको प्यार।
घर का आंगन हो या मन का, दीपक जले हजार।
कहीं नहीं अब हो अंधेरा, गली- गली अंजोर।
आँधी अरु तूफानों से भी, पड़े नहीं कमजोर।।

चलो एक दीप जलाएं

किरण कुमारी 'वर्तनी'

शुभ बेला लक्ष्मी आती है।
धन वैभव सुख बरसाती है।।
दुःख भगाओ खुशियाँ पाओ।।
दीवाली में दीप जलाओ।।
करो गेह की खूब सफाई।
तनिक रगड़ लो मन का काई।।
पुष्प-पात से द्वार सजाओ।
दीवाली में दीप जलाओ।।
बंद पड़ा वह गेह बुलाता।
चमगादड़ का शोर सुनाता।।
रूठे परदेसी आ जाओ।
दीवाली में दीप जलाओ।।
टूट गई छोटी बातों में।
बस गिन चुन कुछ ही रातों में।
रिश्तों में फिर प्रेम जगाओ।
दीवाली में दीप जलाओ।।

काव्य कोना

पानी

मंगरु गाँव का है, इसलिए पानी की कीमत समझता है , जानता है कि गरीब के पास , पानी ही रहता है सदियों से उसी पानी का सौदा नेता करते रहे हैं , कभी, खेतों के पानी का तो कभी आँखों के पानी का अब उसके गाँव में भी कुछ नेता उभर गए हैं , जो पानी का मोल, नहीं जानते और सिर्फ जीतना जानते हैं ! पहले गाँव में पानी पानी था अब छोटा-बड़ा और न जाने क्या-क्या हो गया है ! मंगरु अब सोचता है खेतों में पानी और आँखों में पानी भूलकर वह भी पानी की राजनीति करे जिसमें सबसे ज्यादा फायदा है !

सुनील बादल

सबसे अच्छी दीपावली

पूनम सिन्हा भावशिखा

शाम के ढूंढलके में मैनी तेजी से अपने झोपड़ी की तरफ बढ़ती जा रही थी, बड़ी-बड़ी इमारतों के बाद बसे, झोपड़ -पट्टी में मैनी की एक खपरैल कच्चे दिवारों वाली झोपड़ी थी, जिनमे वह अपने तीन बच्चों (एक बेटी और दो बेटों) के साथ रहा करती थी। चार घरों में वह घर का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण करती और बच्चों को पढ़ा रही थी, पति आठ साल पहले कलकत्ता नौकरी करने गया तो लौट क़र नहीं आया, सुनने में आया कि उसने किसी बंगालन संग, वहीं नया घर बसा लिया था। पिछले पंद्रह बीस दिनों से वह बंगले नुमा घरों में जहाँ काम करती थी, दिवाली की सफाईकर रही थी, सभी मालकिनों को पूरी घर की सफाई जो करवानी थी। हफ्ते भर पहले जब उसने दिवाली के लिए कुछ एडवांस मांगा तो सबने कहा "पहले सफाई तो करो, बाद में दूंगी। देखते- देखते धनतेरस आ गया! बड़े लोगों के घर, नए कपड़े, बर्तन और जेवर से भर गए। शाम को घर जाने के पहले मैनी ने ज़ब पैसा माँगा तो उन्होंने धनतेरस को पैसा देने से मना कर दिया। मैनी खाली हाथ, दुःखी मन से तेज क़दमों से बढ़ती जा रही थी उसका दिल जोर-जोर से धड़क रहा था और मन आत्मग्लानि से भरा था, पिछले साल भी वह बच्चों को दिवाली पर नए कपड़े नहीं दे पाई थी और इस बार भी वही हाल है, मन में बुरे विचार आ रहे थे, अब बच्चों का सामना कैसे करुँगी! क्या बोल कर समझाऊंगी उन्हें!!

यही सब सोचते हुए उसका घर आ गया पर यह क्या!! वह चौंक गई उसे अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था, आज उसे अपनी झोपड़ी पहचान में नहीं आ रही थी। बच्चों ने मिलजुल कर अपने कच्चे घर को चमका दिया था।

पूरे घर को लीप -पोत क़र चूना क़र दिया गया था फिर उसे टुनी बल्ब से सजाया गया था, घर के सामने मिट्टी का एक घरौंदा बना था जिसे बच्चे पिछले सप्ताह से ही बना रहे थे , उसे भी खूब सजा दिया गया था। घरौंदा के सामने एक राजा घोड़े पर सवार था। इन तैयारियों को देख, मैनी हक्की- बक्की रह गई , और कब घर के अंदर जाकर देखा तो अचानक उसके मुँह से निकल गया, 'हे भगवन ये क्या!' पूरा घर मिठाई, खिलौना और कपड़ों से भरा हुआ था इन बच्चों ने कोई गलत काम तो नहीं किया! किसी से कर्जा तो नहीं ली! हे ईश्वर! इन्हे क्षमा करना, ये भोले हैं! जरूर इनकी संगत बुरी हो गई है! क्या मेरी तपस्या का यही पुरस्कार है!! सोचते हुए उसकी आँखों से आंसुओं का सैलाब फूट पड़ा। यह देख उसकी बड़ी बेटी जो अभी दसवीं की क्षात्रा थी मुस्कुराने लगी, वह बोली,, "माँ मुझे तुम्हारी मनः स्थिति का आभास हो रहा है, "तुम बिल्कुल चिंता ना करो ये सब हमने अपनी मेहनत से कमाया है। तुम्हारे दोनों बेटे स्कूल के बाद चार घंटे किताब की दुकान पर काम करते हैं और मैं शाम में छोटे बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती हूँ।

मैनी चुप-चाप उसकी बातें सुन रही थी जिनमे पूरा आत्मविश्वास भरा हुआ था। तभी उसके दोनों बेटे हाथ में एक खूबसूरत छिंट की सूती साड़ी लेकर आए और माँ के हाथ पर रख दिया " माँ ये तुम्हारे लिए " ये कहते हुए उन्होंने माँ के पैरों को छू लिया, मैनी का दिल गद- गद हो गया। " खुश रहो मेरे बच्चों! खूब आगे बढ़ो! तुम तीनो ने आज मेरा सर गर्व से ऊँचा क़र दिया! मैं तो धन्य हो गई!, आज की दिवाली मेरी जिंदगी की सबसे अच्छी दिवाली है!!''

सब बच्चे मां से लिपट गए और मिल-जुल कर पूजा की तैयारी में जुट गए।

उधार के आँसू

रन्दी सत्यनारायण राव

लक्ष्मी जैसे ही सड़क पार कर फुटपाथ पर आई, उसकी नजरें सामने बेतहास चीखते, करुणा - क्रंदन करते हुए दो लड़कियों तथा एक लड़के पर, स्थिर हो गई। वे लगभग पाँच, सात और बारह वर्ष के रहे होंगे। अपने शरीर पर मैले-कुचैले कपड़े लपेटे वे भीख मांग रहे थे। उनके समीप ही अर्ध-नग्न एक मृत - काया पड़ी हुई थी। कदाचित वे उसी के निमित्त भीख मांग रहे थे, लक्ष्मी ठिठक कर रुक गई। उसने बारह वर्षीय बालक को अपने निकट बुलाया और अपने पर्स से एक सौ रुपये का नोट निकाल कर उसकी मैली हथेली पर रख दिया। बालक कुछ देर तक अपने दाता को अपलक देखता रहा , उस सौ रूपये के नोट को भारी मन से वापस करते हुए कहने लगा - 'लीजिए बहन जी' मेरे पास इसके 95 रूपये नहीं है।' क्या मतलब ... ? 'लक्ष्मी की आँखें आश्चर्य से फैल गई जवाब में बालक ने कतारों में सजी-संवरी दूल्हन - सी लगने वाली दुकानों की ओर इशारा कर कहा - ये सब लोग मेरे पिताजी के कफन के लिए पैसे माँगने पर हम भाई – बहनों को कुत्तों की तरह दुत्कार देते और कहते हैं 'जा ... जा हरामी के पिल्लों - चोरी कर... भीख क्यों मांगते हो' और फिर कोई देता भी है तो दस रुपये का नोट देकर कहता है – 'सुन ...रे, इस में से तू एक रुपया लेकर बाकी के 9 रूपये वापस कर, वर्ना फूट।' और वह बालक अपनी बात पूरी न कर सका, उसका गला अवरुद्ध हो गया था। 'नहीं भैय्या' यह सौ का नोट तुम रख लो, मैं खुदरे पैसे नहीं मांगती। लक्ष्मी इन्हीं शब्दों के साथ बालक को यूँ ही आश्चर्यचकित छोड़ वहाँ से चल पड़ी, लेकिन उसने अनुभव किया, बालक की आँखों में तैरते हुए आँसुओं की कुछ बूदें वह स्वयं अपनी आँखों में उधार ले आई है।

अति गुणकारी तुलसी

सविता गुप्ता

ये सर्वविदित है कि तुलसी पौधे को हिन्दु संस्कृति में अतिपूजनीय पौधा माना जाता है। कहा जाता है कि जिस घर में तुलसी पौधा होता है ,वहाँ का वातावरण शुद्ध और रोग मुक्त रहता है। तुलसी पत्ते का पेय अति लाभकारी होता है। तुलसी से जुड़ी कई पौराणिक कथाएँ भी प्रचलित है। वृंदा नामक कन्या जो अपने पति के कटे सर के साथ सति हुई थी। उसी राख में एक पौधा उत्पन्न हुआ,जिसे विष्णु जी ने तुलसी का नाम दिया। विष्णु भगवान ने यह वरदान दिया कि हर शुभ कार्य में पहले तुलसी पत्ते का भोग ग्रहण करने के पश्चात ही कुछ स्वीकार करूँगा। कार्तिक मास के एकादशी के दिन चार मास निद्रा के पश्चात् विष्णु जी जागते हैं जिसे देव उठनी, देवोत्थान भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिवस को तुलसी पौधा के साथ शिला रूपी विष्णु जी जिसे शालिग्राम कहा जाता है का विवाह किया जाता है। बिहार, झारखंड,उत्तर प्रदेश और कई क्षेत्रों में कार्तिक महीने में देव उठनी के दिन सृष्टिकर्ता भगवान विष्णु जी चार माह के योग निद्रा के पश्चात जागते हैं।इस उपलक्ष्य पर महिलाएँ धूम धाम से विष्णु जी और माता तुलसी का विवाह करती हैं। तुलसी पौधे को लाल चुनरी, श्रृंगार की वस्तुओं से सजा कर भोग अर्पित कर धूप दीप से पूजन किया जाता है। जहाँ तुलसी के विषय में कई पौराणिक कथाएँ प्रचलित है, वहीं तुलसी का पौधा बहुउपयोगी भी है, ये मथुरा के पास जैतपुर गाँव के लोगों ने सिद्ध कर दिया है। इस गाँव के किसानों ने तुलसी की खेती को अपना कर अपना काया कल्प कर लिया। इसके पहले जैत पुर गांव के किसानों की हालत यह थी कि उन्हें दो जून की रोटी भी नसीब नहीं होती थी। अब इस गाँव के हर घर में तुलसी के मनके ओर माला बनाने का काम होता है। तुलसी के जड़, तने, फूल, पत्ते अर्थात् तुलसी पौधे का हर अंग उनके जीविकोर्पाजन का साधन है। यहाँ तुलसी पौधे की खेती, एक कुटीर उद्योग के रूप में फल फूल रहा है। तुलसी के औषधिय गुण ने यहाँ के हर घर की तकदीर बदल दी है। सुबह होते ही इस गाँव के बच्चे, युवा, बुजुर्ग, महिलाएँ सभी तुलसी के तने को छिलकर, तराशकर मनके से माला बनाने लग जाते हैं। संजीवनी बुटी की तरह तुलसी की खेती कर जैत पुर गाँव के किसानों ने अपने समय चक्र को बदलने की मिशाल पेश किया है। अतः मंगल दायी तुलसी पौधा पूजनीय तो है ही साथ ही यह जीविकोपार्जन में भी मददगार होता है।

हे छठी मैया

रुणा रश्मि 'दीप्त'

दीपक मृदा से है बना, यह बाँस निर्मित सूप है, महिमा अनोखी पर्व की, छठ का निराला रूप है।
फल फूल से भरपूर है, यह सूप मैया जिस तरह, सौभाग्य भी भरपूर हो, माता! सभी का इस तरह।
दो शक्ति छठ मैया हमें, व्रत है कठिन यह निर्जला, संकल्प दृढ़ ले व्रत किया, जिसने, उसे ही फल मिला।
जल में खड़े हैं सब, करें, आदित्य की आराधना।
सुन लो दिवाकर! अब करो, तुम पूर्ण सबकी कामना।
सब अर्घ्य अर्पित भी करें, तुमको!
उदित या अस्त हो।
भूलें नहीं करना नमन, रवि को, भले ही व्यस्त हों।
दर्शन मिले दिनकर तुम्हारा सब व्रती जल में खड़ी।
दे अर्घ्य लें आशीष तुमसे शक्ति तुम में है बड़ी।
तुमसे मिली उर्जा हमें, तुम ही जगत आधार हो।
भू पर उजाला कर बने, भू-वासियों का प्यार हो।
सौहार्द्र है सबके दिलों में अब न कोई क्लेश है,
यह पर्व पावन, स्वच्छता का दे रहा संदेश है।

दीपावली : सुख, समृद्धि व प्रकाश का पर्व

चारुमित्रा

दीपावली का त्योहार भारत का सबसे पावन और उल्लासमय पर्व है। यह केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य, वैभव और लक्ष्मी-आगमन का उत्सव है। मां लक्ष्मी को धन, सौभाग्य और समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। दीपावली का उत्सव धनतेरस से आरंभ होता है। मान्यता है कि इसी दिन सागर मंथन से देवी लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था। वे कमल के आसन पर विराजमान थीं, हाथों में कमल धारण किए हुए। उनके साथ शंख, गोमती चक्र, कौड़ी, गूंजा आदि अनेक पवित्र वस्तुएं भी प्रकट हुईं। इसी दिन भगवान कुबेर का भी उद्भव हुआ। जब मां लक्ष्मी को देवताओं और दानवों में से किसी एक को चुनना था, तो उन्होंने देवताओं को अपना पक्ष चुना और भगवान विष्णु को अपना पति स्वीकार किया। इसीलिए दीपावली की अमावस्या की रात्रि को मां लक्ष्मी की विशेष पूजा का विधान है। इस दिन मां लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश की पूजा भी की जाती है, ताकि जीवन की सभी बाधाएँ दूर हों और प्राप्त धन शुभ कार्यों में लगे। साथ ही मां सरस्वती की भी पूजा होती है, क्योंकि बिना ज्ञान और वाणी की अधिष्ठात्री देवी के किसी भी स्तुति या आराधना की पूर्णता नहीं मानी जाती। मां लक्ष्मी वहीं निवास करती हैं जहाँ साफ़-सफाई, सद्बुद्धि और पवित्रता होती है। इसीलिए दीपावली पर घर, तन और मन—तीनों की स्वच्छता आवश्यक मानी जाती है। मां लक्ष्मी का संबंध समुद्र से है, इसलिए उन्हें समुद्र की वस्तुएं अत्यंत प्रिय हैं। उनमें सबसे प्रमुख है शंख, जिसे मां लक्ष्मी का भाई माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि दक्षिणावर्ती शंख की पूजा करके उसे लाल कपड़े में सिंदूर या अक्षत के साथ बांधकर तिजोरी में रखने से मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

इसी प्रकार कौड़ी, गोमती चक्र, गूंजा, मंजीठ, लाल मूंग, सुपाड़ी, धनिया के बीज, कमल गट्टा और हल्दी की गांठ भी मां को अर्पित करने योग्य वस्तुएँ हैं। दीपावली की रात्रि में इनकी पूजा कर अगले दिन इन्हें कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखना शुभ माना गया है। मां लक्ष्मी को कमल पुष्प अत्यंत प्रिय है। इसलिए घर के मुख्य द्वार को कमल के फूलों से सजाना और पूजा में कमल अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। पूजन के समय देवी लक्ष्मी की आराधना श्रृंगारयुक्त स्वरूप में, नए वस्त्रों और सोने-चाँदी के आभूषणों से सुसज्जित होकर करनी चाहिए। घर में सुगंधित वातावरण होना चाहिए और स्वयं पर भी इत्र का प्रयोग शुभ माना गया है। दीपावली वास्तव में दीपों का पर्व है। यह केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। तेल के दीये जलाने से वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अतः इस दिन इलेक्ट्रॉनिक लाइटों और मोमबत्तियों की बजाय तेल के दीये जलाना अधिक मंगलकारी है। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए सोलह घी के दीये जलाने का विधान है, जिनमें प्रत्येक में कमल गट्टा डालना चाहिए। धनतेरस के दिन ऐसे वस्त्र, बर्तन, सोना-चांदी या कोई शुभ वस्तु खरीदनी चाहिए, जिससे धन, स्वास्थ्य और आरोग्य की वृद्धि हो। दीपावली हमें सिखाती है कि जैसे दीपक अंधकार को मिटाता है, वैसे ही हमें अपने भीतर के अज्ञान, आलस्य और असत्य के अंधकार को मिटाकर सद्बुद्धि, स्वच्छता और सत्य का प्रकाश फैलाना चाहिए।

संयोजक : नरेश अग्रवाल

मिलावट

रंजना वर्मा उन्मुक

रामेश्वर की पूरी दुकान मिठाइयों से भरी हुई थी। साल भर में जितनी मिठाइयाँ उसकी बिकती थी ,उससे ज्यादा दिवाली में बिक जाती थी। इस बार उसकी तैयारी जबरदस्त थी। " रामेश्वर भाई ,पाँच किलो मिठाई मेरे लिए रखवा दीजिएगा। मैं शाम में ले जाऊँगा ।"... उनके पड़ोसी बोल रहा था। " जरूर... जरूर।"... रामेश्वर मगन होकर अपनी दुकान को निहार रहा था ।

तभी उसकी छोटी बेटी दौड़ते हुए उसके पास आई। " पिताजी ,जल्दी घर चलिए। भाई की तबीयत बहुत खराब है। उसे बहुत उल्टी-दस्त हो रहा है।"

रामेश्वर दौड़ते हुए अपने घर पहुंचा। इसने क्या खाया था ?"...वह अपनी पत्नी से पूछ रहा था। "मैंने आपकी दुकान वाली मिठाई प्रसाद में चढ़ाया था। उसने बस उसे ही खाया था।"

" शुद्ध खाने वाली मिठाई मैं घर पर ही रखता हूँ। दुकान वाली मिठाई नहीं खानी है, यह बात मैं तुम लोगों को कितनी बार कह चुका हूँ। पता नहीं तुमसे ऐसी गलती कैसे हो जाती है?"...रामेश्वर ने गुस्से बोला। बेटी पिता की बात सुन रही थी। वह बोल उठी,"माँ से तो यह गलती अनजाने में हुई है। लेकिन आप क्यों जानबूझकर ऐसी गलती कर रहे हैं?"

काश ऐसा होता!!

रश्मि सिंह

पूजी जा रहीं आज
घर घर बेटियाँ
अलता महावर बिंदिया से सजी
मुस्कुराती बेटियाँ
कितना सुकून भरा दृश्य है न
तो क्या हम आश्वस्त हो लें ?
कि कल भी यही मुस्कान
रहेगी उसके मुखड़े पर
कि वो निर्भीक घूम पाएगी सखियों संग
कि वो कल से स्कूल जा सकेगी भाई की तरह
कि देर हुआ तनिक तो शिकन न होगी माथे पर
कि सशंकित न होंगी नजरें उसकी तरफ
कि अब बंद हो जाएगा कोख में उसका मरना
कि अब नहीं सुनाई देगी कहीं से बलात्कार की खबरें
काश ऐसा होता !!!
ऐसा होता तो बेटी बस बेटी ही होती
न देवी बनाई जाती न पूजी सजाई जाती
वह जो चाहती उसे पाती
अनंत होता उसके सपनों का विस्तार
काश ऐसा होता!!!

बचपन की यादें

पद्मा मिश्रा

बचपन की यादें नन्हीं गौरैयों सी -
उतर आती हैं -चुपके चुपके ,
मन के आँगन में ।
चुगती हैं आंसुओं का आना ,
कुछ अपनी कहती हैं -,कुछ मेरी सुनती हैं ,
उम्र भर संजोयी गई यादों का पिटारा ,
मै उन्हें सौंपती हूँ-और वे मुझे ।
अब तो बिटिया की आँखों का काजल,
माँ के दिठौने की याद दिलाता है ,
बन संवर कर स्कूल जाती लड़कियों में -
तलाशती हूँ -दो चोटी वाली ,वह छोटी सी लड़की,
जो चुपचाप- गुमसुम सी ,
छोटे छोटे क़दमों सेतय करती है -
उलझती जाती पगडण्डी ।
कभी मकर संक्रांति पर ,
तिल्कुटों की भीड़ में -खोजती हूँ,
वह गंवई स्वाद वाली रेवड़ी और गजक ,
जिनका स्वाद घुलने महकने लगता है यादों में
नन्ही गौरैया मुंडेर पर बैठ ,
मेरी बिछुड़ी सहेलियों की बातें सुना जाती है।
सहेलियों संग रचाई -गुडिया की शादी ,
डालडा के डिब्बों को पीट पीट -
बजी शहनाई -बहुत याद आती है,
कभी मेरी किसी छोटी सी जिद पर ,
मूंगफलियों से भर दी जाती ,
मेरी हथेलियों से छीनकर -
भाग जाता कोई नन्हा सा हाथ,-
मै भींग भींग जाती हु अंतरसे,
यादों की यह नन्ही सी गौरैया,
मेरी मेहमान हैं --ये आंगन मेरे मन का है,
और यादें बचपन की।

एक दीप मैं जलाऊं

दिलीप कुमार

कब तलक दूर रहोगे, कि जरा पास आओ।
एक दीप मैं जलाऊं, कि एक तुम जलाओ।।
नफ़रत को भूलकर तुम, स्नेह से गले मिलो।
खिलता है फूल जैसे, वैसे तुम भी खिलो।।
बीती बातों को छोड़, कि गीत नया गाओ।
एक दीप मैं जलाऊं, कि एक तुम जलाओ।।
खुशियों भरा आँगन हो, अपनो का साथ हो।
रौशनी से जगमग घर, हाथों में हाथ हो।।
प्रीत की रीत चलाकर, अब सपने सजाओ।।
एक दीप मैं जलाऊं, कि एक तुम जलाओ।।
घर घर विराजें गणपति, लक्ष्मी निवास करें।
वैर - भाव भूल कर सब, जग में प्रकाश भरें।।
लौ जलाने को 'दिलीप', दीप खुद बन जाओ।
एक दीप मैं जलाऊं, कि एक तुम जलाओ।।
कब तलक दूर रहोगे, कि जरा पास आओ।
एक दीप मैं जलाऊं, कि एक तुम जलाओ।।

आज का दोहा

(1)
बहुत पुराना हो गया, 'वाहन'अब बेकार।
लक्ष्मी जी भी आ गयीं, खुद वाहन बाजार।।
(2)
लक्ष्मी जी बाजार में, ले उधार का रूप।
घर घर में दौड़ी फिरें, ले विकास की धूप।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

सक्षम जीवनसाथी को गुजारा भत्ता नहीं दिया जा सकता : हाईकोर्ट

एलिमनी न्याय का एक जरिया, न कि लोगों को अमीर बनाने का साधन

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा- आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सक्षम जीवनसाथी को गुजारा भत्ता (एलिमनी) नहीं दिया सकता। स्थायी गुजारा भत्ता सामाजिक न्याय का एक जरिया (टूल) है। सक्षम लोगों को अमीर बनाने या उनकी आर्थिक बराबरी करने का साधन नहीं है। जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की डिवीजन बेंच ने कहा- गुजारा भत्ता मांगने वाले को यह साबित करना होगा कि उसे वास्तव में आर्थिक मदद की जरूरत है। इस मामले में पत्नी रेलवे में ग्रुप एक अधिकारी हैं। पर्याप्त पैसा कमाती हैं। हाईकोर्ट ने ये बातें एक महिला की स्थायी गुजारा भत्ता की मांग को खारिज करते हुए कही। दरअसल, महिला ने पति को क्रूरता के आधार पर तलाक दिया गया था, फिर मामले में फैमिली कोर्ट ने आदेश में पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता देने से मना किया गया था।

अब पूरा मामला समझिए...

दरअसल, पति पेशे से वकील और पत्नी रेलवे की अधिकारी हैं। दोनों की यह दूसरी शादी थी। जनवरी 2010 में शादी की और 14 महीनों बाद अलग हो गए थे। पति ने पत्नी पर मानसिक और शारीरिक क्रूरता, गाली-गलौज, अपमानजनक टेक्स्ट मैसेज भेजने और सोशल गैदरिंग में अपमान करने का आरोप लगाया था। हालांकि, पत्नी ने इन आरोपों से इनकार करते हुए पति पर ही क्रूरता का आरोप लगाया था। फैमिली कोर्ट में शादी को खत्म करने पर फैसला हुआ। पत्नी ने तलाक के लिए 50 लाख रुपए की मांग की थी। अब मामले में हाईकोर्ट ने पाया कि फैमिली कोर्ट का यह निष्कर्ष कि पत्नी की मांग में आर्थिक दृष्टिकोण था, सही और तर्कसंगत था। कोर्ट ने यह भी कहा कि पत्नी ने पति और उनके माता-पिता के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जो मानसिक क्रूरता के बराबर था। अंत में हाईकोर्ट ने स्थायी गुजारा भत्ता देने से इनकार किया।

हिंदू विवाह एक्ट के तहत न्यायिक विवेक का इस्तेमाल तब नहीं किया जा सकता, जब आवेदक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र हो।

दिल्ली हाईकोर्ट गुजारा भत्ता मामले में

अमित शाह बोले- महागठबंधन में न सीटें तय न नेता, राहुल गांधी वोट चोरी पर अब चुप क्यों

बिहार की सत्ता का फैसला घुसपैठिए नहीं करेंगे...

एजेंसी । नई दिल्ली/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि महागठबंधन में न सीटें तय हैं और न नेता है। बिहार की जनता राहुल को भूल चुकी है। ईसी के एसआईआर के फैसले का भाजपा स्वागत करती है। पूरे देश में एसआईआर होना चाहिए। राहुल एसआईआर पर अब चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि देश में घुसपैठिए कैसे वोट दे सकते हैं। बिहार की सत्ता का फैसला विदेशी नागरिक करेंगे क्या? ऐसे लोगों को चुन-चुनकर देश से बाहर करेंगे। बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। एनडीए में कोई मतभेद नहीं है। निजी चैनल के कार्यक्रम में पहुंचे शाह ने कहा कि आरजेडी ध्रुवीकरण कर रही है। हम नहीं कर हैं। बिहार में पहले जंगलराज था। अगले 10 साल में बिहार बाढ़ मुक्त हो जाएगा। वहीं, बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 121 सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया 17 अक्टूबर को पूरी हो गई। मतदान 6 नवंबर को होगा। चुनाव में सिर्फ 20 दिन का समय बचा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फर्स्ट फेज की वोटिंग से पहले बिहार में 12 सभाएं करेंगे। वे 23 अक्टूबर को सासाराम, गया और भागलपुर जाएंगे। 28 अक्टूबर को दरभंगा, मुजफ्फरपुर और पटना में रैली करेंगे। प्रधानमंत्री का तीसरा दौरा 1 नवंबर को छपरा, पूर्वी चंपारण और समस्तीपुर में होगा। 3 नवंबर को पश्चिम चंपारण, सहरसा और अररिया के फारबिसगंज में रैली करेंगे।

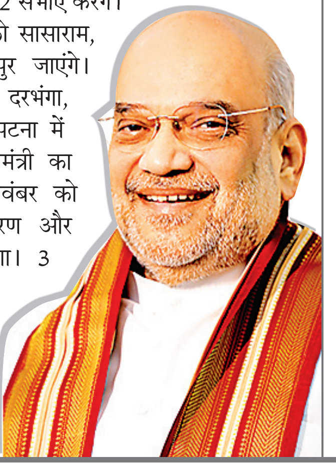

बिहार में ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहे हैं : चिराग पासवान

पटना । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने दावा किया है कि बिहार में एनडीए ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहा है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने एनडीए की एकजुटता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन की ताकत इसकी एकता और सहयोग में निहित है। हम एक-दूसरे का हाथ थामकर गठबंधन को मजबूत कर रहे हैं और एक ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य उस विकसित बिहार का निर्माण करना है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने में सबसे विकसित राज्य के रूप में उभरे। बिहार को प्राथमिकता देते हुए पीएम 11 बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह के साथ मुलाकात में हमने चर्चा की कि चुनाव प्रचार को और मजबूत कर हर सीट पर जीत कैसे सुनिश्चित की जाए। चिराग पासवान ने विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां सिर फुटव्वल की स्थिति है। महागठबंधन में एक-दूसरे के प्रत्याशियों के खिलाफ नामांकन हो रहे हैं, जबकि एनडीए में पूरी एकजुटता है। हमारे सभी 243 उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकृत हो चुके हैं और नामों को लेकर कोई भ्रम नहीं है। हमने अपने सभी पांच सहयोगी दलों का सम्मान करते हुए सुचारू रूप से बातचीत पूरी की है। उन्होंने कहा कि एनडीए बिहार में विकास के एजेंडे को लेकर जनता के बीच जा रही है, जिससे बिहार का भविष्य उज्ज्वल होगा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त करना अत्यंत आवश्यक है। विकसित भारत के साथ-साथ नक्सल मुक्त भारत का लक्ष्य भी हमारी प्राथमिकता है। यह लक्ष्य 2026 तक पूरी तरह हासिल हो जाएगा।

बिहार में बनेगी एनडीए की सरकार, नीतीश कुमार बनेंगे मुख्यमंत्री : विजयवर्गीय

इंदौर । धनतेरस के अवसर पर मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में अपनी पुस्तैनी किराना दुकान पर बैठकर पारंपरिक रूप से व्यापार किया। हर वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने ग्राहकों का स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने कहा, "मैं सालभर में केवल धनतेरस के दिन ही अपनी पुस्तैनी दुकान पर बैठता हूं और व्यापार करता हूं। यह हमारे परिवार की वर्षों पुरानी परंपरा है, जिसे मैं आज भी निभा रहा हूं। उन्होंने बिहार चुनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए एनडीए की सरकार बनने पर विश्वास जताया। विजयवर्गीय ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कहा, "बिहार में निश्चित रूप से एनडीए की सरकार बनेगी और एक बार फिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकास के एजेंडे पर भरोसा करती है।

इंडी अलायंस के पास विकास का कोई भी विजन साफ नहीं है : नायब सैनी

पटना । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिहार में एनडीए की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में कुछ भी ठोस नहीं है और जनता उनकी सच्चाई से वाकिफ है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान सैनी ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेता कुछ राज्यों में झूठ बोलकर सत्ता हासिल करने में कामयाब रहे, लेकिन जनता उनके कार्यों को स्वार्थी मानती है। बिहार में इंडी अलायंस के शासन में विकास का अभाव था, जंगलराज था और गुंडागर्दी के कारण लोग भय में जीते थे। शाम पांच बजे के बाद लोग घरों से नहीं निकलते थे। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं और बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी थी। सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की उपलब्धियों को गिनाया।

महागठबंधन में फूट! बिहार चुनाव से राहुल गांधी क्यों दूर? केशव मौर्य का बड़ा सवाल

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह विदेश यात्रा कर रहे हैं, देश का दौरा कर रहे हैं, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार नहीं आ रहे हैं। तेजस्वी यादव अपने गठबंधन सहयोगी का अपमान कर रहे हैं। इसलिए जो कुछ भी हो रहा है, मेरा मानना है कि यह बिहार के लिए अच्छा है। जो लोग उन्हें 20, 25 सीटें देते, शायद अब वे उसके लिए भी तरसेंगे। इससे पहले आज, चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने शनिवार को तेजस्वी यादव को बिहार के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने की खबरों को लेकर महागठबंधन पर हमला बोला और कहा कि गठबंधन ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है।

जम्मू-कश्मीर उपराज्यपाल ने रूस के बौद्ध मठ का किया दर्शन

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को रूस के कलमीकिया स्थित एलिस्टा स्थित बौद्ध मठ में मत्था टेका। इसे गेडेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ के नाम से भी जाना जाता है। उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "भारत से लाए गए और एलिस्टा के मुख्य बौद्ध मठ, जिसे गेडेन शेडुप चोइकोरलिंग मठ के नाम से जाना जाता है, में स्थापित भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को नमन किया। मैं भगवान बुद्ध से प्रार्थना करता हूं कि वे हम सभी को आशीर्वाद दें और लोगों के बीच आध्यात्मिक बंधन को मजबूत करें। मनोज सिन्हा रूस के कलमीकिया की एक सप्ताह की यात्रा पर हैं। उपराज्यपाल एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं जिसे एक सप्ताह की प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाने का काम सौंपा गया है। इस अवसर के लिए आभार व्यक्त करते हुए, उपराज्यपाल सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए धन्यवाद दिया।

दिल्ली में सांसदों के लिए बने अपार्टमेंट में लगी भीषण आग

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के बीडी रोड पर मौजूद सांसदों के लिए बने ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में शनिवार दोपहर आग लग गई। यहां पर कई राज्यसभा सांसदों और उनके स्टाफ के घर (फ्लैट) हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि फायर बिग्रेड को तुरंत ही आग लगने की जानकारी दी गई थी, इसके बावजूद टीम ने आने में देरी की। वहीं, घटना पर दिल्ली फायर सर्विसेज के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर करीब 1.22 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद फायर बिग्रेड की 6 गाड़ियों को मौके पर भेजी गईं। आग बुझाई जा रही है। घटना का जो वीडियो सामने आए हैं उनमें नजर आ रहा है कि लोग यहां से वहां दौड़ रहे हैं।

यहां कई एमपी और उनके स्टाफ के फ्लैट, लोग बोले- फायर बिग्रेड देरी से पहुंची

आज का राशिफल

मेष : गणेशजी कहते हैं कि इस सप्ताह आपका ध्यान अपने करियर और पेशेवर जीवन पर रहेगा। आपको अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए अपने सहकर्मियों और वरिष्ठों से मान्यता और प्रशंसा मिल सकती है।

वृष : गणेशजी कहते हैं कि आपको अवसरों और विकास के एक सप्ताह के लिए तैयार रहना चाहिए! इस सप्ताह का राशिफल संकेत दे रहा है कि आपकी कड़ी मेहनत और लगन रंग लाएगी और आप अपने करियर या निजी जीवन में प्रगति देख सकते हैं।

मिथुन : गणेशजी कहते हैं कि इस सप्ताह आप खुद को उच्च ऊर्जा और उत्साह की स्थिति में पाएंगे, जो विकास और प्रगति के कई अवसर लाएगा। आप प्रभावी ढंग से संवाद करने और अपने विचारों को आत्मविश्वास के साथ व्यक्त करने में सक्षम होंगे, जो आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

कर्क : गणेशजी कहते हैं कि सितारे इस सप्ताह आपके लिए भावनात्मक विकास और आत्म-खोज की सलाह देते हैं। आप इस सप्ताह अपनी भावनाओं को समझने की कोशिश कर सकते हैं और अपने बारे में नई सच्चाइयों को उजागर करने के लिए प्रेरित महसूस कर सकते हैं।

सिंह : गणेशजी कहते हैं कि आप आत्मविश्वास महसूस करेंगे और अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे। अपने पेशेवर जीवन में, आप अपने लक्ष्यों की ओर प्रगति करने में सक्षम होंगे और आपको अपनी कड़ी मेहनत के लिए मान्यता मिल सकती है।

कन्या : गणेशजी कहते हैं कि यह समय आपके विश्लेषणात्मक कौशल और विस्तार पर ध्यान देने और आपके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने का है। चाहे वह आपके करियर, प्रेम जीवन या व्यक्तिगत विकास में हो, यह सप्ताह आपके लक्ष्यों की ओर प्रगति करने के बारे में है।

तुला गणेशजी कहते हैं कि यह सप्ताह आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में कुछ रोमांचक लेकर आएगा। आपको कुछ अप्रत्याशित समाचार या अवसर मिल सकते हैं जो आपके करियर में बड़ी सफलता ला सकते हैं।

वृश्चिक गणेशजी कहते हैं कि यह सप्ताह आश्चर्य और रोमांचक घटनाओं से भरा है। आपको अप्रत्याशित समाचार या अवसर प्राप्त हो सकते हैं जो आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सफलता ला सकते हैं।

धनु गणेशजी कहते हैं कि इस सप्ताह की शुरुआत कई नई चीजों से हो सकती है। ग्रहों का गोचर एक रोमांचक अवसर या आशावाद और सकारात्मकता की भावना ला सकता है। आपको केवल उतना ही काम करना चाहिए जितना आप संभाल सकते हैं।

मकर : गणेशजी कहते हैं कि यह सप्ताह संभावनाओं से भरा है। सितारे आपके लक्ष्यों को प्राप्त करने और नई ऊंचाइयों तक पहुँचने में आपकी मदद करने के लिए संरेखित हैं। आपको किसी भी समय अप्रत्याशित समाचार या अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

कुंभ : गणेशजी कहते हैं कि इस सप्ताह आपमें रचनात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हो सकता है, जो आपको किसी भी लंबित परियोजना को आसानी से निपटाने में मदद कर सकता है। अपने विचारों को आत्मविश्वास के साथ अपका मनोबल भी ऊंचा रहेगा।

मीन : गणेशजी कहते हैं कि यह सप्ताह आपको अपनी गहरी प्रवृत्ति का उपयोग करने और अपनी पूरी क्षमता को उजागर करने का अवसर प्रदान करता है। अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति पर भरोसा करें और इसे सफलता की ओर ले जाने दें।

गोरखा मुद्दों पर बातचीत के लिए मध्यस्थ की नियुक्ति से सीएम ममता बनर्जी नाराज

पीएम को लिखा पत्र

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार के हालिया फैसले पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा है दार्जिलिंग हिल्स, तराई और डुआर्स क्षेत्र में गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बातचीत के लिए केंद्र द्वारा एक 'मध्यस्थ' की नियुक्ति राज्य सरकार से परामर्श के बिना की गई है, जो संघीय सहयोग की भावना के विपरीत है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा, "मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने पंकज कुमार सिंह, आईपीएस (सेवानिवृत्त) को गोरखा मुद्दों पर बातचीत के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया है। यह निर्णय पश्चिम बंगाल सरकार से किसी भी प्रकार की चर्चा या परामर्श किए बिना लिया गया है, जबकि यह पूरा मामला राज्य प्रशासन, शांति और दार्जिलिंग की गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) के सुशासन से सीधे तौर पर जुड़ा है। ममता बनर्जी ने पत्र में यह भी याद दिलाया कि गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) की स्थापना 18 जुलाई 2011 को दार्जिलिंग में हुए त्रिपक्षीय समझौते के बाद हुई थी, जिसमें भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) के बीच समझौता हुआ था।

समृद्धि महामार्ग पर भीषण हादसा, 3 की मौत 3 गंभीर रूप से घायल

वाशिम । महाराष्ट्र के वाशिम जिले में समृद्धि महामार्ग पर जऊलका पुलिस स्टेशन के अंतर्गत डव्हा के पास शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में म्यांमार के तीन नागरिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुई इनोवा कार मुंबई से ओडिशा के जगन्नाथ पुरी दर्शन के लिए जा रही थी। कार में सवार सभी लोग म्यांमार के निवासी थे। रात के समय तेज रफ्तार के कारण चालक का कार पर नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क के डिवाइडर से जा टकराई।

अधिक संरक्षणवादी होती दुनिया में भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता सकारात्मक संकेत देता है: सुनक

तेज़ी से संरक्षणवादी होती दुनिया में यह व्यापार समझौता एक सकारात्मक संकेत देता है

एजेंसी । नई दिल्ली

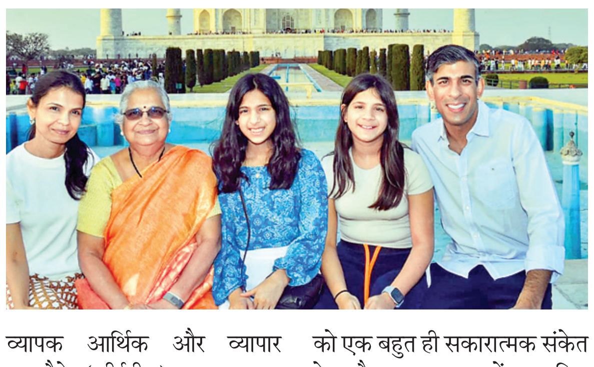

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को कहा कि अधिक संरक्षणवादी होती जा रही दुनिया में भारत और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना दुनिया को बहुत सकारात्मक संकेत देता है। सुनक ने 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' में आयोजित एक संवाद सत्र में यह भी कहा कि हाल में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होते देखना बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा, ''इस पर मैंने काम करना शुरू किया था, और मुझे खुशी है कि नई सरकार ने इसे पूरा किया। जुलाई में, भारत और ब्रिटेन ने एक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते, व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए, जो उनकी दीर्घकालिक साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सत्र के दौरान, सुनक से व्यापार समझौते और भारत-ब्रिटेन संबंधों के आगे के रास्ते के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, एक ऐसी दुनिया में जो तेज़ी से संरक्षणवादी होती जा रही है, भारत और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना दुनिया को एक बहुत ही सकारात्मक संकेत देता है। यह व्यवसायों, नागरिक समाज, सांस्कृतिक संगठनों (और) शैक्षणिक संस्थानों को बताता है कि यह रिश्ता मायने रखता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि दोनों देश इतिहास, संस्कृति, परिवारों और तेज़ी से आर्थिक संबंधों से भी अटूट रूप से जुड़े हुए हैं। ब्रिटिश नेता ने कहा, भारत मेरे लिए बहुत मायने रखता है, लेकिन ब्रिटेन के लिए भी इसका बहुत महत्व है।

राजनाथ व योगी ने लखनऊ में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के लखनऊ केंद्र में मिसाइल उत्पादन, भारत को आत्मनिर्भर रक्षा में नई ऊर्जा

- **उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे में ब्रह्मोस मिसाइलों का सफल उत्पादन, सशस्त्र बलों के लिए तैयार**
- **ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली का पहला समूह लखनऊ के नए केंद्र से भारत को उपलब्ध**

एजेंसी । नई दिल्ली

योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का उद्घाटन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह न केवल उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के लिए एक उपलब्धि है, बल्कि इससे रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प को एक नयी ऊर्जा भी मिलेगी। बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर में स्थित अपने नए केंद्र में मिसाइल प्रणाली के पहले समूह का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। इस अत्याधुनिक इकाई का उद्घाटन 11 मई, 2025 को किया गया था। इसमें मिसाइल एकीकरण, परीक्षण और अंतिम गुणवत्ता जांच के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

भारतीय सशस्त्र बल सफल परीक्षण के बाद मिसाइलों को तैनाती के लिए तैयार करते हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली की सीएम बोलीं- जब सनातनी सरकार आती है तो दिवाली की भव्यता-दिव्यता अद्वितीय

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी के लोगों में दिवाली के विशेष उत्साह को उजागर करते हुए कहा कि जब एक "सनातनी सरकार" सत्ता संभालती है, तो त्योहार की भव्यता और दिव्यता अद्वितीय हो जाती है। उन्होंने कहा कि अगर दिवाली दिल्ली में मनाई जाती है, तो यह राष्ट्रीय राजधानी का त्योहार बन जाती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की दिवाली राष्ट्रीय राजधानी की दिवाली है, और इसे मनाया जाना चाहिए, देखा जाना चाहिए और महसूस किया जाना चाहिए। जब एक सनातनी सरकार सत्ता में आती है, तो इसकी भव्यता और दिव्य ता अद्वितीय होती है। आज, दिल्ली में हर कोई, चाहे उसकी उम्र, लिंग या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो, खुश है। वे प्रधानमंत्री मोदी की जीएसटी बचत के कारण दिवाली मनाते हैं। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि दिल्ली के नागरिक कई वर्षों से दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों की असली भावना से वंचित रहे हैं।

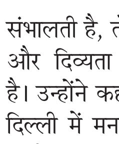

आगामी दीपोत्सव समारोह की प्रशंसा करते हुए, उन्होंने कहा कि लाखों दीये कर्त्तव्य पथ को जगमगाएँगे और बेजोड़ भव्यता और दिव्यता का प्रदर्शन करेंगे। ये सभी ऐसे त्योहार हैं जिन्हें दिल्ली वर्षों से मिस करती रही है। लेकिन अब और नहीं।

तीरंदाजी विश्व कप

ज्योति सुरेखा वेन्नम ने भारत को जिताया ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी । नई दिल्ली

विश्व कप फाइनल में शनिवार को भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने इतिहास रच दिया है। ज्योति पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त ज्योति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त एला गिब्सन को 150-145 से शिकस्त दी। उन्होंने सभी 15 तीरों में 10-10 के निशाने लगाए। एशियन गेम्स चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम ने क्वार्टर फाइनल में एलेक्सिस रुइज पर 143-140 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन सेमीफाइनल में उन्हें दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी मेक्सिको की एंड्रिया बेसेरा से करीबी मुकाबले में 143-145 से हार का सामना करना पड़ा। ब्रॉन्ज मेडल मैच में ज्योति ने शानदार वापसी करते हुए लगातार 15 बार 10-10 निशाने लगाए और गिब्सन पर दबदबा बनाते हुए अपने अभियान का शानदार अंत किया। वर्तमान में महिला कंपाउंड वर्ग में तीसरे स्थान पर काबिज ज्योति ने अपनी वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर नानजिंग में व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया था। यह विश्व कप फाइनल में ज्योति की तीसरी मौजूदगी थी। वह इससे पहले ट्लाक्सकाला (2022) और हर्मोसिलो (2023) में भी हिस्सा ले चुकी हैं। महिला कंपाउंड वर्ग में एक अन्य भारतीय तीरंदाज मधुरा धामनगांवकर को शुरुआती दौर में मेक्सिको की मारियाना बर्नाल के हाथों 142-145 से हार का सामना करते हुए खिताबी रेस से बाहर होना पड़ा। इस वर्ष ऑबर्नडेल में कंपाउंड मिक्स्ड टीम खिताब जीतने वाले ऋषभ यादव अब मेंस कंपाउंड इवेंट में नजर आएंगे। वे दिन के बाद होने वाले क्वार्टरफाइनल में साउथ कोरिया के किम जोंगहो का सामना करेंगे। इस साल की शुरुआत में ऑबर्नडेल में कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में जीत दर्ज करने वाले ज्योति और ऋषभ यादव ने अपनी-अपनी रैंकिंग के आधार पर नानजिंग में होने वाले इंडिविजुअल इवेंट्स के लिए क्वालीफाई किया है। वर्ल्ड कप फाइनल में हिस्सा लेने वाले सभी तीरंदाजों ने या तो ऑबर्नडेल, शंघाई, अंताल्या और मैड्रिड में हुए चार वर्ल्ड कप चरणों में से किसी एक को जीतकर या फिर वर्ल्ड कप रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है।

शमी... ने खटखटाया टीम इंडिया में वापसी का दरवाजा

7 विकेट लेकर दिलाई टीम को शानदार जीत

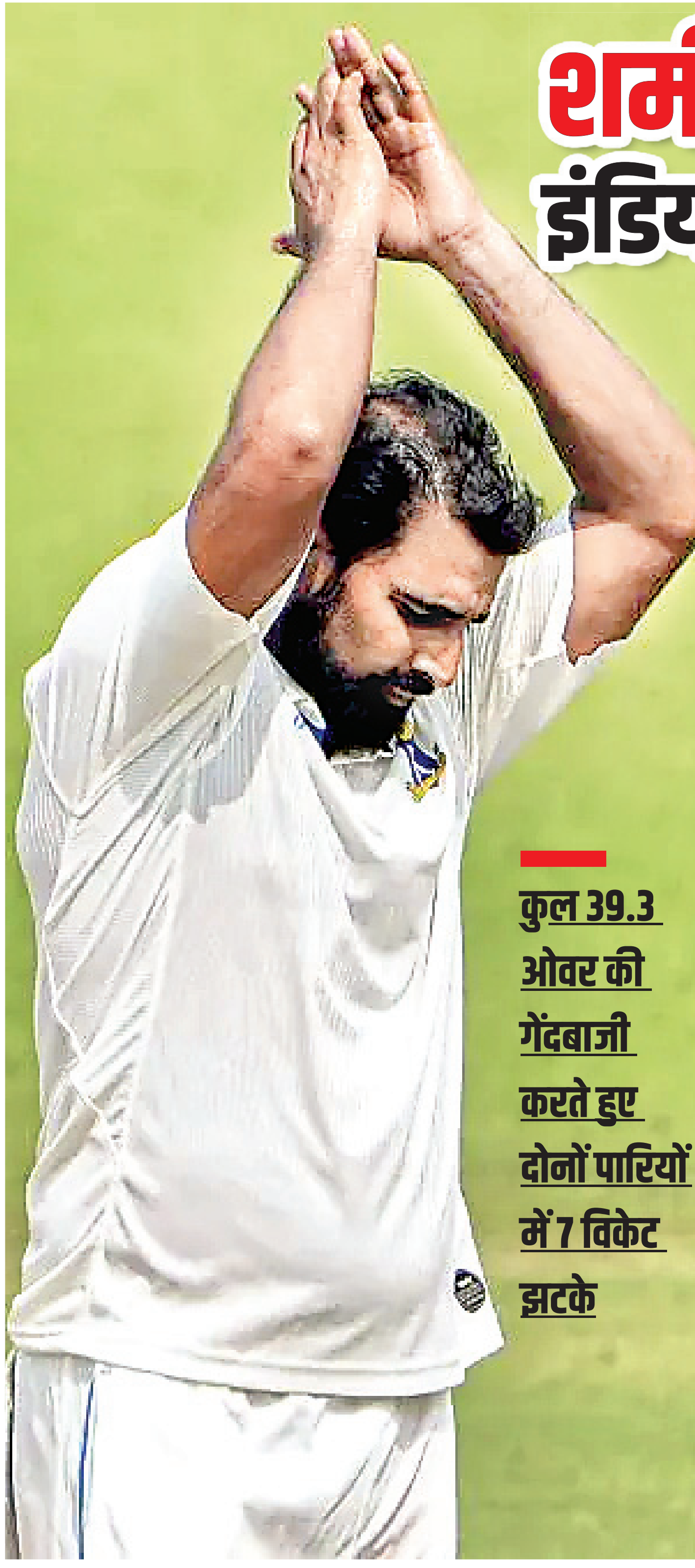

कुल 39.3 ओवर की गेंदबाजी करते हुए दोनों पारियों में 7 विकेट झटके

- उत्तराखंड के खिलाफ मैच में गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन किया
- प्रदर्शन से साबित किया कि वह पूरी तरह फिट और लय में हैं

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में इन दिनों रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट खेला जा रहा है। इस टूर्नामेंट में एलिट ग्रुप-सी के मैच में बंगाल का सामना उत्तराखंड से हुआ। यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला गया, जहां बंगाल की टीम ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। बंगाल की इस जीत में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अहम भूमिका निभाई। आपको बता दें कि शमी पिछले काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं और अब उन्होंने इस मैच में शानदार गेंदबाजी कर टीम में अपनी वापसी की मजबूत दावेदारी ठोकी है।

मोहम्मद शमी की फिटनेस पर अजीत अगरकर ने उठाए थे सवाल : आपको बता दें कि शमी की फिटनेस को लेकर काफी चर्चा हो रही है। जहां एक तरफ टीम इंडिया चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने उन्हें अनफिट बताया था। वहीं शमी ने भी इस मैच से पहले अपनी फिटनेस को लेकर बड़ी बातें कही थी। भारतीय तेज गेंदबाज ने रणजी ट्रॉफी 2025 सीजन की शुरुआत से पहले ही खुद को एकदम फिट बताया था। उत्तराखंड के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 39.3 ओवर गेंदबाजी की और दोनों पारियों में मिलाकर 7 विकेट अपने नाम किए। इसके साथ ही उन्होंने साबित कर दिया कि वह इस वक्त पूरी तरह से फिट हैं।

4 गेंदों में 3 विकेट लेकर चमके शमी साबित की फिटनेस

मोहम्मद शमी ने उत्तराखंड के खिलाफ मैच में पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में चार विकेट अपने नाम किए। उन्होंने पहली पारी में 14.5 ओवर गेंदबाजी करते हुए 4 मेडन ओवर फेंके और 37 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। इस पारी के दौरान उन्होंने ये तीन विकेट चार गेंदों के अंदर लिए। इसके बाद दूसरी पारी में शमी ने 24.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 7 ओवर मेडन फेंके और 38 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। पूरे मैच में उनकी इकॉनमी रेट 2 से कम की रही। वह इस मैच में किफायती गेंदबाजी करते हुए विकेट भी निकालने में कामयाब रहे। वह आगामी मैचों में भी ऐसा ही प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी पारी में अभिमन्यु ईश्वरन ने लगाया शतक : मुकाबले की बात करें तो बंगाल की टीम इस मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज करने में कामयाब रही। पहली पारी में उत्तराखंड ने 213 रन बनाए थे। जवाब में बंगाल की टीम ने अपनी पहली पारी में 323 रन बनाकर 110 रन की बढ़त हासिल की थी। इसके बाद उत्तराखंड ने दूसरी पारी में 265 रन बनाए और बंगाल के सामने जीत के लिए 156 रन का टारगेट रखा। इस टारगेट को बंगाल की टीम ने 29.3 ओवर में 2 विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। दूसरी पारी में अभिमन्यु ईश्वरन 71 रन बनाकर नाबाद लौटे। मोहम्मद शमी को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

लीग-1 : पीएसजी का पलटवार

रोमांचक मुकाबले में स्ट्रासबर्ग को ड्रॉ पर रोका

पेरिस (आईएएनएस)

- शुरुआती छठे मिनट में ब्रैडली बारकोला ने पीएसजी को 1-0 की बढ़त दिलाई

पेरिस-सेंट जर्मेन (पीएसजी) और स्ट्रासबर्ग के बीच पार्क डेस प्रिंसेस में खेला गया मुकाबला 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसी के साथ पेरिस-सेंट जर्मेन ने छह गोलों के रोमांचक मुकाबले में एक अंक बचा लिया। पीएसजी ने जोरदार शुरुआत की। मुकाबले के छठे मिनट में ब्रैडली बारकोला के शानदार फिनिश की बदौलत टीम ने 1-0 से बढ़त बना ली। पीएसजी ने शुरुआती 20 मिनट में मैच पर दबदबा बनाए रखा। इस दौरान डूए ने मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन बदलाव के दौर से गुजर रही मेहमान टीम सबसे खतरनाक दिखी। जोआकिन पैनिकेल्ली ने लुकास शेवालियर के गोल पर शॉट लगाया, जिससे गेंद की दिशा बदल गई और लेस पेरिसियन्स के शॉट-स्टॉपर को मजबूत बचाव करने पर मजबूर होना पड़ा। रिबाउंड पर, जूलियो एनकिसो ले रेसिंग के लीग 1 स्तर के शॉट को गोल में नहीं बदल सके। स्ट्रासबर्ग और पैनिकेल्ली को ज्यादा देर तक रोका नहीं जा सका। जोआकिन पैनिकेल्ली ने मुकाबले के 26वें मिनट गोल दागा। स्ट्रासबर्ग को ब्रेक के बाद एक और गोल मिला। मोरेरा ने गेंद को पैनिकेल्ली की ओर सरकाकर गोल किया। यह इस सीजन में उनका सातवां गोल रहा। मुकाबले के 49वें मिनट पैनिकेल्ली ने गोल दागते हुए स्ट्रासबर्ग को 3-1 से आगे कर दिया था। इसके बाद 58वें मिनट पीएसजी ने वापसी करते हुए अंतर को 3-2 कर दिया। सेनी मयुलु ने 79वें मिनट मुकाबले का अंतिम गोल दागते हुए स्कोरलाइन को 3-3 कर दिया। इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा है। फिलहाल, पीएसजी लीग 1 मैकडॉनल्ड्स में शीर्ष पर बनी हुई है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद स्ट्रासबर्ग से केवल एक अंक आगे है। पीएसजी ने अब तक 5 मुकाबले जीते हैं। टीम 2 ड्रॉ और 1 हार के साथ 17 प्वाइंट्स हासिल कर चुकी है, जबकि स्ट्रासबर्ग ने 5 जीत, 2 हार और 1 ड्रॉ के साथ 16 अंक जुटाए हैं।

'गोल्डन ब्वॉय' दिव्यांश सिंह पंवार जो सिर्फ 18 की उम्र में बने वर्ल्ड नंबर-1

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के प्रतिभाशाली शूटर दिव्यांश सिंह पंवार ने मेहनत, लगन और आत्मनियंत्रण ने उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाई हैं। महज 18 साल की उम्र में दिव्यांश 10 मीटर एयर राइफल की वर्ल्ड रैंकिंग में पहले पायदान पर रह चुके हैं। 19 अक्टूबर 2002 को जयपुर में जन्मे दिव्यांश सिंह पंवार राजस्थान की उस धरती से आते हैं, जिसमें राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और करणी सिंह जैसे मशहूर निशानेबाजों ने जन्म लिया। दिव्यांश सिंह पंवार ने महज 12 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की थी। उन्हें बचपन से ही शूटिंग का शौक था। पिता दीवार पर निशाना बनाते और प्लास्टिक की बंदूक से दिव्यांश उस पर निशाना लगाते। इसके बाद अपनी बड़ी बहन अंजलि के शूटिंग उपकरणों के साथ जयपुर के जंगपुरा शूटिंग रेंज में प्रैक्टिस शुरू की। साल 2017 में दिव्यांश सिंह जूनियर और युवा, दोनों नेशनल्स की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धाओं में जीत दर्ज करते हुए सुर्खियों में आए। फरवरी 2019 में उन्होंने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में सीनियर वर्ग का अपना पहला मुकाबला खेला, जिसमें 627.2 के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में 12वां स्थान पर रहे। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में इस प्रदर्शन के साथ दिव्यांश को यह समझ में आ गया था कि उन्हें अभी मानसिक रूप से अधिक मजबूत होने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्हें खेल पर फोकस भी करना होगा।

चेन्नईयिन एफसी ने क्लिफोर्ड मिरांडा को हेड कोच नियुक्त किया

चेन्नई । चेन्नईयिन एफसी ने क्लिफोर्ड मिरांडा को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। टीम की ओर से इसकी घोषणा शनिवार को हुई। ओवेन कॉयल की जगह लेने वाले मिरांडा क्लब के पहले भारतीय मुख्य कोच बने हैं। 25 अक्टूबर से अपने गृह राज्य गोवा में शुरू होने वाले एआईएफएफ सुपर कप में बतौर हेड कोच यह उनकी पहली नियुक्ति है। चेन्नईयिन को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की अन्य टीमों मोहन बागान सुपर जायंट, ईस्ट बंगाल एफसी और डेम्पो एससी के साथ एक मुश्किल ग्रुप में रखा गया है, जिन्हें घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

राजस्थान : सीकर में पहली बार पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

एजेंसी । नई दिल्ली

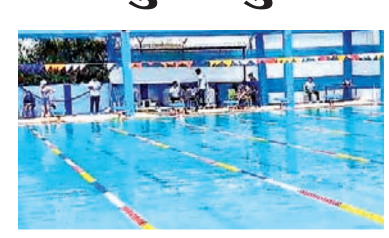

राजस्थान के सीकर में बढ़ाढर गांव स्थित स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान में शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया के आतिथ्य में राजस्थान राज्य स्तरीय 9वीं पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप-2025 का शुभारंभ हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों की ओर से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। यह पहला अवसर है, जब सीकर जिले में राज्य स्तरीय पैरा खेलों का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर प्रसाद सैनी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, दिव्यांग पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव हिम्मत सिंह, सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और दिव्यांगों के लिए इस आयोजन को समाज में प्रेरणादायक पहल बताया। आयोजन सचिव रामनिवास ढाका ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजस्थान के सभी जिलों से लगभग 150 दिव्यांग खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जो विभिन्न आयु वर्गों और श्रेणियों में कुल 106 इवेंट्स में अपना लोहा मनवाएंगे। रामनिवास ढाका ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को मेनस्ट्रीम खेलों से जोड़ना, उन्हें प्रोत्साहन देना और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है।

सेबी ने निवेशकों को डबल रिटर्न जैसे स्कैम और फेक ऐप्स से बचने की दी सलाह

एजेंसी । नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी और एनएसई की ओर से निवेशकों को डबल एंड क्विक रिटर्न और फेक ऐप्स से बचने की सलाह दी गई है। निवेशकों के लिए उन्हीं की क्षेत्रीय भाषा में सेबी और एनएसई की ओर से यूट्यूब वीडियो शेयर किए गए हैं। एनएसई इंडिया के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर शेयर किए गए 36 सेकेंड के वीडियो में कहा गया है कि निवेशकों को नकली ऐप्स असली जैसे ही लग सकते हैं लेकिन इन नकली ऐप्स पर जोखिम असली होता है। बाजार नियामक का कहना है कि किसी भी ट्रेडिंग ऐप का इस्तेमाल गारंटीड रिटर्न के लिए कर रहे हैं तो इस ऐप का ऑथेंटिक होना जरूरी है। फेक ट्रेडिंग ऐप्स को लेकर कहा गया है कि इस तरह के ऐप्स ग्राहकों को अपने जाल में फंसाने के लिए सबसे पहले गारंटीड और हाई रिटर्न का ही भरोसा दिलाने की कोशिश करते हैं। इसके बाद स्कैमर्स यूजर्स को फेक ऐप्स डाउनलोड करवा कर अपने झांसे में फंसाते हैं। सेबी और एनएसई की निवेशकों को सलाह है कि वे सेबी की इंवेस्टर साइट पर वेरिफाइड ऐप्स लिस्ट से ही ऐप्स डाउनलोड करें। इसी तरह, निवेशकों को डबल रिटर्न स्कैम से भी बचने की सलाह दी गई है। एक दूसरे 40 सेकेंड के वीडियो में सेबी और एनएसई की ओर से कहा गया है कि निवेशकों को किसी भी इंवेस्टमेंट गुरु की टिप्स से पैसे डबल करने का झांसा दिया जा सकता है। निवेशकों को इस तरह की डील के लिए ऑफर क्लेम करने को कहा जाएगा। बाजार नियामक का कहना है कि सेबी-रजिस्टर्ड इंवेस्टमेंट एडवाइजर से ही सलाह लें और पेमेंट वेरिफाइड अकाउंट और यूपीआई आईडी पर ही करें। इससे पहले इस महीने के शुरुआत में 6-12 अक्टूबर तक चले वर्ल्ड इंवेस्टर वीक 2025 आयोजन के शुभारंभ पर सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा था कि प्रतिभूति बाजार हमारे देश के विकास इंजन है।

भारत-मिस्र के बढ़ते संबंधों से दोनों देशों के बीच ईवी रिन्यूएबल एनर्जी और फिनटेक में सहयोग के खुलेंगे द्वार

एजेंसी । नई दिल्ली

- मिस्र ने लाल सागर के उत्तर-पश्चिम में भारतीय औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने की इच्छा जताई

एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, भारत और मिस्र के बीच रणनीतिक वार्ता इलेक्ट्रिक वाहनों, खाद्य सुरक्षा, रक्षा, टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स में सहयोग की अपार संभावनाओं के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाएगी। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के वेस्ट एशियन स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर मुदस्सिर कमर को कोट करते हुए अरब न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोनों देशों के बीच स्टार्टअप्स, रिन्यूएबल एनर्जी, एआई, फिनटेक, इलेक्ट्रिक वाहन, खाद्य सुरक्षा आदि जैसे उभरते और विशिष्ट क्षेत्रों सहित संबंधों को बेहतर बनाने की अपार संभावनाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेश, ऊर्जा और रक्षा संबंध सहयोग के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। मिस्र खासकर स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र के माध्यम से स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने और निर्यात का विस्तार करने के लिए भारतीय कंपनियों द्वारा निवेश के लिए उत्सुक है, जो व्यापक निवेश प्रोत्साहन और विभिन्न कर और सीमा शुल्क छूट प्रदान करता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को दोनों देशों के बीच अपनी पहली रणनीतिक वार्ता के बाद कहा कि भारत और मिस्र स्टार्टअप्स, फिनटेक, साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सहयोग बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलाती दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्री जयशंकर ने 2023 में भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के बाद से गहन सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, समुद्री और आतंकवाद-रोधी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत ने अरब न्यूज को बताया कि दोनों पक्ष डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, फार्मास्यूटिकल्स, स्टार्ट-अप और इनोवेशन के साथ-साथ रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमत हुए। स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र को भारतीय कंपनियों के लिए एक प्रमुख निवेश अवसर बताते हुए, मिस्र के विदेश मंत्री अब्देलाती ने कहा कि यह अंतरमहाद्वीपीय राष्ट्र लाल सागर के उत्तर-पश्चिम में स्वेज की खाड़ी के किनारे एक भारतीय औद्योगिक क्षेत्र बनाने का इच्छुक है।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की उम्मीदों से निफ्टी-सेंसेक्स में 2% से अधिक उछाल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की शॉर्ट कवरिंग और मजबूत घरेलू संकेतों के बीच सप्ताह के अंत में बढ़त के साथ बंद हुए। भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में स्पष्टता से बाजार में आशावाद को बल मिला, दोनों पक्षों ने नवंबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करने पर सहमति व्यक्त की। प्रमुख बैंकिंग शेयरों में मजबूत खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक ने एक नया मुकाम हासिल किया और बाजार में उत्साह बना रहा। फाइनेंशियल सेक्टर में परिसंपत्ति गुणवत्ता को लेकर चिंताएं कम होने और त्योहारी तिमाही में बेहतर बिक्री वृद्धि की उम्मीदों से निवेशकों का विश्वास बढ़ा।

सप्ताह के दौरान बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स में क्रमशः 2.10 और 2.04 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें एफएमसीजी, फार्मा और ऑटो सूचकांकों का इस तेजी में प्रमुख योगदान रहा। विश्लेषकों ने कहा कि रियल्टी, स्वास्थ्य सेवा और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में व्यापक सुधार के साथ-साथ उपभोग-आधारित क्षेत्रों में भी तेजी देखी गई। वैश्विक विवेकाधीन खर्च की चिंताओं और अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम में परिसंपत्ति गुणवत्ता पर बढ़ते दबाव के कारण आईटी शेयर दबाव में रहे।

इस फेस्टिव सीजन में अपनों को दें फास्टैग एनुअल पास का तोहफा : केंद्र

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र ने शनिवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का 'राजमार्गयात्रा' ऐप यूजर्स को फास्टैग एनुअल पास उपहार में देने की सुविधा देता है। सरकार ने नागरिकों से दिवाली और फेस्टिव सीजन में इसे यात्रियों के लिए एक आदर्श उपहार मानने का आग्रह किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि ऐप पर 'ऐड पास' विकल्प पर क्लिक कर और फिर प्राप्तकर्ता का वाहन नंबर और जिसे वे पास उपहार में देना चाहते हैं उसकी कॉन्टैक्ट डिटेल्स दर्ज कर पास को एक्टिव किया जा सकता है। सरल ओटीपी वेरिफिकेशन के बाद, एनुअल पास उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर एक्टिव हो जाएगा, जिससे बार-बार रिचार्ज किए बिना निर्बाध यात्रा की सुविधा मिल जाएगी। फास्टैग एनुअल पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक निर्बाध और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करता है।

भारत की प्रतिभाओं को बाहर जाने के बजाय हमारे देश में ही मिले अवसर : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को डेटा को नया तेल और डेटा केंद्रों को नई रिफाइनरियां बताया। उन्होंने कहा, "हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे देश का टैलेंट देश के बाहर जाने के बजाय देश में ही अवसरों को पाएं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार टेक्नोलॉजी के माध्यम से वित्तीय सेवाओं को और अधिक सुलभ बनाने के अपने प्रयास के तहत डिजिटल क्रेडिट पर बड़ा कदम उठा रही है। देश में 5जी नेटवर्क के तेज और कुशल क्रियान्वयन की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की इस उपलब्धि ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "भारत ने 5जी को इतनी तेजी से लागू किया कि दुनिया चकित रह गई। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी नेटवर्क है। इससे हमें दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचने में मदद मिली। देश का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा 5जी नेटवर्क से जुड़ा है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने एआई के क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपस्थिति पर भी प्रकाश डाला और घोषणा की कि बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप सर्वम इस साल दिसंबर या अगले साल जनवरी तक अपना स्वदेशी एआई मॉडल लॉन्च करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह सर्वम के मॉडल के लॉन्च होने के बाद उसका उपयोग करने के लिए उत्साहित हैं। केंद्रीय मंत्री ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के निवेश से एक एआई हब स्थापित करने के गूगल के प्रस्ताव की भी प्रशंसा की और दावा किया कि इससे भारत में एआई रिसर्च के विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, "हमारे देश में कंप्यूटर सुविधाओं का होना बेहद जरूरी है। इनके उपलब्ध होने के बाद क्वालिटी रिसर्च करने और एआई एप्लीकेशन बनाने की क्षमता में सुधार होगा। केंद्रीय मंत्री वैष्णव के अनुसार, दूरसंचार तकनीक के संदर्भ में 6जी, मौजूदा 4जी और 5जी नेटवर्क की पूरी तरह से जगह ले लेगा।

सरस्वती यात्रा के तहत छात्राओं का सदर अस्पताल भ्रमण

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। धर्मपुर स्थिति सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार सरस्वती यात्रा के तहत कक्षा दर्शन की छात्राओं को लातेहार सदर अस्पताल का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को समाज के विभिन्न सेवा क्षेत्रों से परिचित कराना और उनमें संवेदनशीलता, सहयोग एवं कर्तव्यनिष्ठा की भावना का विकास करना था। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी के कुशल निर्देशन में किया गया।

भ्रमण के दौरान सदर अस्पताल के हॉस्पिटल मैनेजर राहुल कुमार एवं पंकज ने छात्राओं को अस्पताल की कार्यप्रणाली से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। उन्होंने पंजीकरण कक्ष, ओपीडी, एक्स-रे विभाग, गायनेकोलॉजिस्ट वार्ड, आईसीयू, इमरजेंसी वार्ड सहित विभिन्न विभागों का परिचय देते हुए उनकी महत्ता बताई। छात्राओं ने डॉक्टरों, नर्सों एवं अन्य चिकित्साकर्मियों के परिश्रम को निकट से देखा और स्वास्थ्य सेवा के प्रति उनके समर्पण की भावना से प्रेरित हुईं।

विद्यालय के आचार्य ओंकार नाथ सहाय एवं रूबी सिंह के देखरेख में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने छात्राओं को भ्रमण के दौरान आवश्यक जानकारी देते हुए स्वास्थ्य, स्वच्छता और सेवा-भाव के महत्व पर भी चर्चा की। प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने कहा कि ऐसे भ्रमण छात्राओं में न केवल व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

धनतेरस पर चार से पांच करोड़ का कारोबार होने का अनुमान

करीब तीन करोड़ के दो पहिया वाहन बिके, लाखों के गहने

- देर रात तक होती रही खरीददारी, प्रशासन रही अलर्ट

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। धनतेरस के अवसर पर चंदवा में बीते साल से अधिक का कारोबार हुआ। दो पहिया वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन, सराफा, मोबाइल फोन और मिठाई के प्रतिष्ठानों में खूब भीड़ उमड़ी। बाजार मे करीब चार से पांच करोड़ की खरीदारी का अनुमान लगाया जा रहा है। भीड़-भाड़ के कारण देर रात तक बाजार में चहल पहल रही। पुलिस भी बाजार में किसी भी अनहोनी घटना को रोकने के लिए अलर्ट थी। धनतेरस में अकेले ऑटो मोबाइल्स सेक्टर में करीब तीन करोड़ का व्यापर होने का अनुमान लगाया जा रहा है। करीब 300 से अधिक दो पहिया वाहनों की बिक्री होने का अनुमान है। इस बार बाजार पर लक्ष्मी मेहरबान रही है। बात चाहे सराफा दुकानों की हो या फिर होजरी की। बर्तन की दुकान हो या फिर किराना की, हर जगह दीपावली के तैयारी की धूम मची है। खासकर इलेक्ट्रानिक सामान के व्यवसायी इस अनोखे अवसर को भुनाने में कोई कोताही नहीं बरत रहे। मोबाइल,टीवी,म्यूजिक सिस्टम आदि की दुकान पर भी ग्राहकों की भीड़ देखी गई। संभावित मांग के मद्देनजर दुकानदारों ने खास रेंज के सामान मंगा रखे हैं। दीपोत्सव के पहले दिन ही बाजार में करोड़ों का कारोबार होने से व्यापारी खुश दिखे। बाजार में दोपहर से ही ग्राहकों का आवागमन शुरू हो गया था। ऑटो मोबाइल्स और सराफा बाजार में पहले से बुकिंग हो चुकी थी। इसलिए लोगों ने मुहूर्त के अनुसार डिलीवरी ली। भीड़ भाड़ से बचने के लिए कई लोगों ने ऑनलालन बेवसाइटों से घर बैठे खरीदारी की। ऑललाइन खरीदारी करने वाले अनेक लोग मायूस भी हुए, क्योकिं समय पर उनकी डिलीवरी नहीं आई। शहर के विभिन्न दुकानों में लगे पटाखा बाजार में शुक्रवार को खरीदारों की भीड़ देखी गई। धनतेरस पर लोगों ने भी जमकर पटाखों की खरीदारी की गई। पटाखों का ही लाखों का कारोबार किये जाने का अनुमान है।

पेज एक के शेष

रांची में धनतेरस...

अशोक नगर, कडरू, लालपुर, एचबी रोड, मेन रोड में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करते नजर आए। वहीं, कोकर बाजार में तो इतनी भीड़ थी कि लोगों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही थी। बड़ी संख्या में लोग खरीदारी कर रहे थे और इस कारण घंटों तक जाम की स्थिति रही। इस बार जीएसटी की दरों में कमी होने की वजह से वाहनों की कीमत में कमी आई है और इस कारण आभूषण और बर्तन के अतिरिक्त दो पहिया और चार पहिया गाड़ियों की भी खरीदारी खूब हो रही है।

छोटानागरा में दो...

इसके बाद मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर घटना में शामिल दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इस संबध में आगे की कारवाई की जा रही है। गिरफ्तार दोनों नक्सली संगठन में सक्रिय सदस्य के रूप में कार्य कर रहे थे और क्षेत्र में आईईडी लगाकर सुरक्षाबलों को निशाना बनाने की योजना में शामिल थे। पुलिस ने उनके पास से 09 बोल्ट की 22 पीस बैट्री, 200 मीटर विद्युत तार और अन्य नक्सली सामग्रियां बरामद की हैं।

जेटेया के बुरूबोरता...

एसपी ने नक्सलियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ लेने और आत्मसमर्पण करने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति बहाल होने तक सुरक्षा बलों का यह अभियान जारी रहेगा।

लोहरदगा में कार...

पीछा करने पर कार बढ़की चापी के पास कलवा ढोढा पुल के समीप पेड़ से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार की तलाशी ली गई, तो 42 पैकेट गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान ओडिशा के झारसुगड़ा जिला अंतर्गत बेलपहाड़ निवासी अमिश कुमार लाल (पिता संजय लाल) और बिहार के औरंगाबाद जिले के ओबरा थाना अंतर्गत नरौला निवासी आकाश राय (पिता ओसियर राय) के रूप में हुई है। एसपी रिजवी ने बताया कि बरामद गांजे का सटीक वजन एक क्विंटल अड़सठ किलोग्राम और इसकी अनुमानित बाजार कीमत 70 लाख है। मौके पर इंस्पेक्टर संदीप रंजन, कुडू सीओ संतोष उरांव, थाना प्रभारी मनोज कुमार, एसआई अश्विनी कुमार उपस्थित थे। गौरतलब है कि इससे एक दिन पूर्व गुरुवार को भी कुडू पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 413 पेटियों में करीब 50 लाख रुपए मूल्य की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की थी। लगातार दो दिनों में हुई इन कार्रवाइयों से नशे के सौदागरों में हड़कंप मच गया है। वहीं, कुडू पुलिस की तत्परता और कार्रवाई की व्यापक सराहना की जा रही है।

गुमला की बांसडीह...

इसी बीच, बांसडीह घाटी में पीछे से अज्ञात वाहन ने टेंपो को टक्कर मार दी। इससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में सुकरी देवी की मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की...

मकान में रहकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बताया जाता है कि अर्जुन उरांव शुक्रवार की देर शाम जैसे ही अपने घर से बाहर निकला, अज्ञात वाहन ने उसे अपने चपेट में ले लिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क जाम करते हुए व्यवस्था में सुधार, लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, पीड़ित परिवार को सरकारी लाभ दिलाने और बच्चों की पढ़ाई का मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया। फिर प्रशासन एवं पूर्व जनप्रतिनिधि और गांव के एक ग्रामीण ने मिलकर अंतिम संस्कार के लिए तत्काल 32 हजार रुपए का सहयोग किया। इसके करीब एक घंटा बाद जाम हटा और यातायात सुचारू रूप से संचालित हुआ।

ईडी की दिनेश...

नाम पर फर्जी कंपनियां बनाईं, जिनका कोई वैध कारोबार नहीं था। इनके जरिए कैश को बैंक खातों में जमा किया जाता था। फिर हवाला, स्थानीय धन हस्तांतरण और तीसरे पक्ष के कारोबार के माध्यम से इस धन को कई स्तरों पर बांटा जाता था, ताकि इसका आपराधिक स्त्रोत छिपाया जा सके। इस धन से लग्जरी वाहन, सावधि जमा और अन्य संपत्तियां खरीदी गईं। इसका उपयोग परिवार के निजी खर्चों के लिए भी हुआ। ज्ञात हो कि दिनेश गोप को 20 अगस्त 2025 को गिरफ्तार किया गया था। नई शिकायत में ईडी ने सभी 21 आरोपियों पर मुकदमा चलाने और कैश, बैंक बैलेंस व वाहनों सहित 20 करोड़ रुपए की संपत्तियों को जब्त करने की मांग की है। जांच अभी जारी है।

गाय के नाम पर लाखों की ठगी ग्रामीणों ने उपायुक्त से लगाई गुहार

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर प्रखंड अंतर्गत बरियातू खालसा व आसपास के गांवों के दर्जनों ग्रामीणों ने धर्मपुर निवासी विभूति पांडे के खिलाफ उपायुक्त को आवेदन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभूति पांडे ने खुद को ठेकेदार व गाय सप्लायर बताकर गांव के किसानों से करीब 10 हजार से 17 हजार 600 रुपये प्रति व्यक्ति वसूले हैं और यह कहकर कि वह उन्हें अच्छी नस्ल की गाय उपलब्ध कराएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने विभूति पांडे को फोन-पे और अन्य ऑनलाइन माध्यम से पैसे ट्रांसफर किए थे, लेकिन आज तक उन्हें गाय नहीं मिली। जब वे पैसे या गाय की मांग करते हैं, तो विभूति पांडे फोन स्विच ऑफ कर लेते हैं, सामने आने पर धमकी देते हैं और जातिसूचक गालियां भी देते हैं। आवेदन देने वालों में मानकी सिह, शाहील अंसारी, राजु प्रसाद समेत कई पीड़ित शामिल हैं। सभी ने प्रशासन से मांग की है कि विभूति पांडे के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई कर उन्हें न्याय दिलाया जाए।

उत्तर कोयल परियोजना की समीक्षा को लेकर वापकोस व केंद्रीय जल आयोग की टीम का दौरा

- अवरोधों व विलंब के कारणों पर विस्तार से हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। शाहिद नीलाम्बर-पीताम्बर उत्तर कोयल परियोजना की प्रगति की समीक्षा एवं कार्यों के निरीक्षण हेतु वापकोस की अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक शिल्पा शिंदे के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय टीम ने लातेहार का दौरा किया। इस टीम में वापकोस के वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं जल शक्ति मंत्रालय, नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। टीम द्वारा उत्तर कोयल परियोजना की समीक्षा की गई और मंडल डैम, बरवाडीह आदि स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्य प्रगति, परियोजना से संबंधित विभिन्न अवरोधों एवं विलंब के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके उपरांत परिसदन लातेहार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के साथ बैठक कर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित मुद्दों, सड़क की स्थिति (बरवाडीह से मंडल तक) एवं अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

'हर घर स्वदेशी' घर-घर स्वदेशी के तहत कार्यक्रम

लातेहार। अधिवक्ता भवन में लातेहार जिला अधिवक्ता परिषद के तत्वाधान में आत्मनिर्भर भारत को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें आत्मनिर्भर भारत संकल्प हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी के तहत अधिवक्ताओं ने शपथ ली। कार्यक्रम में संरक्षक के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता राजमणि प्रसाद, अनिल ठाकुर, वासुदेव पांडे, विनीत कुमार सिन्हा, रमन महतो, विवेक कुमार गुप्ता, इसराइल कुजूर, निर्मल यादव, स्वप्निल कुमार, मिथिलेश कुमार, नरोत्तम पांडे, चाहत प्रवीण, गुल सरोवर, कौशल पांडे, धीरेंद्र शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लातेहार जिला अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष राजीव रंजन पांडे के द्वारा किया गया।

डीईओ कार्यालय में दीपावली की सौगात, एक-दूसरे को दी शुभकामनाएं

डीएसई संदीप कुमार ने कर्मियों संग मनाया दीपोत्सव का उल्लास

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दीपावली के शुभ अवसर पर शनिवार को पलामू जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) कार्यालय में उल्लासपूर्ण माहौल के बीच दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अवकाश पर जाने से पहले डीएसई संदीप कुमार ने सभी कर्मियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उपहार भेंट किए।इस अवसर पर लिपिक रामलखन सिंह, प्रशांत बिहारी, शशि पांडेय, रविरंजन पाठक, बलराम कुमार, मीरा कुमारी, अभिषेक पाठक एवं शीतल कुमार ने संयुक्त रूप से कार्यालय कर्मियों को दीपावली उपहार दिए। उपहार प्राप्त करने वालों में महेश राम, आदेशपाल संभू राम, सतेंद्र पांडेय, प्रमोद राम, कंप्यूटर ऑपरेटर विनय विश्वकर्मा, राजा कुमार और अन्य कर्मी शामिल थे। इस मौके पर जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली प्रकाश और सकारात्मकता का पर्व है। यह वह दिन है जब भगवान श्रीराम वनवास से अयोध्या लौटे थे और पूरे नगर को दीपों से सजाकर उनका स्वागत किया गया था। उन्होंने सभी कर्मियों से कहा कि वे अपने परिजनों के साथ दीप प्रज्वलित कर माता लक्ष्मी की आराधना करें तथा सुख-समृद्धि और सद्भाव का संदेश फैलाएं।

मानदेय भुगतान में देरी पर सहायक अध्यापकों ने किया डीएसई कार्यालय का घेराव

- दीपावली से पहले भुगतान नहीं होने पर जताई नाराजगी एपीओ से स्पष्टीकरण तलब

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दीपावली के अवसर पर मानदेय भुगतान नहीं होने से नाराज सहायक अध्यापकों ने शनिवार को पलामू जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) कार्यालय का घेराव किया। अध्यापकों ने आरोप लगाया कि सरकार के स्तर से 16 अक्टूबर तक सभी शिक्षकों का मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश जारी किया गया था, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण अब तक राशि उनके खातों में नहीं पहुंची है।अध्यापकों का कहना था कि पलामू जिले में एपीओ के.के. चांद द्वारा समय पर भुगतान संबंधित डाटा अपलोड नहीं कराए जाने से भुगतान प्रक्रिया अटकी हुई है। उनका यह भी आरोप है कि संबंधित अधिकारी की यह आदत रही है कि हर माह उत्तर या पत्र समय पर अपलोड नहीं किए जाते, जिससे भुगतान में बार-बार देरी होती है।जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एपीओ के.के. चांद से स्पष्टीकरण मांगा है तथा एपीओ का मानदेय तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। अध्यापकों ने कहा कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर वेतन न मिलने से त्योहार की खुशियां फीकी पड़ गई हैं। उन्होंने जिला शिक्षा विभाग से शीघ्र भुगतान की मांग की है ताकि आगामी त्यौहारों में ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

कुर्मी समाज की मांगों के विरोध में हुई हुंकार महा रैली खरवार भोक्ता विकास संघ का जत्था हुआ शामिल

बारियातू। कुर्मी समाज की मांगों के विरोध में रांची स्थित प्रभात तारा मैदान में शुक्रवार को आयोजित हुंकार महा रैली में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसी क्रम में खरवार भोक्ता विकास संघ की प्रखंड कमिटी के नेतृत्व में बारियातू से एक जत्था विशेष रूप से रांची रवाना हुआ और रैली में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई रैली में भाग लेने वालों ने कहा कि समाज के लोग अपने अधिकारों और समस्याओं की आवाज सरकार तक पहुँचाने के उद्देश्य से एकजुट हुए हैं। उनका कहना था कि यह आंदोलन सामाजिक न्याय और अपने समुदाय की पहचान की रक्षा के लिए जरूरी है।

सहायक आचार्य पद पर राजू सिंह का चयन, गढ़वा में पहला और राज्य में तीसरा स्थान

केतार (गढ़वा): केतार प्रखंड के सिंहपुर गांव के लाल राजू सिंह ने सहायक आचार्य (सामाजिक विज्ञान) प्रतियोगिता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और प्रखंड का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर गढ़वा जिला में प्रथम तथा राज्यस्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है।राजू सिंह वर्तमान में पीएम श्री मध्य विद्यालय, केतार में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनके सहायक आचार्य पद पर चयन की सूचना मिलते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है। उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। परिजन ही नहीं, समूचे गांववासी इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से अभिभूत हैं। राजू सिंह, सिंहपुर निवासी ललन सिंह के पुत्र हैं। उन्होंने सीमित संसाधनों के बीच कठिन परिश्रम और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है।

ग्रामीणों का कहना है कि राजू सिंह ने यह साबित कर दिया कि लगन और मेहनत से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।उनकी सफलता से गांव के युवाओं को प्रेरणा मिल रही है। क्षेत्र के शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ग्रामीणों ने आशा जताई कि राजू सिंह आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूएंगे और समाज को दिशा देंगे।

व्यक्ति विशेष के प्रभाव में अनैतिक निर्णय ले रहे थे सहायक नगर आयुक्त : आशीष भारद्वाज

- नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर, मंत्री ने दिए अधिकारी को हटाने के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के समाजसेवी आशीष भारद्वाज ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सहायक नगर आयुक्त व्यक्ति विशेष से प्रभावित होकर लगातार अनैतिक व त्रुटिपूर्ण निर्णय ले रहे थे। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा किए गए कई कार्य भ्रष्टाचार से ग्रस्त रहे हैं, जिनमें विशेष रूप से 2 करोड़ 39 लाख रुपये की स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना में टेंडर शर्तों की अनदेखी की गई। न तो कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई, न ही सप्लाई का मानक रखा गया।आरोप लगाया गया कि जिस पदाधिकारी को वित्तीय निर्णय लेने का अधिकार नहीं था, उसी ने निविदा तय कर वित्तीय निर्णय लिया, जो नियमों का खुला उल्लंघन है।शहर की अव्यवस्थित स्थिति को देखते हुए आशीष भारद्वाज के नेतृत्व में व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल श्रवण गुप्ता, गौरी शंकर गुप्ता सहित अन्य सदस्य रांची पहुंचकर नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मिले। प्रतिनिधिमंडल ने सहायक नगर आयुक्त की मनमानी और भ्रष्टाचार की जानकारी विस्तार से दी।मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद उक्त सहायक नगर आयुक्त का पलामू से स्थानांतरण कर दिया गया।आशीष भारद्वाज ने कहा कि संबंधित अधिकारी लगातार कुछ पूंजीपतियों के प्रभाव में रहकर उन्हें लाभ पहुंचाने के इरादे से काम कर रहे थे। उनकी कार्यप्रणाली पूरी तरह व्यक्ति विशेष से प्रेरित थी, जिसके कारण नगर निगम में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया।

उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल की ओर से नगर विकास मंत्री एवं विभागीय सचिव के समक्ष शहर के दुकानदारों की पुरानी मांग, दुकान किराया दर निर्धारण का मुद्दा भी उठाया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसका समाधान भी शीघ्र किया जाएगा।

गुरुकुल विद्यालय में दीपावली पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित

बच्चों ने रामायण के पात्रों का जीवंत मंचन कर जीता सबका दिल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पाटन मोड़ स्थित गुरुकुल विद्यालय में दीपावली के अवसर पर शनिवार को एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक पंडित विजयानंद सरस्वती, पड़वा थाना के सब इंस्पेक्टर चिंटू कुमार और विजय कुमार रजक उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं और राम, लक्ष्मण, सीता व हनुमान जी के रूप में मंचन कर दर्शकों का मन मोह लिया। दर्शकों ने बच्चों की प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से मंच गुंजा दिया।मुख्य अतिथि पंडित विजयानंद सरस्वती ने दीपावली, छठ महापर्व और कार्तिक माह के सांस्कृतिक महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत ही एकमात्र देश है जहां डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है — जो हमारी सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। उन्होंने बच्चों को संघर्ष से आगे बढ़ने और अपनी संस्कृति को सहेजने का संदेश दिया।सब इंस्पेक्टर चिंटू कुमार ने बच्चों को दीपावली और छठ पूजा के दौरान सुरक्षा बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दीपावली में पटाखे जलाने में सावधानी रखें और छठ पर्व पर घाट जाने में अभिभावकों का साथ अवश्य हो।विद्यालय के अध्यक्ष अनुज सिंह ने कहा कि भारत त्योहारों की भूमि है जो हमारी सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। सचिव श्रीमती सोनम कुमारी ने विद्यार्थियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और सावधानीपूर्वक पर्व मनाने का आग्रह किया। प्रधानाध्यापक सहेंद्र साव ने बच्चों को सभी त्योहारों को सम्मान एवं अनुशासन के साथ मनाने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में शिक्षकगण राहुल गुप्ता, विवेक कुमार गुप्ता, रूपेश कुमार सिंह, रजनी सिंह, नेहा शुक्ला, सीमा श्रीवास्तव, संध्या मिश्रा, विजयलक्ष्मी, प्रीति कुमारी, अदिति कुमारी, खुशबू कुमारी, वर्षा कुमारी, अभिलाषा मिश्रा और विपिन कुमार सिंह उपस्थित रहे। विद्यालय द्वारा ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में संस्कृति और कला के प्रति जागरूकता विकसित की जाती है।

केतार : कनीय अभियंताओं को पंचायतवार जिम्मेदारी सौंपी गई

केतार। प्रखंड क्षेत्र में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के बेहतर और सुचारु क्रियान्वयन को लेकर प्रशासन ने बड़ी पहल की है। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रशांत कुमार ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से योजना के संचालन को सुदृढ़ बनाने हेतु कनीय अभियंताओं को पंचायतवार जिम्मेदारी सौंपी है। कनीय अभियंता आनंद कुमार को पाचाडुमर, परती कुशवानी और परसोडीह पंचायत, कनीय अभियंता राजीव कुमार को मुकुंदपुर और केतार पंचायत जबकि कनीय अभियंता सत्यम कुमार को लोहरगाड़ा और बलीगढ़ पंचायत की जिम्मेदारी दी गई है। बीडीओ प्रशांत कुमार ने जानकारी दी कि पूर्व में आनंद कुमार के अधीन सभी सात पंचायतें थीं, लेकिन ग्राम स्तर पर कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता को लेकर ग्रामीणों द्वारा शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों की जांच और समीक्षा के बाद पंचायतों का पुनः आवंटन किया गया है, ताकि प्रत्येक अभियंता को संतुलित जिम्मेदारी दी जा सके और योजना का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से हो सके।

पाक आर्मी चीफ ने भारत को दी धमकी

पाकिस्तान में आतंक फैला रहा भारत एरिया में बड़ा है तो महफूज न समझे

हमारे हथियार कहीं भी हमला कर सकते

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने शनिवार को फिर से भारत के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पास ऐसे हथियार हैं, जो कही भी जाकर हमला कर सकते हैं। मुनीर ने कहा, 'भारत की यह गलतफहमी कि वह अपनी बड़े होने की वजह से (एरिया में) महफूज है, जल्द खत्म हो जाएगी।' मुनीर ने ये बातें सैन्य अकादमी में एक पासिंग परेड को संबोधित करने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि परमाणु शक्ति वाले माहौल में जंग की कोई जगह नहीं है। अगर दोनों देशों के बीच कोई जंग हुई तो पाकिस्तानी सेना का जवाब उम्मीद से कहीं बढ़कर होगा, जिसके बारे में हमला करने वाले ने सोचा भी नहीं होगा।

मुनीर बोला- भारत से जंग में पाक आर्मी ने काबिलियत दिखाई : मुनीर ने कहा कि ऑपरेशन बुनीयान-उम-मारसूज (भारत के खिलाफ हुआ संघर्ष) के दौरान पाकिस्तान आर्मी ने अपनी काबिलियत दिखाई और अपने से कई गुना बड़ी दुश्मन सेना को हराया। उन्होंने कहा कि अल्लाह की मदद और लोगों के समर्थन से पाकिस्तान ने अपनी सीमाओं की रक्षा में बड़ी सफलता हासिल की है। मुनीर ने वादा किया कि देश की एक इंच भी जमीन किसी दुश्मन को नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे उन्होंने भारत को पिछली बार हराया था वैसे ही भारत की मदद से चलाए जा रहे आतंकियों के गुटों को कुचल डालेंगे।

भारत पर जीत साबित करती है कि पाकिस्तान लोहे की दीवार की तरह एकजुट और मजबूत है। पाकिस्तान का झंडा हमेशा ऊंचा रहेगा, यह किसी के भी सामने कभी नहीं झुकेगा। हमारी सेना देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सेना हमेशा तैयार है।

***आसिम मुनीर,** आर्मी चीफ, पाकिस्तान*

आसिम मुनीर बोले- पाकिस्तान-सऊदी भाईचारे को मजबूत कर रहे

मुनीर ने सऊदी अरब के साथ हाल के रक्षा समझौते पर भी बात की। उन्होंने इसे पाकिस्तान-सऊदी भाईचारे को मजबूत करने वाला बताया। साथ ही इसे मिडिल इस्ट और एशिया में शांति का कदम करार दिया। इसके अलावा मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान ने ईरान के साथ शांतिपूर्ण बातचीत में भूमिका निभाई है और दूसरे मुस्लिम देशों के साथ संबंध तेजी से बढ़ा रहे हैं। उन्होंने चीन के साथ ऐतिहासिक रणनीतिक साझेदारी पर भी गर्व जताया और अमेरिका के साथ मजबूत होते संबंधों को प्रेरणादायक बताया।

भारत के राफेल गिराने का दावा किया

आर्मी चीफ ने कहा कि पाकिस्तान एयर फोर्स ने भारत के राफेल गिराए, कई बेस और S-400 मिसाइल सिस्टम्स को निशाना बनाया। इसके साथ ही मुनीर ने कश्मीर में आतंकवाद और अत्याचारों की निंदा की और कश्मीरियों को अपने फैसले खुद करने का अधिकार देने की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरी लोगो के लिए समर्थन जारी रखेगा।

दो गुना बढ़ जाते हैं सर्दियों व प्रदूषण में हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले

30-50 आयु वर्ग के लोगों में भी सर्दियों के दौरान हृदय व मस्तिष्क संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, जो पहले बुजुर्गों तक सीमित थीं

आरपी सिंह

नई दिल्ली। उत्तर भारत में सर्दियों का आगमन न केवल ठंड लाता है, बल्कि वायु प्रदूषण के साथ मिलकर हृदय व मस्तिष्क संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दी में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ता है और हृदय पर दबाव पड़ता है। इसके साथ ही, वायु प्रदूषण में मौजूद महीन कण (पीएम 2.5) फेफड़ों के माध्यम से रक्त में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का जोखिम 1.5 से 2 गुना तक बढ़ जाता है। देश की राजधानी दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों जैसे एम्स, सफदरजंग व राम मनोहर लोहिया के आंकड़े बताते हैं कि सर्दियों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले गर्मियों की तुलना में दोगुने हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, सफदरजंग अस्पताल में सामान्य मौसम में प्रति माह औसतन 50-60 हार्ट अटैक के मामले आते हैं, जबकि सर्दियों में यह संख्या 90-120 तक पहुंच जाती है। इसी तरह, स्ट्रोक के मामलों में भी 40-50% की वृद्धि देखी गई है। एम्स के एक अध्ययन के अनुसार, 30-50 आयु वर्ग के लोगों में भी सर्दियों के दौरान हृदय और मस्तिष्क संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं, जो पहले बुजुर्गों तक सीमित थीं।

क्यों बढ़ता है खतरा? : सर्दियों में धमनियों का संकुचन रक्त संचार को प्रभावित करता है। डॉ. संदीप बंसल, सफदरजंग अस्पताल, बताते हैं कि ठंड के कारण रक्त गाढ़ा हो जाता है, जिससे थक्के बनने की आशंका बढ़ती है। इसके अलावा, प्रदूषण के महीन कण धमनियों में सूजन पैदा करते हैं, जो हार्ट अटैक का कारण बन सकता है। जीवनशैली भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सर्दियों में लोग कम व्यायाम करते हैं, पानी कम पीते हैं और धूम्रपान या शराब का सेवन बढ़ा देते हैं, जिससे जोखिम और बढ़ जाता है।

बचाव के उपाय : विशेषज्ञों की सलाह है कि सर्दियों में खुद को गर्म रखें, सुबह की सैर कोहरे के बाद करें और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं। डॉ. उपेंद्र कौल के अनुसार, समय पर जांच जैसे ईसीजी और एसएचओ से समस्याओं का जल्द पता लग सकता है। डॉ. अनिल सक्सेना ने बताया कि हल्की सांस फूलना या थकान को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सर्दियों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामलों में वृद्धि-

महीना	हार्ट अटैक (प्रति माह)	स्ट्रोक (प्रति माह)
गर्मी (जून)	50-60	30-40
सर्दी (जनवरी)	90-120	50-60

सर्दी और प्रदूषण का संयोजन जानलेवा हो सकता है। स्वस्थ जीवनशैली, नियमित जांच और सतर्कता से इन खतरों को कम किया जा सकता है। असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

भारत एंटीबायोटिक बेअसर मामले में नंबर वन

ब्यूरो

नई दिल्ली । भारत में स्वास्थ्य के मामले में एक बहुत बड़ी व गंभीर समस्या बढ़ती जा रही है, जिसे 'सुपरबग' कहा जाता है। यह वे बैक्टीरिया होते हैं जो दवाओं से लड़ने लगते हैं और दवाएं उन पर असर नहीं करतीं। इसका कारण है एंटीबायोटिक दवाओं का गलत या डॉक्टर-अस्पताल लाबी द्वारा की महंगी नई लांच दवाओं का इस्तेमाल। सरकार, अस्पताल, डॉक्टर और दवा कंपनियों के बीच गठजोड़ की वजह से मरीजों को अक्सर ज़रूरत से ज़्यादा और गलत दवाएं दी जाती हैं। इस वजह से बैक्टीरिया दवाओं के खिलाफ लड़ना सीख जाते हैं और मरीज की बीमारी बढ़ती चली जाती है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट क्या कहती है? : विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि दुनिया भर में हर छह में से एक बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवाओं के खिलाफ मजबूत हो चुका है। भारत इस मामले में सबसे आगे है। भारत, चीन और पाकिस्तान में खून के संक्रमण के लगभग 41% मामले पाए गए हैं। पेट के संक्रमण के 42% मामले चीन और ईरान से हैं, जबकि पेशाब के संक्रमण के 42% मामले भारत, इराक, ईरान और पाकिस्तान से आते हैं।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) क्या है? : जब बैक्टीरिया दवाओं का सामना करते हैं और उनसे लड़कर बच जाते हैं, तो इसे रोगाणुरोधी प्रतिरोध या एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) कहा जाता है। इसका मतलब है कि दवाएं उनका इलाज नहीं कर पातीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यह दुनिया के शीर्ष 10 स्वास्थ्य खतरों में से एक है। इससे लाखों लोग बीमार पड़ते हैं और मौतें होती हैं।

भारत में समस्या के कारण : भारत में एंटीबायोटिक दवाओं का ज्यादा और गलत इस्तेमाल होता है। एक तो लोग बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाएं लेते हैं। दूसरे अस्पताल, दवा कंपनी व डॉक्टर की लाबी मिलकर किसी कंपनी विशेष की महंगी एंटीबायोटिक व दवाएं लिखते हैं, जो मरीज पर असर नहीं करती। इसके अलावा अस्पतालों में सफाई कम होती है और डॉक्टर भी मरीजों को जरूरत से ज्यादा दवाएं लिख देते हैं। खेती व मुर्गी पालन में भी एंटीबायोटिक दवाओं का ज्यादा इस्तेमाल होता है। दवा कंपनियां इसे बढ़ावा देती हैं क्योंकि इससे उनका फायदा होता है। लेकिन इसके उत्पाद जो लोग खाते हैं वे मरीज होते जाते हैं।

भारत में आंकड़े क्या दिखाते हैं?

- भारत में जो दवाएं उपयोग होती हैं, उनका लगभग 80% इस्तेमाल हो जाता है, लेकिन केवल 7.8% मरीजों का ही सही इलाज होता है।बाकी में रोग प्रतिरोधक की समस्या की संभावना बढ़ जाती है।
- केवल 6.9% मरीजों को सही और असरदार दवा मिल पाती है।
- यह समस्या भारत में सबसे ज्यादा है क्योंकि यहां दवाओं का गलत इस्तेमाल और बैक्टीरिया की संख्या दोनों बहुत ज्यादा हैं

'सुपरबग' क्या होते हैं?

सुपरबग वे बैक्टीरिया होते हैं जो कई तरह की एंटीबायोटिक दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधी होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एएमआर सुपरबग हर साल पांच लाख से ज्यादा मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। सितंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र ने सुपरबग की समस्या को गंभीर मानते हुए इसके खिलाफ तेज़ कार्रवाई की बात कही।

समस्या का हल

दवाओं का सही व जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल करें।डॉक्टर जो दवा कंपनी व अस्पताल के गठजोड़ में शामिल हो उसकी पर्ची दवाएं न लें।ईमानदार डाक्टर से सलाह लें।अस्पतालों और घरों में साफ-सफाई रखें।खेती और पशुपालन में दवाओं का सीमित उपयोग करें।टीकाकरण बढ़ाएं और संक्रमण से बचाव करें। भारत में 'सुपरबग' एक बहुत बड़ा खतरा बन गया है। दवाओं का अंधाधुंध और गलत इस्तेमाल बैक्टीरिया को दवाओं के खिलाफ मजबूत बना रहा है। अगर हमने इस समस्या पर जल्दी ध्यान नहीं दिया, तो इलाज मुश्किल हो जाएगा और लोग बीमार होते रहेंगे।

दक्षिण अफ्रीका में बस दुर्घटना में 43 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन?

जोहान्सबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो प्रांत में हुई बस दुर्घटना में 43 लोगों की मौत हो गई। इस मामले में जांच के बाद परिवहन मंत्री बारबरा क्रीसी ने बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि बस जर्जर हालत में थी और सड़क पर चलने की स्थिति में नहीं थी और हादसे के वक्त उसकी रफ्तार तेज थी, जो हादसे की वजह बनी। सड़क यातायात प्रबंधन निगम ने इस दुर्घटना की जांच की। घटना में 43 लोग मारे गए और 30 से ज्यादा यात्री घायल हुए। परिवहन विभाग ने एक बयान में कहा, "बस दुर्घटना का एक प्रमुख कारण बस चालक था, जिसने पहाड़ी दर्रे की परिस्थितियों के हिसाब से बहुत तेज गति से बस चलाई। दुर्घटना के समय 62 सीटों वाली बस में 91 लोग सवार थे।

अफगानिस्तान से सीखे बीसीसीआई, खेल से ऊपर राष्ट्र : सांसद प्रियंका चतुर्वेदी

ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर तनाव चरम पर है। 17 अक्टूबर 2025 को पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक में अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के उरगुन जिले में 8 लोग मारे गए, जिनमें 3 युवा क्रिकेटर—कबीर, सिबगतुल्लाह व हारून—शामिल थे। ये खिलाड़ी शरना में फ्रेंडली मैच खेलकर लौटे थे, जब हमला हुआ। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अनुसार, 7 अन्य घायल हुए। टोलो न्यूज के मुताबिक, यह 48 घंटे के युद्धविराम का उल्लंघन था, जो 11 अक्टूबर से चले सीमा संघर्ष के बाद हुआ था। कुल मिलाकर, हफ्ते भर में 40 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं, ज्यादातर महिलाएं-बच्चे। इस घटना ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को झकझोर दिया। बोर्ड ने नवंबर में लाहौर-रावलपिंडी में होने वाली पाकिस्तान-स श्रीलंका के साथ ट्राई-नेशन टी20 सीरीज रद्द कर दी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा, "यह पीड़ितों के सम्मान में फैसला है। पाकिस्तानी सत्ता का कायराना हमला असहनीय है।

कप्तान राशिद खान ने एक्स पर लिखा, "महिलाओं, बच्चों और उभरते क्रिकेटरों की मौत अमानवीय है।" पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी भी भावुक हो गए। यह सीरीज 2025 की दूसरी ऐसी घटना होती, पहली यूएई में हुई थी। भारत में इसने राजनीतिक बहस छेड़ दी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राशिद की पोस्ट शेयर कर कहा, "पाकिस्तानी तंत्र कायरों का गठजोड़ है, जो निर्दोषों के खून पर पलता है। एसीबी का फैसला सही है। बीसीसीआई और भारत सरकार को खेल से ऊपर राष्ट्र को प्राथमिकता देने का सबक लेना चाहिए।" उन्होंने उम्मीद जताई कि श्रीलंका भी एकजुट होकर हटेगी, याद दिलाते हुए 2009 के लाहौर हमले का। चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया, "यह राजनीति नहीं, आतंकवाद के खिलाफ खड़े होने की बात है। दुष्ट राष्ट्र से जानें जाती हैं, परिवार बर्बाद होते हैं।" विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे हमले खेल को प्रभावित करते हैं। 2025 एशिया कप में अफगानिस्तान-पाकिस्तान मैच के बाद तनाव बढ़ा था। एसीबी का कदम क्षेत्रीय क्रिकेट को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन यह नैतिक जीत है। भारत को भी आतंक-प्रायोजित देशों से खेल संबंधों पर पुनर्विचार करना चाहिए।

पाकिस्तान के साथ वार्ता के लिए दोहा पहुंचा अफगानिस्तान का प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी । दोहा

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को पुष्टि की है कि तालिबान शासन के रक्षा मंत्री मौलवी मुहम्मद याकूब मुजाहिद के नेतृत्व में इस्लामिक अमीरात का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तानी पक्ष के साथ बातचीत के लिए दोहा पहुंच गया है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के

बीच इन दिनों भारी तनाव देखने को मिल रहा है। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के माध्यम से मुद्दा सुलझाने के लिए इस यात्रा को अहम माना जा रहा है।

स्लोवेनिया का ब्लेड संयुक्त राष्ट्र पर्यटन के 2025 के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में शामिल

एजेंसी । नई दिल्ली

स्लोवेनिया के शहर ब्लेड को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) टूरिज्म ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में शामिल किया है। ब्लेड अपनी सुंदर हिमनद झील, झील के बीच स्थित छोटे द्वीप और वहां के चर्च के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसके लिए शहर को यूएन टूरिज्म बेस्ट टूरिज्म विलेज पहल के तहत यह सम्मान

मिला है। यह सम्मान उन स्थानों को दिया जाता है जो प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करते हुए सतत पर्यटन विकास को बढ़ावा देते हैं।

बॉलीवुड में नई पीढ़ी का जलवा!

आर्यन खान के डेब्यू पर सलमान शाहरुख का धमाकेदार रिएक्शन

कहानी फिल्म जगत की

सऊदी अरब के रियाद में जॉय फ़ोरम कार्यक्रम में, बॉलीवुड के दिग्गज शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान एक साथ फिर से मिले और पुरानी यादें ताज़ा कीं और दोस्ताना बातचीत की। इस अवसर पर उनके दशकों के सहयोग और भारतीय सिनेमा पर इन सितारों के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।

चर्चा के दौरान, सलमान खान ने शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की उनके निर्देशन में बनी परियोजना के लिए प्रशंसा की। सलमान ने कहा, "आर्यन ने एक वेब शो, "द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड" बनाया था। इसने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। तो अब उसकी परवरिश भी वैसी ही है! वह ऐसा नहीं चाहता था... मैं चाहता हूँ कि वह कैमरे के सामने हो, और एक बेहद गंभीर पिता हो... और जैसा कि मैंने पहले कहा था, अगर वह उनका उत्तराधिकारी बनता है तो आर्यन ही एकमात्र व्यक्ति होगा जिससे वह खुश होगा।